शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, www.vbslive.in

हिंदी दैनिक

गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 11 | अंक : 38 | गुवाहाटी | बुधवार, 4 सितंबर, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

मणिपुर में ड्रोन से लोगों पर गिराए जा रहे बम, सीएम ने कहा... पेज 2
गुवाहाटी में म्यूल अकाउंट घोटाले में चार लोग गिरफ्तार पेज 3
बहुमत में आई नायब सरकार, सदन में विधायकों की संख्या बढ़कर हुई 81 पेज 5
पेरिस पैरालिंपिक : भारत के लिए ऐतिहासिक रहा सोमवार का दिन... पेज 7

भाजपा का सदस्यता ग्रहण करना पवित्र महायज्ञ

हमारी पार्टी में कोई परिवारवाद नहीं : सीएम

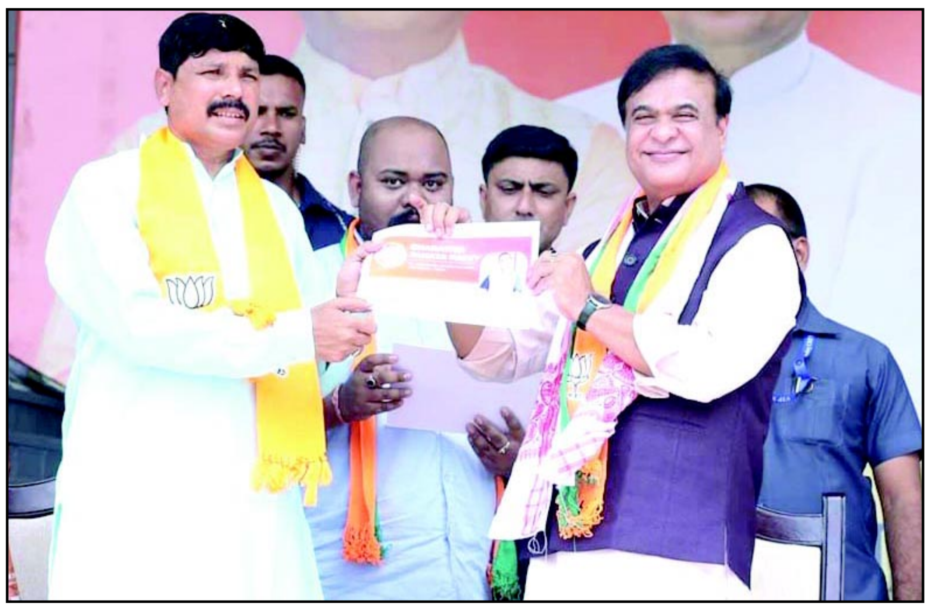

गुवाहाटी (एजे)। भाजपा का सदस्यता अभियान चल रहा है। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसकी शुरूआत की। वहीं, गुवाहाटी में भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए असम के सीएम हिमंत विश्व शर्मा ने कहा प्रत्येक भाजपा कार्यकर्ता के लिए पार्टी की सदस्यता ग्रहण करना एक पवित्र महायज्ञ है। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि भाजपा में कोई *परिवारवाद* नहीं है, लेकिन हमने कांग्रेस में परिवारवाद की तस्वीर देखी है। यह पार्टी कभी किसी खास परिवार के पास न जा सके इसकी मजबूत बुनियाद रखी गई है। इससे पहले हिमंत ने एक कार्यक्रम में कहा था कि एक लाख नौकरियां देने का वादा पूरा किया गया। यह महज एक मील का पत्थर से कहीं अधिक है; यह हमारे सामूहिक संकल्प का प्रमाण है। यह यात्रा मेरे जीवन -शेष पृष्ठ दो पर

एनएलएफटी, एटीटीएफ आज समझौता ज्ञापन पर करेंगे हस्ताक्षर

नई दिल्ली / अगरतला। बुधवार (4 सितंबर, 2024) को नई दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की उपस्थिति में केंद्र सरकार, त्रिपुरा सरकार और नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा (एनएलएफटी) और ऑल त्रिपुरा टाइगर फोर्स (एटीटीएफ) के प्रतिनिधियों के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए जाएंगे। गृह मंत्रालय ने मंगलवार (3 सितंबर, 2024) को एक प्रेस बयान में कहा कि समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के दौरान त्रिपुरा के मुख्यमंत्री माणिक साहा और गृह मंत्रालय (एमएचए) और त्रिपुरा सरकार के वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। गृह मंत्रालय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के उग्रवाद, हिंसा और संघर्ष से मुक्त विकसित पूर्वोत्तर के सपने को पूरा करने के लिए अथक प्रयास कर रहा है। प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार ने क्षेत्र में शांति और समृद्धि लाने के लिए 12 महत्वपूर्ण -शेष पृष्ठ दो पर

त्रिपुरा : राज्यसभा चुनाव में भाजपा को मिली जीत

कांग्रेस ने माकपा का नहीं दिया साथ, नहीं की वोटिंग

अगरतला। त्रिपुरा की एकमात्र राज्यसभा सीट के चुनाव में भाजपा के राजिब भट्टाचार्य ने जीत हासिल की। उन्होंने कहा कि मतदान पूरा हो चुका है। मुझे साठ वोट में से 47 मिले हैं। मैं त्रिपुरा के विकास के लिए काम करूंगा। वहीं, कांग्रेस ने चुनाव में मतदान से दूरी बनाए रखी। इस चुनाव में सत्तारूढ़ भाजपा और विपक्षी माकपा ने अपने-अपने उम्मीदवार उतारे थे। लोकसभा और विधानसभा चुनावों में कांग्रेस और माकपा ने मिलकर चुनाव लड़ा था। कांग्रेस के वरिष्ठ विधायक सुदीप रॉय बर्मन ने कहा कि हमने राज्यसभा चुनाव का बहिष्कार नहीं किया है। पार्टी ने हाल के हास्यास्पद पंचायत चुनावों -शेष पृष्ठ दो पर

ऑनलाइन स्टॉक निवेश घोटालों पर मुख्यमंत्री ने जताई चिंता

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने मंगलवार को जनता को कड़ी चेतावनी देते हुए उनसे धोखाधड़ी वाले ऑनलाइन शेयर बाजार निवेश से बचने का आग्रह किया। मुख्यमंत्री शर्मा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि न्यूनतम प्रयास से धन दोगुना करने के दावे आमतौर पर धोखाधड़ी वाले होते हैं। उन्होंने प्रेस को बताया कि अतिरिक्त ब्याज के साथ आपके पैसे को दोगुना करने का वादा धोखेबाजों की पहचान है। कानून के अनुसार, किसी को भी इस तरह के भ्रामक तरीके से स्टॉक ब्रोकिंग करने का अधिकार नहीं है। मुख्यमंत्री ने वैध शेयर बाजार निवेश के लिए सही प्रक्रियाओं को भी रेखांकित किया और कानून के बाहर काम करने वाले कुछ ऐप्स के प्रति जनता को आगाह किया। वे (कुछ ऐप) पूरी तरह से गैरकानूनी हैं। आज, पुलिस ने कार्रवाई की है, और भविष्य में, वे इसे और तेज करेंगे। स्टॉक ब्रोकिंग में शामिल होने के लिए एक उचित प्रक्रिया है - जैसे कि डीमैट खाता खोलना। इन ऐप्स को नजरअंदाज किया जाना चाहिए। वे शुरू में लोगों को आकर्षक रिटर्न का लालच देते हैं और फिर उन्हें ठग लेते हैं। इसलिए, कृपया इनसे दूर रहें, मुख्यमंत्री शर्मा ने सलाह दी। इससे पहले सोमवार रात को असम पुलिस ने हालिया ऑनलाइन निवेश घोटालों के सिलसिले में दो महत्वपूर्ण गिरफ्तारियां कीं। 22 वर्षीय ऑनलाइन व्यापारी विशाल फुकन को डिब्रूगढ़ से गिरफ्तार किया गया, जबकि स्वप्निल दास को गुवाहाटी के बेलतला स्थित उसके अपार्टमेंट से गिरफ्तार किया गया। दोनों पर अपनी धोखाधड़ी वाली निवेश योजनाओं में निवेश करने वाले लोगों से करोड़ों रुपए ठगने का आरोप है। डिब्रूगढ़ में पुलिस ने प्रभंजली रेजीडेंसी स्थित फुकन के आवास पर तलाशी अभियान चलाया, जिसके परिणामस्वरूप घोटाले -शेष पृष्ठ दो पर

चार दिवसीय दौरे पर शोणितपुर पहुंचे मुख्यमंत्री

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा मंगलवार को शोणितपुर जिले में पहुंचे। मुख्यमंत्री अपने चार दिन के प्रवास के दौरान चार अन्य जिलों को कवर करने के साथ कई स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा मंगलवार को चार दिवसीय दौरे पर शोणितपुर जिला पहुंचे। वे यहां चार दिन के प्रवास के दौरान शोणितपुर के अलावा लखीमपुर, बिश्वनाथ, डिब्रूगढ़ और तिनसुकिया जिलों को कवर करेंगे। मुख्यमंत्री सबसे पहले 1942 में सतिया थाना में तिरंगा फहराने वाले महान स्वतंत्रता सेनानियों का सम्मान बढ़ाने के उद्देश्य से थाना पहुंचे। इसके बाद श्रीश्री माधवदेव और श्रीश्री अनिरुद्धदेव का आशीर्वाद लेने के लिए दोनों ऐतिहासिक स्थानों पर पहुंचे। मुख्यमंत्री कल यानी बुधवार को लखीमपुर में होने वाली असम कैबिनेट की बैठक की अध्यक्षता करेंगे। इस बैठक में लोगों के कल्याण के लिए कई महत्वपूर्ण निर्णय लेंगे। -शेष पृष्ठ दो पर

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

नहीं थे कागजात, 28 मुस्लिमों को बस में बिठाया और भेज दिया डिटेंशन कैंप

बरपेटा। असम में धर्म के नाम पर एक बार फिर राजनीतिक बहस शुरू हो गई है। असम के बरपेटा से बड़ी खबर सामने आई है। बताया जा रहा है कि 28 मुस्लिमों को वहां डिटेंशन कैंप में डाल दिया गया है। बताया जा रहा है कि इन लोगों के पास भारतीय कागजात नहीं थे। इसके बाद से राज्या का सियासी पारा बहुत ज्यादा हाई हो गया है। इस मामले पर मुस्लिम स्टूडेंट यूनियन ऑफ असम ने आपत्ति जताई है। मुस्लिम स्टूडेंट यूनियन ऑफ असम के अध्यक्ष आशिक रब्बानी ने इसे सरासर गलत करार दिया है। साथ ही उन्होंने कहा है कि वो इस कदम के खिलाफ प्रदर्शन भी करेंगी। दूसरी तरफ गौहाटी हाई कोर्ट की सीनियर वकील रिजावल करीम ने असम की पार्टी संगठन से इन 28 लोगों को हर संभव मदद देने की अपील की है। बरपेटा के एक स्थानीय कार्यकर्ता फारुक -शेष पृष्ठ दो पर

नकली नोट छापने वाले मदरसे में मिलीं संघ से जुड़ीं किताबें

प्रयागराज (हि.स.)। प्रयागराज के मदरसा जामिया हबीबिया मस्जिदे आजम में जाली करेंसी छापने के साथ ही एक और बड़ा सनसनीखेज खुलासा हुआ है। इस मदरसे में छापेमारी के दौरान पुलिस टीमों को आरएसएस से जुड़ी कई किताबें मिलीं हैं। इन किताबों में आरएसएस को देश का सबसे बड़ा आतंकी संगठन कहा गया है। मदरसे के प्रिंसिपल मौलवी मोहम्मद तफसीरुल आरीफीन के कमरे में आरएसएस के ऊपर लिखी -शेष पृष्ठ दो पर

डिगबोई में खाद्य विषाक्तता के बाद 13 छात्र अस्पताल में भर्ती

डिगबोई। असम के तिनसुकिया में मंगलवार को संदिग्ध खाद्य विषाक्तता के बाद कम से कम 13 छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। उपलब्ध विवरण के अनुसार, वे सभी तिनसुकिया जिले के डिगबोई पुलिस स्टेशन के अंतर्गत मामोरानी गांव के जटिया विद्यालय के छात्र थे। वे सभी छात्रावास में रहने वाले थे। छात्रावास में रहने वाले 47 छात्रों में से 13 को तिनसुकिया मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया गया। डॉक्टरों के अनुसार दोपहर तक छात्रों की हालत स्थिर थी। जिन बीमार छात्रों में खाद्य विषाक्तता के लक्षण दिखने लगे, उन्हें बेहतर चिकित्सा उपचार के लिए ले जाया गया। अधिकारियों -शेष पृष्ठ दो पर

सुप्रभात

दौलत, दोस्त, पत्नी और राज्य दोबारा हासिल किये जा सकते हैं, लेकिन ये शरीर दोबारा हासिल नहीं किया जा सकता।

- आचार्य चाणक्य

न्यूज गैलरी

दंतेवाड़ा में मुठभेड़ नौ नक्सली ढेर

दंतेवाड़ा (हि.स.)। छत्तीसगढ़ के दंतेवाड़ा जिले के पुरंगेल वनक्षेत्र में मंगलवार को सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में 09 नक्सलियों को मार गिराया। मारे गए सभी 09 नक्सलियों के शव बरामद कर लिये गए हैं। इलाके में सुरक्षाबलों का सर्चिंग ऑपरेशन जारी है। दंतेवाड़ा जिले के पुलिस अधीक्षक गौरव राय के मुताबिक जिले के किरंदुल थाना क्षेत्र में बैलाडीला पहाड़ी की तलहटी -शेष पृष्ठ दो पर

स्कूल बस ने लोगों को कुचला, छात्रों 11 की मौत

बीजिंग। चीन के पूर्वी हिस्से में मंगलवार को एक स्कूल बस दुर्घटना का शिकार हो गई, जिसमें पांच छात्रों सहित कुल 11 लोगों की मौत हो गई। सरकारी प्रसारक सीसीटीवी के अनुसार, यह दुर्घटना सुबह 7:27 बजे शांदोंग प्रांत के ताईआन शहर में हुई। रिपोर्ट के अनुसार, जैसे ही स्कूल बस स्कूल के पास पहुंची, चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया और बस -शेष पृष्ठ दो पर

कांग्रेस नेताओं को राहुल की नसीहत, कहा-

गुटबाजी से रहें दूर, पार्टी फोरम में रखें अपनी बात

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने मंगलवार को अन्य वरिष्ठ नेताओं के साथ पार्टी के नवनियुक्त सचिवों और संयुक्त सचिवों से मुलाकात की और सभी से गुटबाजी से दूर रहने का आग्रह किया और उनसे कहा कि अगर उनके पास कोई मुद्दा है तो वे सार्वजनिक रूप से न जाएं। इसे पार्टी मंचों पर उठायें। बैठक में कांग्रेस अध्यक्ष -शेष पृष्ठ दो पर

बंगाल विस में अपराजिता विधेयक पारित दुष्कर्म के मामलों में कड़ी सजा का प्रावधान

कोलकाता (हि.स.)। पश्चिम बंगाल विधानसभा ने अपराजिता महिला और बाल (पश्चिम बंगाल अपराध कानून संशोधन) विधेयक 2024 मंगलवार को पारित कर दिया। इस विधेयक में दुष्कर्म और महिला उत्पीड़न के मामलों में कड़ी सजा का प्रावधान किया गया है। इसे अब राज्यपाल के पास भेजा जाएगा। उसके बाद राष्ट्रपति की मंजूरी मिलने के बाद यह कानून बन जाएगा। नए कानून के तहत दुष्कर्म मामलों की 21 दिन में जांच पूरी करनी होगी। इसके अलावा पीड़ित के कोमा में जाने या मौत होने पर दोषी को 10 दिन में फांसी की सजा होगी। कोलकाता के आरजी कर मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल में हुए हालिया घटनाक्रम के बाद पश्चिम बंगाल में दुष्कर्म एवं महिला उत्पीड़न को रोकने के लिए सख्त कानून बनाने -शेष पृष्ठ दो पर

बिहार में मंकी पॉक्स की एडवाइजरी जारी

जेपी एयरपोर्ट पर विदेश के यात्रियों की होगी निगरानी

पटना (हि.स.)। बिहार के स्वास्थ्य विभाग ने मंकी पॉक्स की रोकथाम के लिए जिला प्रशासन और अस्पतालों को एक एडवाइजरी जारी की है। एडवाइजरी के बाद प्राथमिकता के आधार पर जय प्रकाश नारायण अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा (पटना) पर एक स्वास्थ्य डेस्क स्थापित किया गया है। पटना के जिलाधिकारी (डीएम) चंद्रशेखर सिंह ने बताया कि अभी तक कोई मामला सामने नहीं आया है लेकिन हवाई अड्डे के अधिकारियों और जिला सिविल सर्जन को आने वाले यात्रियों की कड़ी निगरानी सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। उन्होंने बताया कि अधिकारियों को पटना आने वाले सभी अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों के पिछले 21 दिनों के इतिहास को हवाई अड्डे पर नोट करने के लिए कहा गया है। डीएम ने बताया कि पटना स्थित गयाघाट के अंतर्देशीय नौवहन प्राधिकरण के अधिकारियों को भी -शेष पृष्ठ दो पर

शिक्षा प्रणाली में अनुसंधान को बढ़ावा देना चाहिए : राष्ट्रपति

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने मंगलवार को महाराष्ट्र के पुणे में सिंबायोसिस विश्वविद्यालय के प्रोफेसरों, संकाय सदस्यों और पूर्व छात्रों से शिक्षा प्रणाली में अनुसंधान को बढ़ावा देने का आग्रह किया। राष्ट्रपति मुर्मू ने सिंबायोसिस इंटरनेशनल डीम्ड यूनिवर्सिटी के 21वें दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि वर्षों के शोध से नए आविष्कार होते हैं और चुनौतियों के नए समाधान मिलते हैं। भारत के रिसर्च स्कॉलर न केवल देश की, बल्कि दुनिया की समस्याओं का समाधान खोज सकते हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति में भी अनुसंधान को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया है। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि विश्वविद्यालय में जल संसाधन प्रबंधन, स्टेम सेल, नैनोसाइंस और जलवायु परिवर्तन सहित कई विषयों पर बहु-विषयक अनुसंधान केंद्र काम कर रहे हैं। राष्ट्रपति ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि आज वे इतने सक्षम हो गए हैं कि अपने व्यक्तित्व और ज्ञान से देश-विदेश में सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं। वे नवोन्मेष, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और मशीन लर्निंग के माध्यम से प्रबंधन, स्वास्थ्य सेवा, कानून, सामाजिक विज्ञान और अन्य क्षेत्रों में प्रभावी योगदान दे सकते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों से देश के विभिन्न समुदायों और क्षेत्रों की संस्कृति और उनकी वर्तमान -शेष पृष्ठ दो पर

युद्ध तभी रुकेगा, जब हमास का सफाया होगा : नेतन्याहू

तेल अवीव (हि.स.)। गाजा में बंधकों के साथ आतंकवादी समूह हमास की बर्बरता से महाशक्तियां विचलित हैं। छह बंधकों की हत्या से इजराइल में प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के प्रति लोगों में तीखा आक्रोश है। नेतन्याहू पर युद्धविराम के दबाव के लिए जनसैलाब सड़कों पर है। अमेरिका और ब्रिटेन के तेवर भी नरम पड़े हैं। बावजूद इसके प्रधानमंत्री नेतन्याहू ने गाजा से कदम पीछे हटाने से इनकार कर दिया है। अमेरिकी समाचार पत्र द न्यूयॉर्क टाइम्स के अनुसार, देश में हड़ताल और प्रदर्शन के बीच प्रधानमंत्री नेतन्याहू सोमवार को पत्रकारों के सामने आए। उन्होंने संवाददाता सम्मेलन में साफ-साफ कहा कि युद्ध तभी समाप्त होगा जब इजराइल हमास को खत्म कर देगा। नेतन्याहू -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

मणिपुर में ड्रोन से लोगों पर गिराए जा रहे बम, सीएम ने कहा-

ये आतंकी कृत्य, जवाब दिया जाएगा

इंफाल। मणिपुर के इंफाल में सोमवार को एक बार फिर से ड्रोन हमला हुआ। इसमें इंफाल पश्चिम के तीन लोग घायल हो गए, जबकि इंफाल पूर्व में आईआरबी के बंकर में तोड़फोड़ की गई। इससे पहले भी मणिपुर के इंफाल में हमला किया गया था। अब इन हमलों की मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह ने कड़ी शब्दों में निंदा की। उन्होंने इन हमलों को आतंकी कृत्य बताया। इसके साथ ही कहा कि राज्य सरकार ऐसे हमलों को गंभीरता से लेती है। एन बीरेन सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा, ड्रोन का इस्तेमाल कर नागरिक आबादी और सुरक्षाबलों पर बम गिराना आतंकी कृत्य है और मैं ऐसे कायरता वाले कामों की कड़े मैं शब्दों में निंदा करता हूं। मणिपुर राज्य सरकार इस तरह के बेवजह हुए हमले को काफी गंभीरता से लेती है और सरकार

आबादी को निशाना बनाने वाले आतंकवाद रवैया से निपटने के लिए जवाब जरूर देगी। मुख्यमंत्री ने जोर देते हुए कहा कि हम हर तरह की हिंसा की निंदा करते हैं और मणिपुर के लोग नफरत, विभाजन और अलगाववाद के खिलाफ एकजुट हैं। रविवार को इंफाल पश्चिम जिले के कोत्रुक और सेनजाम चिरांग में हुए दो अलग-अलग ड्रोन बम हमलों के बाद आज फिर यह हमला हुआ। रिपोर्ट्स के मुताबिक जब कोत्रुक में हमला शुरू हुआ, तो आईजीपी, डीआईजी, एसपी और अन्य पुलिस फोर्स क्षेत्र में पहुंचे और स्थिति को काबू में किया। इस बीच, मणिपुर पुलिस ने उग्रवादियों के ड्रोन के इस्तेमाल की जांच के लिए 5 सदस्यों की एक हाई लेवल कमेटी का गठन किया है। पुलिस विभाग की ओर से सोमवार को जारी की गई एक अधिसूचना में कहा गया है कि 1 सितंबर को कोत्रुक में एक बड़े हमले में कुकी उग्रवादियों ने हाई-टेक ड्रोन का इस्तेमाल करके कई आरपीजी तैनात किए थे, जिसमें एक महिला की मौत हो गई थी और तीन पुलिस कर्मियों समेत कई और लोग भी घायल हो गए थे।

रूस का यूक्रेन पर एक और घातक हमला, 41 मरे और 200 से ज्यादा घायल

नई दिल्ली (हि.स.)। रूस ने मंगलवार को एक बार फिर यूक्रेन पर घातक हमला बोला है। यूक्रेन के मध्य क्षेत्र में एक शिक्षा संस्थान और एक अस्पताल पर बैलॉस्टिक मिसाइल से किए गए हमले में 41 लोगों के मारे जाने और 200 से अधिक के घायल होने का समाचार है। एक अन्तर्राष्ट्रीय न्यूज एजेंसी ने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की के बयान को आधार बनाकर इसकी पुष्टि की है। रूस और यूक्रेन के बीच ढाई साल से चल रहे संघर्ष में पिछले कुछ दिनों में अचानक तेजी देखने को मिली है। रूस ने आज एक बार फिर यूक्रेन के पोल्तावा क्षेत्र में घातक मिसाइल दागी हैं। इस मिसाइल का निशाना बने संचार संस्थान का एक भाग मलबे में तब्दील हो गया और लोग उसके नीचे दब गए। हांलाकि विस्तृत विवरण का इंतजार किया जा रहा है पर जिस प्रकार यह हमला किया गया, वह रूस के अब तक किए गए कुछ घातक हमलों में से एक था। रूस और यूक्रेन के बीच 24 फरवरी, 2022 से जारी जंग में अचानक तेजी आई है। इससे पहले यूक्रेन ने भी रूस की एक मुख्य इमारत को ड्रोन के जरिए निशाना बनाया था। यह रूस के भीतर घुसकर किया गया हमला था, जिसका जवाब रूस देना चाह रहा है। इस बीच दोनों देशों के बीच शांति वार्ता के प्रयास भी जारी हैं, पर उनका कोई परिणाम निकलता नहीं दिख रहा है।

अवैध नागरिकों के खिलाफ जिला प्रशासन जल्द चलाएं अभियान : आसू

गुवाहाटी (हि.स.)। ऑल असम छात्र संघ (आंसू) की डिमोरिया शाखा ने जिला प्रशासन से अवैध प्रवासियों के विरुद्ध अतिशीघ्र अभियान चलाने का आह्वान किया है। आंसू की डिमोरिया शाखा द्वारा आज आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन के दौरान छात्र संघ के नेताओं ने डिमोरिया इलाके के कसुतली और सोनापुर पथार में संदिग्ध नागरिकों के खिलाफ जिला प्रशासन द्वारा चलाए गए अतिक्रमण हटाओं अभियान की प्रशंसा की। संगठन के नेताओं ने कहा कि डिमोरिया उन्नयन खंड अंतर्गत 12 पंचायत में से सोनापुर, कमारकुची, बरुआबड़ी, हाहरा, तेतरिया और टोपाटोली गांव पंचायत इलाके में अवैध तरीके से 500 से अधिक परिवार ट्राइबल ब्लॉक एंड बेल्ट की जमीन पर रह रहे हैं । जिन्हें जिला प्रशासन जल्द से जल्द हटाए। डिमोरिया इलाके में 145 गांव है जिसमें 112 गांव जनजाति लोगों के लिए संरक्षित रखा गया है। छात्र संगठन ने जिला उपायुक्त से अवैध नागरिकों के खिलाफ जल्द से जल्द कार्रवाई किए जाने की मांग की गई है। ज्ञात हो की 22 से 24 अगस्त के बीच कसुतली और सोनापुर इलाके में जिला प्रशासन द्वारा 11 घरों को तोड़ा गया था। जो अवैध रूप से बनाया गया था। आंसू नेताओं ने कहा कि अवैध रूप से रह रहे लोगों को बचाने के लिए कुछ लोग लगे हुए हैं। जिनके खिलाफ जल्द से जल्द कार्रवाई की जानी चाहिए।

सरभोग और बरपेटा रोड स्टेशनों के बीच दोहरी लाइन सेक्शन चालू

गुवाहाटी (हिंस)। रेल संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) ने आज सरभोग और बरपेटा रोड स्टेशनों के बीच बिछाई गई नई दोहरी लाइन सेक्शन का वैधानिक निरीक्षण पूरा किया। इस निरीक्षण का प्राथमिक उद्देश्य यात्री और मालगाड़ी सेवाएं शुरू करने से पहले इस सेक्शन में नवनिर्मित रेलवे बुनियादी संरचना की संरक्षा, सुरक्षा और परिचालन दक्षता सुनिश्चित करनी थी।

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे (सीपीआरओ) कपिंजल किशोर शर्मा ने आज बताया है कि सरभोग और बरपेटा रोड सेक्शन का कार्य न्यू बंगाईगांव-आगियाठुरी वाया रंगिया 142.97 किमी लंबी दोहरीकरण परियोजना का एक हिस्सा है। सरभोग और बरपेटा रोड के बीच का सेक्शन 06.22 किमी है। इस सेक्शन में 319.9 मीटर स्पान का एक प्रमुख पुल शामिल है। इस सेक्शन में 01 मानवयुक्त समपार फाटक है। विद्युतीकरण सहित इस द्वितीय लाइन को चालू किया गया। रेल संरक्षा आयुक्त (सीआरएस) ने रेलवे पुल, ट्रैक फिटिंग, पी-वे परिसंपत्तियों, इलेक्ट्रॉनिक इंटर-लॉकिंग, रिले रूम और समपार का निरीक्षण किया और ट्रेन परिचालन के लिए कर्मचारियों के तत्परता की भी जांच की। कुल 142.97 किमी लंबी न्यू बंगाईगांव-आगियाठुरी वाया रंगिया दोहरीकरण परियोजना में से 108.68 किमी अब तक चालू हो चुकी है। इससे पहले न्यू बंगाईगांव और बिजनी के बीच 17.53 किमी, पाठशाला और नलबाड़ी के बीच 26.91 किमी, बिजनी और सरभोग के बीच 18.99 किमी, चांगसारी और आगियाठुरी के बीच 7.48 किमी, बाइहाटा और चांगसारी के बीच 10.15 किमी तथा बरपेटा रोड और पाठशाला के बीच 21.40 किमी सेक्शन को क्रमशः 30 अगस्त 2022, 24 मई, 13 जून, 26 दिसंबर 2023, 20 मार्च तथा 03 जून 2024 को चालू किया गया। इसके अलावा सरभोग और बरपेटा रोड के बीच 06.22 किमी आज चालू किया गया। इस समय नलबाड़ी से बाइहटा सेक्शन के बीच 31.828 किमी के बीच दोहरीकरण का कार्य प्रगति पर है और यह कार्य पूर्ण होने की ओर अग्रसर है।

फ्रांस में प्रवासियों से भरी नाव दुर्घटनाग्रस्त, 13 लोगों की मौत

पेरिस। फ्रांस के एक तटीय शहर के मेयर ने बताया कि मंगलवार को इंग्लिश चैनल पार करने के प्रयास के दौरान एक नाव के टूट जाने से 13 प्रवासियों की मौत हो गई। इस हादसे में दर्जनों लोग खतरनाक पानी में कूद गए थे। ले पोर्टेल के मेयर ओलिवियर बारबरिन ने कहा कि नाव का निचला हिस्सा फट गया, जिससे यह दुर्घटना हुई। बोलोग्ने-सुर-मेर के पास एक प्राथमिक चिकित्सा चौकी स्थापित की गई है, जहां पीड़ितों के इलाज की कोशिश की जा रही है। एक समुद्री बचाव अधिकारी ने पुष्टि की कि कम से कम 13 प्रवासी मारे गए हैं, हालांकि सटीक संख्या अभी भी नहीं पता है। फ्रांसीसी समुद्री क्षेत्र के प्रवक्ता एटिने बैगियो ने कहा कि *10 से ज्यादा* लोग मारे गए हैं, लेकिन उनके पास सटीक संख्या नहीं है। नाव ग्रिस-नेज पॉइंट के पास मुश्किल में पड़ गई थी। बागियो और मेयर दोनों ने बताया कि बचावकर्मियों ने 61 लोगों को पानी से निकाला है। उत्तरी फ्रांस में समुद्र का तापमान लगभग 20 डिग्री सेल्सियस था। अंतर्राष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अनुसार, इस साल ब्रिटेन में प्रवेश करने का प्रयास करते समय कम से कम 30 प्रवासी मारे गए या लापता हो गए हैं। हाल ही में यूके होम ऑफिस द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार, पिछले सात दिनों में कम से कम 2,109 प्रवासियों ने छोटी नावों पर इंग्लिश चैनल पार करने की कोशिश की है। यूरोप में शरणार्थियों के लिए सख्त नियम, बढ़ती विदेशी नफरत और प्रवासियों के प्रति शत्रुतापूर्ण व्यवहार के कारण वे उत्तर की ओर जाने को मजबूर हो रहे हैं।

पृष्ठ एक का शेष

हमारी पार्टी में ...

के सबसे फायदेमंद और चुनौतीपूर्ण अध्यायों में से एक रही है। उन्होंने कहा था कि मैं अपने कैबिनेट सहयोगियों और अधिकारियों की समर्पित टीम के प्रति अपनी गहरी कृतज्ञता व्यक्त करता हूं जो हर कदम पर मेरे साथ खड़े रहे। साथ मिलकर, हमने पारदर्शिता के लिए एक नया मानदंड स्थापित किया है, असम के इतिहास में कुछ अभूतपूर्व हासिल किया है। नरेंद्र मोदी ने सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के सदस्यों से पार्टी के सदस्यता अभियान के दौरान संगठन का इस तरह विस्तार करने को कहा कि विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू होने पर लोकसभा और विधानसभाओं के लिए अधिकतम महिला उम्मीदवार निर्वाचित हों। उन्होंने यहां पार्टी मुख्यालय में आयोजित एक समारोह में इस अभियान की शुरुआत करते हुए यह बात कही। भाजपा अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने राजनाथ सिंह और अमित शाह जैसे केंद्रीय मंत्रियों समेत पार्टी के वरिष्ठ नेताओं की मौजूदगी में मोदी की सदस्यता का नवीनीकरण किया। इसी के साथ पार्टी के सदस्यता अभियान की शुरुआत हुई। प्रधानमंत्री ने अक्सर भाजपा के लिए महिलाओं के समर्थन में वृद्धि के बारे में बात की है और पार्टी से उन तक अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए कहा है। प्रधानमंत्री ने पार्टी सदस्यों से नए सदस्यों को शामिल करने में अभिनव प्रयोग करने को कहा और उनसे सीमावर्ती गांवों को भाजपा का गढ़ बनाने और आदिवासियों के साथ-साथ 18-25 वर्ष आयु वर्ग की पीढ़ी पर ध्यान केंद्रित करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी दस साल पहले कांग्रेस नीत संप्रग सरकार के दौरान मीडिया की सुर्खियों से वाकिफ नहीं है और उन्होंने सिर्फ नया भारत देखा है जो विभिन्न क्षेत्रों में अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।

एनएलएफटी, एटीटीएफ आज ...

समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं। इन 12 समझौतों में से तीन समझौते त्रिपुरा से संबंधित हैं। गृह मंत्रालय के बयान में आगे कहा गया है कि नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार द्वारा कई समझौतों पर हस्ताक्षर किए जाने के कारण करीब 10,000 लोगों ने हथियार छोड़ दिए हैं और मुख्यधारा में शामिल हो गए हैं। एनएलएफटी का गठन 12 मार्च 1989 को भारत से अलग होने और सशस्त्र संघर्ष के माध्यम से एक स्वतंत्र त्रिपुरी राज्य की स्थापना के उद्देश्य से किया गया था। इस संगठन को अप्रैल 1997 में गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम, 1967 के तहत गैरकानूनी घोषित कर दिया गया था। एटीटीएफ की स्थापना 11 जुलाई 1990 को त्रिपुरा राष्ट्रीय स्वयंसेवक के पूर्व सदस्यों के एक समूह द्वारा की गई थी। ऐसा कहा जाता है कि इस समूह का गठन एनएलएफटी की सशस्त्र शाखा के रूप में हुआ था, लेकिन बाद में यह विभाजित हो गया और अपना स्वयं का संगठन बना लिया।

त्रिपुरा : राज्यसभा चुनाव...

के विरोध में मतदान न करने का फैसला लिया, क्योंकि यह लोकतंत्र के लिए खतरा बन चुके हैं। त्रिपुरा में तीन-स्तरीय पंचायत चुनावों में भाजपा ने 71 फीसदी सीटों पर बिना किसी मुकाबले के जीत हासिल की। विपक्षी दलों ने आरोप लगाया कि वे इन 71 फीसदी सीटों पर उम्मीदवार नहीं उतार सके, क्योंकि भाजपा ने आतंक की रणनीति अपनाई थी। राज्यसभा चुनावों में माकपा ने पूर्व विधायक सुदन दास को भाजपा के उम्मीदवार राजिब भट्टाचार्य के खिलाफ खड़ा किया। दास भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष भी हैं। बर्मन ने कहा, माकपा ने राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवार चुनने से पहले हमसे कोई परामर्श नहीं किया। त्रिस्तरीय पंचायत चुनावों के दौरान बड़े पैमाने पर हुए आतंक के विरोध में वे चुनाव का बहिष्कार कर सकते थे। चुनाव के दौरान बेलोनिया में माकपा के एक उम्मीदवार की हत्या कर दी गई थी। उन्होंने यह भी कहा कि भाजपा के अत्याचारों के विरोध में कांग्रेस माकपा के साथ शामिल हो सकती है। लेकिन सभी चुनावों में एक साथ लड़ना जरूरी नहीं है। माकपा के राज्य सचिव जितेंद्र चौधरी ने कहा कि पार्टी ने कांग्रेस के साथ विधानसभा, लोकसभा और पंचायत चुनावों में कोई गठबंधन नहीं किया। उन्होंने मीडिया को बताया, हमने पिछले चुनावों में भाजपा को हराने के लिए कांग्रेस के साथ सीटों का तालमेल बिठाया था। चौधरी ने यह भी कहा कि चुनावी प्रक्रिया में जीत या हार सबकुछ नहीं है। पार्टी ने भाजपा की विचारधारा के विरोध में राज्यसभा चुनाव में अपना उम्मीदवार उतारा है। साठ सदस्यीय त्रिपुरा विधानसभा में माकपा के पास दस विधायक हैं। वहीं कांग्रेस के पास तीन विधायक हैं। सत्तारूढ़ भाजपा के पास 33 विधायक हैं। जबकि उसकी दो सहयोगी पार्टियां टिपरा मोथा और आईपीएफटी के पास क्रमश: 13 और 1 विधायक हैं।

ऑनलाइन स्टॉक निवेश ...

से जुड़ी विभिन्न वस्तुएं और दस्तावेज जब्त किए गए। फुकन और उनके एक सहयोगी पर अब ऑनलाइन ट्रेडिंग के नाम पर लोगों से धोखाधड़ी करने का आरोप है। अधिकारियों ने असमिया कोरियोग्राफर सुमी बोरा की भी तलाश शुरू कर दी है, जो कथित तौर पर फुकन के नेटवर्क से जुड़ी हुई है। एक अलग अभियान में, गुवाहाटी पुलिस ने दास को गिरफ्तार किया, जिस पर धोखाधड़ीपूर्ण ऑनलाइन ट्रेडिंग योजनाओं के माध्यम से कई पीड़ितों को ठगने का आरोप है। दास को उनके बेलतला अपार्टमेंट से हिरासत में लिया गया, जहां पुलिस ने दो लग्जरी वाहन भी जब्त किए।

नहीं थे कागजात...

खान ने बताया कि जिले के विभिन्न क्षेत्रों के 28 परिवारों में से प्रत्येक को पुलिस स्टेशनों में बुलाया गया था, जिसके बाद उन्हें एसपी कार्यालय में बुलाया गया और जबरन बस में बिठाया गया। खान ने कहा कि असम पुलिस की सीमा शाखा द्वारा उन्हें विदेशी नोटिस दिए गए और उनके मामले विदेशी न्यायाधिकरणों को भेज दिए गए, जहां कई सुनवाई के बाद उन्हें विदेशी घोषित कर दिया गया। अवैध प्रवासन के मामलों से निपटने के लिए विदेशी अधिनियम 1946 के तहत स्थापित विदेशी न्यायाधिकरण अर्ध न्यायिक निकाय हैं। डी (संदिग्ध) मतदाताओं और विदेशियों के मामलों से निपटने के लिए पूरे असम में लगभग 100 ऐसे न्यायाधिकरण हैं। पड़ोसी बांग्लादेश से अवैध प्रवासियों का पता लगाने के लिए स्वदेशी असमियों द्वारा लंबे आंदोलन के बाद असम में ऐसे न्यायाधिकरण स्थापित किए गए थे। उन्होंने कहा कि अवैध प्रवासियों ने असमिया लोगों की पहचान और संस्कृति के लिए खतरा पैदा कर दिया है।

नकली नोट छापने ...

गई आपत्तिजनक किताबें, तस्वीरें मिलने के बाद मामला और गम्भीर हो गया है। अब इसे लेकर बवाल खड़ा हो गया है। खुफिया एजेंसियों ने इसे लेकर जांच तेज कर दी है। आशंका जतायी जा रही है कि मदरसे में पढ़ने वाले कई राज्यों के बच्चों को आरएसएस को आतंकी संगठन बताकर उनका ब्रेन वॉश किया जा रहा था। फिलहाल इस मामले में कोई अधिकारी बोलने को तैयार नहीं है। सूत्रों की मानी जाय तो किताब के लेखक एसएम मुशर्रफ महाराष्ट्र पुलिस के पूर्व आईजी हैं। किताब में मुंबई 26/11 हिन्दू अटैक बताया गया है। पाकिस्तान के डॉन अखबार ने किताब की तारीफ में लेख लिखा था। डॉन ने लिखा कि इंडिया का एक आईजी खुद कह रहा है कि ये हमला पाकिस्तान ने नहीं किया था। किताब उर्दू में लिखी गयी है। पुलिस ने इसका हिन्दी में अनुवाद करवाया। हिन्दी अनुवाद की कॉपी भी भेजी गई है। बता दें कि, अतरसुइया के मदरसे से पहले नकली नोट बरामद हुए। अब ऐसी किताबें बरामद हुई हैं जिनमें आरएसएस और हिन्दुओं को आतंकवादी बताया गया है। किताब का नाम देख पुलिस दंग रह गई। नकली नोट छापने के आरोप में हाल ही में पुलिस ने छापा मारकर मदरसे के मौलाना सहित 4 लोगों को गिरफ्तार किया था।

डिगबोई में खाद्य ...

के अनुसार, छात्रावास में छात्रों को सुबह के भोजन में बांस के अंकुर और मछली दी गई। नाश्ते के बाद लगभग सभी में उल्टी, चक्कर आना और पेट दर्द के लक्षण दिखने लगे। हालाँकि, उनमें से 13 में गंभीर लक्षण पाए गए। उन्हें तुरंत इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया, जबकि अन्य की देखभाल छात्रावास में की जा रही है। अधिकारियों ने बताया कि स्थिर हालत वाले मरीजों को अस्पताल से चरणबद्ध तरीके से छुट्टी दी जा रही है। अस्पताल प्रशासन ने घटना के बारे में लिखित रूप से शिक्षा विभाग को अवगत कराया। इस बीच, खाद्य निरीक्षकों सहित अधिकारियों की एक टीम ने घटनास्थल का दौरा किया और आवश्यक औपचारिकताओं और जांच के लिए खाद्य पदार्थ के नमूने एकत्र किए। रिपोर्ट मिलने तक भोजन विषाक्तता का कारण पता नहीं चल पाया है।

चार दिवसीय दौरे ...

इसके अलावा अपने चार दिवसीय दौरे के दौरान डिब्रूगढ़ में मुख्यमंत्री का सचिवालय का लोकार्पण करेंगे। इसके अलावा, वे इस समय नए शैक्षणिक संस्थानों के लिए विशिष्ट स्थानों पर पहुंचकर प्रगति की समीक्षा करेंगे। मुख्यमंत्री इन जिलों में होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों में शामिल होंगे। उल्लेखनीय कि मुख्यमंत्री का पद ग्रहण करने के बाद राजधानी के बाहर जिला स्तर पर कैबिनट की बैठक आयोजित करने की परंपरा डॉ. शर्मा ने शुरू की है। अब तक कई जिलों में कैबिनेट की बैठक सफलतापूर्वक आयोजित की जा चुकी है।

गुटबाजी से रहें ...

मल्लिकार्जुन खड़गे, लोकसभा नेता राहुल गांधी और पार्टी जीएस-ओ के सी वेणुगोपाल शामिल हुए। इस पहली बैठक में कांग्रेस नेतृत्व का संदेश साफ था कि नेताओं को प्रदर्शन करना होगा और छह महीने बाद उनके प्रदर्शन की समीक्षा की जाएगी और जवाबदेही तय की जाएगी। सूत्रों के मुताबिक, राहुल गांधी ने कहा कि भविष्य के नेता इन्हीं नेताओं से सामने आएंगे और उन्होंने कहा कि नेतृत्व का उद्देश्य कनिष्ठ वर्ग को बढ़ावा देना है न कि उन्हें खारिज करना। हालांकि, उन्होंने सभी को गुटबाजी से दूर रहने की कड़ी चेतावनी दी है और नेताओं से कहा है कि अगर उनके पास कोई मुद्दा है तो उन्हें सार्वजनिक रूप से नहीं जाना चाहिए, इसके बजाय उन्हें इसे पार्टी मंच के भीतर उठाना चाहिए। पार्टी के वरिष्ठ नेता केसी वेणुगोपाल ने नेताओं से महीने में कम से कम पंद्रह दिन अपने राज्यों में रहने को कहा कि उन्होंने यह भी कहा कि छह महीने में सभी नए पदाधिकारियों के प्रदर्शन की समीक्षा की जाएगी। उन्होंने इस तथ्य पर भी जोर दिया कि पार्टी के पास सीमित संसाधन हैं, इसलिए सभी नए पदाधिकारियों को इसका सामना करना पड़ेगा। इस दौरान राहुल गांधी ने सभी से देश भर में संविधान बचाने और कांग्रेस पार्टी की विचारधारा की रक्षा करने को कहा।

बंगाल विस में ...

की मांग उठ रही थी। विधानसभा में पारित संशोधन विधेयक में दुष्कर्म के लिए आजीवन कारावास की सजा का प्रावधान है। दोषी को जुर्माना भी देना होगा। इसके अलावा दोषियों को मृत्युदंड की सजा भी दी जा सकती है। जुर्माने की राशि का उपयोग पीड़िता की चिकित्सा और पुनर्वास के लिए किया जाएगा, जिसे विशेष अदालत के निर्धारित समय सीमा के भीतर देना अनिवार्य होगा। जैसा कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 461 में उल्लेख किया गया है। संशोधन विधेयक का उद्देश्य वेस्ट बंगाल क्रिमिनल लॉ एंड अमेंडमेंट बिल में बदलाव कर दुष्कर्म और यौन शोषण के मामलों में महिलाओं-बच्चों की सुरक्षा बढ़ाना है। विधेयक के प्रावधानों के अनुसार भारतीय न्याय संहिता के सेक्शन 64, 66, 70(1), 71, 72(1), 73, 124(1) और 124 (2) में बदलाव का प्रस्ताव किया गया है। इसमें मुख्य तौर पर दुष्कर्म की सजा, दुष्कर्म और हत्या, सामूहिक दुष्कर्म, लगातार अपराध करना, पीड़ित की पहचान उजागर, एसिड अटैक के मामले शामिल हैं। इसमें सेक्शन 65(1), 65 (2) और 70 (2) को हटाने का प्रस्ताव है। इसके अतिरिक्त भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 में नए प्रावधान जोड़ने का भी प्रस्ताव है। विधेयक में कहा गया है कि एफआईआर दर्ज होने के 21 दिनों के भीतर जांच पूरी करनी होगी। यदि इस समय सीमा में जांच पूरी नहीं होती है, तो इसे 15 दिनों के लिए बढ़ाया जा सकता है लेकिन इससे अधिक समय नहीं दिया जाएगा। ममता सरकार द्वारा उठाए गए इस कदम को राज्य में महिलाओं की सुरक्षा को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण प्रयास माना जा रहा है।

जेपी एयरपोर्ट पर...

जहाजों के माध्यम से आने वाले अंतर्राष्ट्रीय यात्रियों की कड़ी निगरानी सुनिश्चित करने के लिए कहा गया है। अस्पतालों और सरकारी स्वास्थ्य केंद्रों को मंकी पॉक्स का कोई मामला दर्ज होने पर संबंधित अधिकारियों को सूचित करने के लिए कहा गया है। उन्होंने बताया कि अस्पतालों को इस बीमारी के लिए सकारात्मक परीक्षण करने वाले रोगियों को अलग रखने के लिए बिस्तर आरक्षित करने का भी निर्देश दिया गया है।

शिक्षा प्रणाली में ...

आवश्यकताओं को समझने का आग्रह किया। राष्ट्रपति ने कहा कि इस जानकारी के आधार पर उन्हें ऐसे सॉफ्टवेयर, स्वास्थ्य सेवा उत्पाद और विपणन रणनीतियां बनानी चाहिए जो सभी के विशेषकर वंचित वर्गों के लोगों के विकास में सहायक हों और स्थिरता को भी बढ़ावा दें। उन्होंने कहा कि स्टार्ट-अप इंडिया, स्किल इंडिया, मेक इन इंडिया और डिजिटल इंडिया जैसी पहल भी उन्हें अपने लक्ष्यों को प्राप्त करने में मदद करेंगी। राष्ट्रपति ने कहा कि सिंबायोसिस इंटरनेशनल में पढ़ने वाले लगभग 33000 विद्यार्थियों में छात्रों और छात्राओं की संख्या लगभग बराबर है। उन्होंने कहा कि नारी शक्ति की प्रगति न केवल नागरिकों के लिए गर्व की बात है, बल्कि यह देश के विकास के लिए भी एक महत्वपूर्ण मापदंड है। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि सिंबायोसिस डीम्ड यूनिवर्सिटी लैंगिक समानता को प्राथमिकता दे रही है और लड़कियों की शिक्षा के लिए उचित माहौल और सुविधाएं प्रदान कर रही है। उन्होंने सभी शिक्षण संस्थानों से छात्राओं को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने और उनके लिए सुरक्षित और सहायक माहौल बनाने का आग्रह किया। राष्ट्रपति ने विश्वविद्यालय परिसर में *सिंबायोसिस आरोग्य धाम* की स्थापना की सराहना करते हुए कहा कि यह चिकित्सा सेवाओं में सुधार की दिशा में एक कदम है। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि सिंबायोसिस डीम्ड यूनिवर्सिटी परिसर के आसपास के गांवों में मोबाइल फेमिली हेल्थ क्लीनिक चला रही है। उन्होंने कहा कि युवा पीढ़ी को नवीनतम तकनीक के ज्ञान के साथ-साथ मूल्य आधारित शिक्षा प्रदान करना सभी शैक्षणिक संस्थानों का उद्देश्य होना चाहिए। राष्ट्रपति ने छात्रों को सलाह दी कि वे हर काम में उत्कृष्टता हासिल करने की कोशिश करें। उन्होंने कहा कि आपने कहावत तो सुनी होगी - उत्कृष्टता का पीछा करो और सफलता अपने आप आएगी। लेकिन कई बार ऐसा होता है कि कुछ लोग ज्यादा पैसा, बड़ा घर, बड़ी गाड़ी और दूसरी चीजें होना ही सफलता की निशानी मान लेते हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि वे सफलता का सही मतलब समझेंगे और ऐसा काम करेंगे, जिससे दूसरों का जीवन स्तर भी सुधरेगा।

युद्ध तभी रुकेगा...

ने मिस्र की सीमा के साथ गाजा में भूमि की एक पट्टी पर इजराइल की निरंतर उपस्थिति पर कहा कि यह इजराइल की सुरक्षा के लिए जरूरी है। द न्यूयॉर्क टाइम्स की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि वाशिंगटन में राष्ट्रपति जो बाइडेन ने कहा है कि नेतन्याहू बंधकों को घर लाने के लिए पर्याप्त प्रयास नहीं कर रहे हैं। ब्रिटेन ने भी घोषणा की है कि वह इजराइल को कुछ हथियारों की बिक्री को निलंबित कर देगा। संचार माध्यमों में कहा जा रहा है कि अभी भी हमास की कैद में लगभग 100 इजरायली बंधक हैं। हमास ने नेतन्याहू को धमकी दी है। हमास की सशस्त्र शाखा ने सोमवार को कहा है कि यदि सैन्य दबाव जारी रहा तो बंधकों को *ताबूतों के अंदर* इजराइल वापस भेज दिया जाएगा। साथ ही चेतावनी दी है कि यदि इजराइली सैनिक आते हैं तो बंधकों की सुरक्षा करने वाले आतंकवादियों को *नए निर्देश* दिए गए हैं। उधर, गाजा में हमास की कैद में मारे गए अमेरिकी-इजराइली बंधक हेरश गोल्डबर्ग-पोलिन को यरुशलम में अंतिम विदाई दी गई। इसमें हजारों लोग शामिल हुए।

दंतेवाड़ा में मुठभेड़ ...

में पश्चिम बस्तर डिवीजन के 30-35 नक्सलियों की उपस्थिति की गुप्त सूचना के बाद लोहा गांव की तरफ से डीआरजी, बस्तर फाइटर, सीआरपीएफ यंग प्लाटून, सीआरपीएफ 111वीं बटालियन की अलग-अलग टुकड़ियों को सोमवार रात को सर्चिंग पर रवाना किया गया था। मंगलवार सुबह पुरंगेल वनक्षेत्र में नक्सलियों ने सुरक्षाबलों को आता देख उन पर फायरिंग शुरू कर दी। सुरक्षा बलों ने भी इसका जवाब दिया। इस दौरान हुई मुठभेड़ में 09 नक्सली मारे गए। सभी 9 नक्सलियों के शव बरामद कर लिये गए हैं। इसके अलावा मौके से एसएलआर, 303 राइफल, 315 बोर बंदूक समेत विस्फोटक बरामद किए गए हैं। इलाके में सर्चिंग ऑपरेशन जारी है। पुलिस अधीक्षक राय ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि बैलाडीला की पहाड़ियों के नीचे पुरंगेल, लोहा गांव की तरफ बड़ी संख्या में नक्सली मौजूद हैं। इसी सूचना के आधार पर जवानों को सर्च ऑपरेशन के लिए भेजा गया था। जवान जब नक्सलियों के कोर इलाके में घुसे तो नक्सलियों ने आज सुबह करीब 6 बजे फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद जवानों ने भी मोर्चा संभालते हुए जवाबी फायरिंग की, जिसमें 9 नक्सली मारे गए। मुठभेड़ में शामिल सभी जवान सुरक्षित हैं। सर्च आपरेशन जारी है। विस्तृत जानकारी सर्च ऑपरेशन पूरा होने के बाद मिलेगी।

स्कूल बस ने लोगों ...

ने राहगीरों को कुचल दिया। सीसीटीवी के अनुसार, सुबह 7:27 बजे के आसपास, बस जब स्कूल के पास पहुंची, तो चालक ने वाहन पर नियंत्रण खो दिया। बस सड़क के किनारे खड़े अभिभावकों और बच्चों के समूह से टकरा गई। दुर्घटना के बाद, एक अन्य व्यक्ति की स्थिति गंभीर बताई गई है, जबकि 12 अन्य लोगों की हालत स्थिर है। सोशल मीडिया पर शेयर की गई तस्वीरों और वीडियो में घायलों को खून से लथपथ और एक भूरे रंग की बस के पास सड़क पर पड़े हुए देखा जा सकता है। कुछ वीडियो में जमीन पर घुटनों के बल बैठे वयस्कों को बच्चों के ऊपर से गुजरते हुए दिखाया गया है, जबकि अन्य लोग पृष्ठभूमि में शोर मचाते हुए सुनाई दे रहे हैं। एक वीडियो में, एक महिला की आवाज को यह कहते हुए सुना जा सकता है, वे सभी मर चुके हैं, यह बहुत हृदय विदारक है। उसने बताया कि अगर वह वहां होती, तो संभवत: उसकी भी मौत हो जाती, लेकिन सौभाग्यवश वह तेजी से भाग गई। एएफपी ने कई तस्वीरों और वीडियो को शेडोंग के उस स्कूल से जोड़ने में सक्षम पाया जहां यह घटना हुई थी। सीसीटीवी ने जानकारी दी कि ड्राइवर को स्थानीय पुलिस ने पकड़ लिया है और घटना के कारण की जांच की जा रही है। चीन में इस सप्ताह कई सार्वजनिक स्कूल नए शैक्षणिक वर्ष के लिए फिर से खुल गए हैं। देश में ढीले सुरक्षा मानकों और अव्यवस्थित ड्राइविंग के कारण अक्सर घातक यातायात दुर्घटनाएं होती रहती हैं। जुलाई में, एक अन्य दुर्घटना में चांगशा शहर में एक वाहन पैदल यात्रियों से टकरा गया था, जिसमें आठ लोगों की मौत हो गई और पांच लोग घायल हो गए थे।

गुवाहाटी में म्यूल अकाउंट घोटाले में चार लोग गिरफ्तार

गुवाहाटी। असम के गुवाहाटी में पुलिस ने एक बैंक खाता घोटाले (म्यूल अकाउंट) का पर्दाफाश करते हुए चार प्रमुख आरोपियों को गिरफ्तार किया और महीनों से चल रहे साइबर अपराधियों के कार्यप्रणाली का पर्दाफाश किया। पुलिस आयुक्त दिगंत बराह ने बताया कि गुवाहाटी के साइबर पुलिस स्टेशन में दर्ज यह मामला धोखेबाजों के एक परिष्कृत नेटवर्क के इर्द-गिर्द घूमता है, जो भोले-भाले लोगों को निशाना बनाते हैं, जिनमें से ज्यादातर निम्न आर्थिक तबके से आते हैं। जांच के दौरान पुलिस को कथित साइबर अपराधियों के एक गिरोह का पता चला, जो भोले-भाले लोगों को एकमुश्त राशि जमा कराने का वादा करके उनके बैंक खातों से पैसे निकाल लेते थे। आरोपी अन्वेष चंद्रा, बबलू दास, चिन्मय चक्रवर्ती और अविनाश महतो ने खातों को संचालित करने के लिए फर्जी नाम और मोबाइल नंबर का इस्तेमाल किया और मूल खाताधारकों को धोखा दिया। पुलिस ने कहा कि जांच के दौरान उन्हें काफी मात्रा में *अपराध सिद्ध करने वाले* साक्ष्य मिले हैं। बरामद वस्तुओं में 44 चेकबुक, 12 बैंक पासबुक, 49 डेबिट/एटीएम कार्ड, संयुक्त अरब अमीरात और थाईलैंड की विदेशी मुद्रा और सात फोनपे यूपीआई स्कैनर शामिल हैं। पुलिस ने आगे बताया कि इनके साथ ही उन्होंने 17 सिम कार्ड, लेन-देन विवरण वाली तीन कार्मिक डायरियां, एक अंतर्राष्ट्रीय ड्राइविंग परमिट, सात मोबाइल हैंडसेट, एक पासपोर्ट और एक कार भी जब्त की। कमिश्नर ने कहा कि पासपोर्ट और कार (मारुति सुजुकी ऑल्टो) अवनेश चंद्रा की थी। यह जांच गुवाहाटी निवासी राहित अली नामक पीड़ित की शिकायत के आधार पर शुरू की गई थी। बाद में आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया और उनसे पूछताछ चल रही है। घोटालों के बारे में बोलते हुए पुलिस आयुक्त ने लोगों को अन्य प्रकार के साइबर अपराध के प्रति भी सचेत रहने को कहा। उन्होंने आम जनता से अपील की कि वे किसी भी संदिग्ध धोखाधड़ी के प्रति सचेत रहें तथा इसकी सूचना शीघ्र पुलिस को दें। उन्होंने कहा कि पिछले एक साल में साइबर अपराधियों ने गुवाहाटी में विभिन्न लोगों से 35 करोड़ रुपए से अधिक की ठगी की है। उन्होंने यह भी बताया कि चोरी हुई धनराशि में से अब तक केवल 2.5 रुपए ही बरामद हो पाए हैं।

कछार में हेरोइन के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

कछार (हिंस)। कछार पुलिस ने असम-मणिपुर की सीमा पर दो तस्करों को हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आज बताया कि विश्वसनीय सूत्रों के आधार पर लखीपुर थाना अंतर्गत हमरखावलीन में मणिपुर से आ रही एक स्कूटी को रोका गया। गहन तलाशी के दौरान स्कूटी सवार और पीछे बैठे व्यक्ति के कब्जे से प्लास्टिक की 4 साबुनदानी बरामद किए गए, जिनमें हेरोइन होने का संदेह है (प्रत्येक के पास दो साबुनदानी थे), जिनका वजन लगभग 54 ग्राम है। प्रक्रिया के अनुसार उन्हें जब्त कर लिया गया। इस संबंध में मणिपुर के नगुलखोलियन खोंगसाई (32) और मणिपुर के सिमिंथांग सिंगसन (32) नामक दो व्यक्तियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। मामले की आगे की जांच जारी है।

भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने लिया मां कामाख्या का आशीष

गुवाहाटी (हिंस)। भारतीय क्रिकेट टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने मंगलवार को मां कामाख्या का आशीष लिया। मंगलवार को नीलांचल पहाड़ स्थित विख्यात शक्तिपीठ कामाख्या मंदिर के दर्शन के लिए वे गुवाहाटी आये हैं। उन्होंने मां कामाख्या की विशेष पूजा-अर्चना कर मां की आशीष ली। मुख्य कोच ने मां कामाख्या धाम में विशेष पूजा अर्चना पूजा संपन्न की। पूजा संपन्न करने के बाद गौतम गंभीर वापस लौटे।

पेरिस ओलंपियन मुक्केबाज लवलीना बोरगोहाई ने की मुख्यमंत्री से मुलाकात

गुवाहाटी (हिंस)। हाल ही में संपन्न पेरिस ओलंपिक में भाग लेने के बाद असम लौटीं मुक्केबाज लवलीना बोरगोहाई ने मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा से मंगलवार को मुलाकात की। राज्य खेल दिवस के मौके पर कोइनाधारा स्थित राजकीय अतिथि गृह में हुई इस मुलाकात के बाद मुख्यमंत्री डॉ. शर्मा ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करते हुए लिखा है कि ओलंपियन मुक्केबाज लवलिना बोरगोहाई हमारी संपत्ति हैं। मैं उनको हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि भविष्य में वे प्रदेश और देश का नाम रोशन करेंगी। मुख्यमंत्री ने कहा है कि राज्य खेल दिवस के मौके पर खेल से जुड़े इस विशेष दिन पर हमारे प्रत्येक एथलीट को हार्दिक शुभकामनाएं एवं बधाई। मुख्यमंत्री ने कहा है कि असम के लोगों की ओर से मैंने लोवलिना बोरगोहाई को पेरिस अलंपिक 2024 में उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए बधाई दी। साथ ही उन्होंने लोगों से आह्वान किया कि इस राज्य खेल दिवस पर, आइए हमारे सभी असाधारण खिलाड़ियों और खिलाड़ी महिलाओं के प्रेरणादायक समर्पण का जश्न मनाएं।

असम के पूर्व राज्यपाल कटारिया को असम मंत्रिमंडल ने किया सम्मानित

गुवाहाटी (हिंस)। असम सरकार के मंत्रिमंडल ने मंगलवार को असम के पूर्व राज्यपाल और पंजाब के वर्तमान राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया को सम्मानित किया। इसे लेकर मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने अपनी प्रसन्नता सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर कर व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने बताया है कि मंत्रिमंडल ने आज असम के पूर्व राज्यपाल और पंजाब के वर्तमान राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया के हमारे राज्य में बिताए गए समय के दौरान प्रदान की गई अमूल्य सेवा के लिए एक प्रस्ताव पर मुहर लगी। इस पर आज चंडीगढ़ में मंत्रिमंडल के सहयोगियों रंजीत कुमार दास और चंद्र मोहन पटवारी ने असम सरकार के लिए उनकी अद्वितीय सेवा और मार्गदर्शन के लिए उन्हें कृतज्ञतापूर्वक सम्मानित किया। मुख्यमंत्री ने कहा है कि असम के लोगों की ओर से मैं राज्यपाल कटारिया के अच्छे स्वास्थ्य और भविष्य के जीवन के लिए हार्दिक बधाई देता हूं। असम सरकार के दोनों मंत्रियों की ओर से सम्मान स्वरूप एक कृतज्ञता पत्र प्रदान किया गया।

हल्की सी बरसात के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर जल जमाव

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी के जोराबाट तीनाली में जल जमाव होने की वजह से इस मार्ग से गुजरने वाले लोगों को आज काफी मुसीबतों का सामना करना पड़ा। मिली जानकारी के अनुसार मंगलवार की दोपहर को हुई मूसलाधार बरसात की वजह से जोराबाट तीनाली स्थित राष्ट्रीय राजमार्ग पर बने फ्लाई ओवर के नीचे भारी जल जल जमाव हो गया जिसकी वजह से इस मार्ग से ऊपरी असम जाने वाले लोगों को काफी मुसीबत का सामना करना पड़ा।. राष्ट्रीय राजमार्ग 27 पर हल्की सी बरसात के बाद जल जमाव की समस्या कोई नई बात नहीं है। फोर लेन निर्माण के बाद से ही राष्ट्रीय राजमार्ग पर यह समस्या उत्पन्न हुई है। एक ओर.जल जमाव की वजह से वाहन चालकों को एक और काफी मुसीबत का सामना करना पड़ रहा है वहीं दूसरी ओर राष्ट्रीय राजमार्ग की हालत काफी जर्जर हो गई है जिसकी वजह से काफी वाहनों को नुकसान हो रहा है।

ब्लेड से काटकर ट्रक चालक की हत्या की कोशिश, खलासी गिरफ्तार

होजाई (हिंस)। लंका के पीपलपुखुरी नंबर 2 में डालमिया सीमेंट इंडस्ट्री के सामने एक ट्रक चालक की ब्लेड से गला रेतकर हत्या करने की कोशिश की गई। पुलिस ने आज बताया कि शराब पीने के बाद हुए झगड़े में ट्रक के खलासी ने चालक जगतनाथ बोरा की गर्दन पर बीती रात ब्लेड से हमला कर दिया। ट्रक चालक को हालांकि बचा लिया गया। इसी बीच घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची उदाली पुलिस ने ट्रक के खलासी मिलनज्याति बोरा को पकड़ लिया। खलासी मिलनज्योति बोरा अत्यधिक नशे की हालत में था। उसने शराब पीने के बाद उस पर ब्लेड से हमला करने की बात कबूल की।

कोकराझाड़ को नया कन्वेंशन सेंटर मिलेगा

बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने किया शिलान्यास

कोकराझाड़। बीटीसी प्रमुख प्रमोद बोड़ो ने एक महत्वपूर्ण टिप्पणी की आज एक नए 300-सीटर ऑडिटोरियम सह की आधारशिला रखने के साथ मील का पत्थर बीटीसी सचिवालय कन्वेंशन सेंटर बोडोफा न्यूग्वर, कोकराझाड़ में स्थित है। यह प्रोजेक्ट है क्षेत्र के बुनियादी ढांचे को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने के लिए तैयार। शिलान्यास समारोह के दौरान बीटीसी प्रमुख बोड़ो ने परिवर्तनकारी पर जोर दिया नई सुविधा की संभावना। उन्होंने कहा कि पूरा होने पर, सभागार एक प्रदान करेगा विभिन्न सरकारी और गैर-सरकारी कार्यक्रमों के लिए अत्याधुनिक स्थान। चाय इस आयोजन स्थल से क्षेत्र में सामाजिक-सांस्कृतिक, साहित्यिक और आर्थिक विकास को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है विविध कार्यक्रमों को समायोजित करना। परियोजना, अनुमानित बजट रु. 3.21 करोड़ में एक वॉकिंग जोन भी होगा परिसर के भीतर, साइट के दौरे के बाद चीफ बोड़ो का एक निर्देश। इस अतिरिक्त का लक्ष्य है सुबह और शाम की सैर करने वालों के लिए पहुंच और सुविधा सुनिश्चित करें। समारोह में बीटीसी के प्रमुख सचिव आकाश दीप उपस्थित थे जतिन बोरा, और अन्य वरिष्ठ बीटीसी अधिकारी।

फैंसी बाजार और रंगिया राणी सती मंदिर में भादो अमावस्या के अवसर पर भजन-कीर्तन कार्यक्रम का भव्य आयोजन

गुवाहाटी/रंगिया (विभास/निसं)। भाद्रपद अमावस्या के उपलक्ष्य में गुवाहाटी के फैंसी बाजार स्थित श्री राणी सती मंदिर में दो दिवसीय कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। प्रथम दिन भजन कीर्तन से समारोह की शुरुआत की गई। इस अवसर पर संपूर्ण मंदिर को फूलों से सजाकर राणी सती दादी के विग्रह पर सोलह श्रृंगार किया गया। द्वितीय दिन अमावस्या के उपलक्ष्य में राणी सती दादी के धोक, पूजा-अर्चना का कार्यक्रम शुरू हुआ। श्रद्धालुओं की लंबी लाइन राणी सती दादी को धोक देने के लिए लगी हुई थी। दोपहर को मंगल पाठ के संगीत से पूरा मंदिर परिषद गूंज उठा। कानपुर से आए कृष्ण तुलस्यान के संगीतमय मंगल पाठ में महिला सदस्योंओ ने भक्ति पूर्वक नृत्य भी किया। रात्री को स्थानीय गायक कलाकार जगदीश महतो और भूटान की गायिका नैना मोठ ने भजनों की प्रस्तुति दी। **रंगिया** से हमारी संवाददाता के अनुसार दरंगा मार्ग पर स्थापित श्री राणी सती मंदिर में वार्षिक उत्सव भादो अमावस्या उत्सव पूर्ण आस्था के साथ धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर मंदिर परिसर की साफ सफाई, विद्युत व फूल मालाओ से सजाया गया। उत्सव के कार्यक्रमों में 2 सितबंर सोमवार की संध्या श्रृंगार दर्शन के बाद संध्या आरती व रात्रि बजरंग भजन मंडली द्वारा कीर्तन किया गया। आज मंगलवार की सुबह सावरमल बुबना सपत्नीक विद्या देवी संग पूजा अर्चना के बाद ज्योत प्रज्ज्वलन की गई। तत्पश्चात धोक के बाद महाआरती तथा प्रसाद वितरण किया गया। आज मंदिर में भक्तों का महासमागम देखा गया। अपराहण रंगिया महिला मंडल द्वारा मंगल पाठ का आयोजन किया गया। जिसमें आमंत्रित भजनगायिक प्रीति धानुका ने मंगल पाठ के दौरान सती दादी के विभिन्न उत्सव का संगीतमय पाठ किया। मंगल पाठ के बाद संध्या आरती व छप्पन भोग अर्पित किया गया। प्रसाद वितरण के साथ उत्सव संपन्न होने की जानकारी दी गई है। मंदिर संस्थापक परिवार के सदस्य श्री बुबना ने सभी दादी भक्तों से भादो अमावस्या के सभी कार्यक्रमों में भाग लेने के लिए आभार व्यक्त करते हुए सक्रीय योगदान हेतु सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया है।

लिडू में एक ही रात में 40 से अधिक पशु चोरी

तिनसुकिया (हिंस)। तिनसुकिया जिले के लिडू के एक हिस्से में पशु चोरों के एक समूह ने गांव वालों की नींद उड़ा रखी है। एक ही रात में चोरों ने 40 से अधिक पशुओं को चुरा लिया। जिससे ग्रामीणों में खौफ व्याप्त है। तिनसुकिया जिले के लिडू में गाय चोरों का खौफ छाया हुआ है। स्थानीय लोगों ने मंगलवार को बताया कि बीती रात लिडू के सिपे गांव और रद गांव से लगभग 40 पशुओं की चोरी होने का मामला सामने आया है। सिपे गांव के किसान बाबूवा किसान के दो जोड़ी बैल एवं लक्षीराम नागवंशी का एक जोड़ी बैल उनके पशु घरों से चोर लेकर फरार हो गए।

छत्रीबाड़ी श्याम मंदिर में भादो अमावस का उत्सव मनाया गया

गुवाहाटी। (विभास)। छत्रीबाड़ी एटी रोड स्थित श्याम मंदिर में राणी सती दादी के विग्रह के सामने भादो अमावस का उत्सव मनाया गया। इस अवसर पर राणी सती दादी के मंदिर सहित पूरे श्याम मंदिर को आकर्षक रूप से सजाया गया। मंगल पाठ वाचक प्रिया झुनझुनवाला ने भजनों की वर्षा के साथ ही संगीतमय मंगल पाठ का वाचन किया। मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित गोपाल शर्मा ने बताया कि श्याम मंदिर में विभिन्न देवी देवताओं के मंदिर विद्यमान है। जिनमें राणी सती का मंदिर भी है। जिसमें प्रत्येक वर्ष भादो अमावस्या के उपलक्ष्य में भादो उत्सव मनाया जाता है। इस वर्ष भी मंगल पाठ के बाद महा प्रसाद का आयोजन किया गया। रात्रि में स्थानीय कलाकारों द्वारा भजन संध्या का कार्यक्रम भी किया गया। जिसमें सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया।

राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष के समर्थन में उतरे कोकराझाड़ बासफोर समिति

कोकराझाड़ (विभास)। आज कोकराझाड़ में हुए एक समवादमेल के माध्यम से अल बि टी आर बासफोर समाज सेवा समिति के सभापति बिशाल बासफोर, परदेसी बासफोर, उकील बासफोर, खोभारी बासफोर सहित कई बासफोर समिति के सभापति सचिव ने संयुक्त रूप से एक संवादमेल का आयोजन किया। इस संवाददाता सम्मेलन के माध्यम से कहा कि असम राज्य सफाई कर्मचारी आयोग (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के अध्यक्ष बैजनाथ बासफोर कोकराझाड़ में दो दिवसीय दौरा पर जिले के सफाई कर्मचारियों की समस्यायों की समाधान को लेकर जगह जगह जाकर स्थिति का जायजा लिया। साथ ही उन्होंने कई अधिकारियों अधिकारियों से मिले। इसी बीच भीम बास्फोर ने असम राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ बास्फोर के कोकराझाड़ दौरा के विरुद्ध में एक स्थानीय समाचार में न्यूज प्रकाशित हुआ है। जो सारे कोकराझाड़ जिले के बासफोर सफाई कर्मचारी संगठन इस समाचार का खंडन करते हैं। हम सारे कोकराझाड़ के बासफोर संगठन के लोग असम राज्य सफाई कर्मचारी आयोग के अध्यक्ष बैजनाथ बासफोर के साथ खड़े हैं। वहीं राज्य के मुख्यमंत्री डॉ. हेमंत विश्व शर्मा को असम राज्य सफाई कर्मचारी आयोग में बैजनाथ बासफोर को अध्यक्ष पद देने के लिए धन्यवाद ज्ञापन करते हैं।

रेलवे ट्रैक के किनारे मिला युवक युवती का शव

ग्वालपाड़ा (हिंस)। ग्वालपाड़ा जिले के जोगीघोपा-कामाख्या रेलवे ट्रैक के पास एक युवक युवती का शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि जोगीघोपा- कामाख्या रेलवे ट्रैक के किनारे दो शव देखे जाने की जानकारी मिलते ही रेलवे पुलिस मौके पर पहुंचकर दोनों शवों को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया। मृतक की पहचान जोगीघोपा के युवक नजीबुल हक और ग्वालपाड़ा की युवती यास्मीना खातून के रूप में की गई है। दोनों का शव रेलवे ट्रैक के पास से बरामद किया गया है। किसी ट्रेन की चपेट में आने से दोनों की मौत होने का अनुमान जताया गया है। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में यह आशंका व्यक्त किया है कि दोनों किसी ट्रेन के आगे छलांग लगाकर आत्महत्या की होगी। पुलिस इस संबंध में एक प्राथमिकी दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

होजाई : रविंद्रनाथ टैगोर विवि हिंदी सप्ताह का आयोजन सितंबर 9 से

होजाई (निसं)। होजाई स्थित रविंद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में होगा हिंदी सप्ताह का आयोजन। प्राप्त जानकारी के अनुसार विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग द्वारा सितंबर 9 से लेकर 14 सितंबर तक हिंदी सप्ताह का आयोजन हर्षोल्लास के साथ किया जाएगा जिसमें विभिन्न तरह के कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। हमारे संवाददाता से बात करते हुए रविंद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के हिंदी विभाग के विभागाध्यक्ष एवं सह-प्राध्यापक डॉ मनोज कुमार स्वामी ने बताया कि हिंदी मात्र एक भाषा नहीं है, यह भारत के एक सौ चालीस करोड़ लोगों को आपस में जोड़ने की एक मजबूत कड़ी है। हिंदी की जड़ें जितनी गहरी है, उतना ही समृद्ध इसका इतिहास भी है। 14 सितंबर, 1949 को भारत की संविधान सभा ने हिंदी को औपचारिक भाषा का दर्जा दिया था। तब से हर वर्ष 14 सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है। हिंदी दिवस मनाने का उद्देश्य हिंदी भाषा के प्रयोग को प्रोत्साहन देना है। रविंद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय में छात्र एकता सभा के सौजन्य से आयोजित हिंदी सप्ताह का शुभारंभ 9 सितंबर को उद्घाटन समारोह एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम सेशहोगा, 10 सितंबर को हिंदी निबंध लेखन प्रतियोगिता विषय हिंदी की संवैधानिक स्थिति अथवा भावनात्मक एकता दोपहर 2 बजे से प्रारंभ होगी। उन्होंने आगे बताया कि 11 सितंबर को कविता लेखन प्रतियोगिता आयोजित होगी, 12 सितंबर को हिंदी भाषण प्रतियोगिता जिसका विषय पूर्वोत्तर भारत में हिंदी की स्थिति (निर्धारित समय 5 मिनट रहेगा प्रतियोगिता 2 आरंभ होगी), सितंबर 13 को हिंदी कविता पाठ प्रतियोगिता व 14 सितंबर शनिवार को हिंदी सप्ताह समापन समारोह का आयोजन प्रात: 10 होगा। प्रतियोगिताओं में पंजीकरण की अंतिम तिथि 8 सितंबर है। पंजीकरण नि:शुल्क है बिना पंजीकरण के कोई भी प्रतियोगी प्रतियोगिता में भाग नहीं ले सकता है। पंजीकरण के लिए करण दास से 6001507769 व्हाट्सएप नंबर पर संपर्क कर सकतें है। उक्त प्रतियोगिताओं में रवींद्रनाथ टैगोर विश्वविद्यालय के अलावा इससे संबद्ध महाविद्यालयों के छात्र-छात्राएं भी प्रतिभागिता कर सकते हैं।

भक्तामर महामंडल विधान का आयोजन

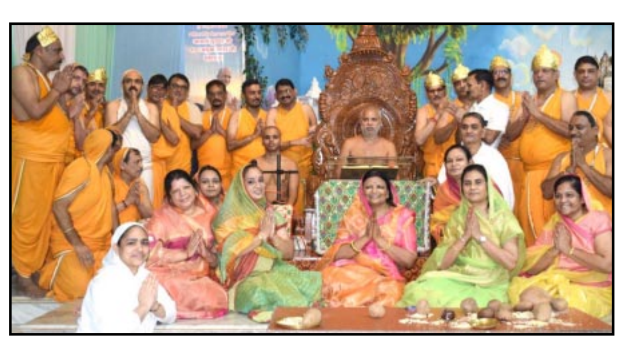

डिमापुर। डिमापुर के दिगंबर जैन मंदिर में विराजित राजकीय आतिथि आचार्य प्रमुख सागर महाराज ससंघ के सानिध्य में 48 दिवसीय भक्तामर महामंडल विधान का आयोजन बड़े ही धूमधाम से आयोजित किया जा रहा है। इस अवसर पर आज आचार्य श्री ने उपस्थित श्रद्धालुओं को 42वें श्लोक का महत्व समझाते हुए कहा कि बाहर के हाथी, घोड़े, शत्रु, सैनिक कितने भी हो अगर हमारे अंदर भगवान के प्रति, गुरु के प्रति सच्ची भक्ति भावना हो, तो कोई शत्रु हमारा कुछ भी नहीं बिगाड़ सकता। उन्होंने कहा कि ईर्ष्या, अहंकार, क्रोध आदि हमारी आत्मा का घात करने वाले हाथी, घोड़े, सर्प, बिच्छू शत्रु स्वरूप है। हमें उनको पराजित कर अपने जीवन का कल्याण करने के लिए भगवान और गुरु की भक्ति करनी चाहिए। क्योंकि प्रभु के नाम स्मरण से अशुभ कर्म के हाथी घोड़े सब भाग जाते हैं। इसलिए हमें सच्चे मन से प्रभु की भक्ति करनी चाहिए। तभी हमारा जीवन का कल्याण होगा।

संपादकीय

न्याय जैसा हो न्याय

यह सुखद ही है कि देश के सर्वोच्च न्यायालय ने 75 साल का गरिमामय सफर पूरा कर लिया है। संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के प्रयासों में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को यादगार बनाने के लिये बाकायदा डाक टिकट व सिक्के भी हाल ही में जारी किये गए। लेकिन पिछले दिनों न्यायिक बिरादरी के विभिन्न आयोजनों में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्य न्यायाधीश ने इस बात पर बल दिया कि समय पर न्याय मिलने से ही न्याय का वास्तविक लक्ष्य पूरा होता है। सभी ने शीघ्र न्याय की जरूरत को स्वीकारते हुए कहा कि 'तारीख पे तारीख' की संस्कृति से तौबा करने का वक्त आ गया है? यही वजह है कि जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिये अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के प्रयास करने की सख्त जरूरत है। उन्होंने स्वीकारा कि अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित मामलों का होना हम सभी के लिये बड़ी चुनौती है। इससे पहले जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता पर बल दिया था ताकि महिलाओं में अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ सके। निस्संदेह, हाल के वर्षों में महिलाओं के खिलाफ अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे हमारे समाजशास्त्री और कानून लागू करवाने वाली विभिन्न एजेंसियां भी हैरान-परेशान हैं। लेकिन यहां विचारणीय प्रश्न यह भी कि जिला स्तर पर न्यायालयों में लंबित मामलों का ग्राफ लगातार क्यों बढ़ता जा रहा है। जिला अदालतों में साढ़े चार करोड़ मामलों का लंबित होना हमारी गंभीर चिंता का विषय होना चाहिए। जिसके लिये न्यायिक प्रकिया से जुड़े कामकाज की समीक्षा होनी जरूरी है। वहीं दूसरी ओर विभिन्न मुख्य न्यायाधीशों ने बार-बार निचली अदालतों में न्यायाधीशों की कमी का मुद्दा भी उठाया है। जाहिरा तौर पर संसाधनों की कमी भी न्यायिक प्रक्रिया की गति को प्रभावित करती है। दरअसल, कुछ समाजशास्त्री मानते रहे हैं कि महिलाओं के प्रति बढ़ते अपराधों की वजह वह जटिल व्यवस्था भी है, जिसके चलते अपराधी बच निकलने का रास्ता निकाल लेते हैं। किसी भी वारदात के बाद आम विमर्श का विषय होता है कि अपराधियों में पुलिस व कानून का भय नहीं रह गया है। कुछ लोग मानते हैं कि सख्त कानून के साथ ही त्वरित न्याय भी अपराधियों पर मनोवैज्ञानिक दबाव बना पाएगा। कोलकाता में एक मेडिकल कालेज के अस्पताल में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म व हत्या कांड ने पूरे देश को उद्वेलित किया है। पूरे देश में अपराधियों को शीघ्र व सख्त दंड देने की मांग की जा रही है। यदि पुलिस व जांच एजेंसियां पुख्ता सबूतों के साथ अदालत में पहुंचें तो गंभीर मामलों में आरोप जल्दी सिद्ध हो सकेंगे। यही वजह है कि देश में शीर्ष स्तर पर भी यह धारणा बलवती हो रही है कि विभिन्न हितधारक सामूहिक जिम्मेदारी निभाएं, जिससे उस धारणा को तोड़ा जा सकता है कि न्याय देने वाली प्रणाली तारीख पर तारीख की संस्कृति को बढ़ावा देती है। विश्वास किया जाना चाहिए कि सर्वोच्च न्यायालय की स्थापना के 75 वर्ष होने पर शीर्ष न्यायिक नेतृत्व लंबित मामलों के निपटारे के लिये नई प्रभावी रणनीति बनाएगा। निर्विवाद रूप से देश के सर्वोच्च न्यायालय ने समय-समय पर ऐसे युगांतरकारी फैसले दिये हैं, जिन्होंने न केवल संवैधानिक मूल्यों की रक्षा की बल्कि महिलाओं-बच्चों व पीड़ित पक्षों को न्याय भी दिलाया है। साथ ही समय-समय पर लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा की है। यही वजह है कि व्यक्ति न्यायालय को अंतिम न्याय की किरण के रूप में देखता रहा है।

> संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के प्रयासों में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को यादगार बनाने के लिये बाकायदा डाक टिकट व सिक्के भी हाल ही में जारी किये गए। लेकिन पिछले दिनों न्यायिक बिरादरी के विभिन्न आयोजनों में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्य न्यायाधीश ने इस बात पर बल दिया कि समय पर न्याय मिलने से ही न्याय का वास्तविक लक्ष्य पूरा होता है। सभी ने शीघ्र न्याय की जरूरत को स्वीकारते हुए कहा कि 'तारीख पे तारीख' की संस्कृति से तौबा करने का वक्त आ गया है? यही वजह है कि जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिये अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के प्रयास करने की सख्त जरूरत है। उन्होंने स्वीकारा कि अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित मामलों का होना हम सभी के लिये बड़ी चुनौती है। इससे पहले जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता पर बल दिया था ताकि महिलाओं में अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ सके।

'न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी राज्य व्यवस्था के व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है

सर्वसुलभ इंसाफ की उम्मीद को पंख लगे

ललित गर्ग

> संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के प्रयासों में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को यादगार बनाने के लिये बाकायदा डाक टिकट व सिक्के भी हाल ही में जारी किये गए और विभिन्न आयोजनों में सर्वच्च न्यायालय की भूमिका को अधिक सशक्त बनाने के विषय पर गंभीर मंथन भी हुआ, ऐसे ही आयोजनों में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड ने इस बात पर बल दिया कि समय पर न्याय मिलने से ही न्याय का वास्तविक लक्ष्य पूरा होता है।'

यह सुखद, अविस्मरणीय एवं ऐतिहासिक अवसर ही है कि देश के सर्वच्च न्यायालय ने 75 साल का गरिमामय सफर पूरा कर लिया है। संवैधानिक मूल्यों की रक्षा के प्रयासों में सर्वोच्च न्यायालय की भूमिका को यादगार बनाने के लिये बाकायदा डाक टिकट व सिक्के भी हाल ही में जारी किये गए और विभिन्न आयोजनों में सर्वच्च न्यायालय की भूमिका को अधिक सशक्त बनाने के विषय पर गंभीर मंथन भी हुआ, ऐसे ही आयोजनों में राष्ट्रपति द्रोपदी मुर्मू, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड ने इस बात पर बल दिया कि समय पर न्याय मिलने से ही न्याय का वास्तविक लक्ष्य पूरा होता है। 'न्याय में देरी न्याय के सिद्धांत से विमुखता है' वाली इस बात को सभी महसूस करते हैं लेकिन न्यायिक व्यवस्था के शीर्ष पर आसीन मुख्य न्यायाधीश के साथ-साथ राष्ट्रपति एवं प्रधानमंत्री की इस स्वीकारोक्ति के गहरे निहितार्थ हैं। 'न्याय प्राप्त करना और इसे समय से प्राप्त करना किसी भी राज्य व्यवस्था के व्यक्ति का नैसर्गिक अधिकार होता है।' सर्वोच्च न्यायालय की हीरक जयन्ती के अवसर पर सभी ने शीघ्र न्याय की जरूरत को स्वीकारते हुए कहा कि 'तारीख पे तारीख' की संस्कृति से तौबा करने का वक्त आ गया है? न्याय प्रणाली की कमियों को दूर करने के रास्ते उद्घाटित होने ही चाहिए। यही वजह है कि जिला न्यायपालिका के दो दिवसीय राष्ट्रीय सम्मेलन के समापन समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने जो कुछ कहा, उसे देश की पूरी न्याय व्यवस्था के लिए अलार्म बेल माना जा सकता है। राष्ट्रपति ने याद दिलाया कि जब तक न्यायपालिका देश के आम लोगों को सहजता से इंसाफ तक पहुंचने का रास्ता मुहैया नहीं कराती, तब तक उसका काम पूरा नहीं माना जा सकता। उन्होंने कहा कि त्वरित न्याय सुनिश्चित करने के लिये अदालतों में स्थगन की संस्कृति को बदलने के प्रयास करने की सख्त जरूरत है। उन्होंने स्वीकारा कि अदालतों में बड़ी संख्या में लंबित मामलों का होना हम सभी के लिये बड़ी चुनौती है। अदालतों से न्याय पाने की प्रक्रिया बड़ी खर्चीली है और इसमें बेहिसाब वक्त लगता है। इन दोनों ही का नतीजा इसी रूप में सामने आता है कि इंसाफ की आस लेकर अदालत पहुंचा व्यक्ति फैसला आने तक टूट चुका होता है। इसीलिये

राष्ट्रपति ने ठीक ही कहा कि किसी गंभीर अपराध से जुड़े मामले का फैसला आने में 32 साल लग जाए तो लोगों को ऐसा लगना अस्वाभाविक नहीं कि शायद अदालतें ऐसे मामलों को लेकर संवेदनशील नहीं हैं। राष्ट्रपति ने किसी खास मामले का जिक्र नहीं किया, लेकिन उनका इशारा अजमेर में पॉक्सो अदालत द्वारा इसी 20 अगस्त को सुनाए गए फैसले की तरफ था। एक चर्चित सेक्स स्कैंडल से जुड़े इस मामले में छह लोगों को उम्र कैद की सजा सुनाने में 32 साल लग गए। यह अपनी तरह का कोई इकलौता मामला नहीं है। बेहद गंभीर और वीभत्स अपराध के सैकड़ों ऐसे मामले हैं, जो अदालतों में बरसों से लंबित पड़े हैं। लोग अदालतों में मुकदमों के लंबे खिंचने से इतने त्रस्त हो जाते हैं कि किसी तरह समझौता करके पिंड छुड़ाना चाहते हैं। सर्वोच्च न्यायालय की हीरक जयन्ती पर महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि न्यायपालिका और विशेष रूप से सुप्रीम कोर्ट इसके लिए क्या करने जा रहा है, जिससे लोग न्याय प्रक्रिया से हताश-निराश होकर समझौता करने के लिए बाध्य न हों? प्रश्न यह भी है उन्हें समय पर त्वरित न्याय कब मिल सकेगा? दुर्भाग्य से ये प्रश्न दशकों से अनुत्तरित है। इससे पहले जिला न्यायपालिका के राष्ट्रीय सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं के खिलाफ अपराध के मामलों में त्वरित न्याय की आवश्यकता पर बल दिया था ताकि महिलाओं में अपनी सुरक्षा को लेकर भरोसा बढ़ सके। निस्संदेह, हाल के वर्षों में महिलाओं एवं बच्चों के खिलाफ अपराधों में तेजी से वृद्धि हुई है, जिससे हमारे समाजशास्त्री और कानून लागू करवाने वाली विभिन्न एजेंसियां भी हैरान-परेशान हैं। कोलकाता में एक मेडिकल कालेज के अस्पताल में महिला डॉक्टर से दुष्कर्म व हत्या कांड ने पूरे देश को उद्वेलित किया है। पूरे देश में अपराधियों को शीघ्र व सख्त दंड देने की मांग की जा रही है। यदि पुलिस व जांच एजेंसियां पुख्ता सबूतों के साथ अदालत में पहुंचें तो गंभीर मामलों में आरोप जल्दी सिद्ध हो सकेंगे। सुप्रीम कोर्ट के 75 वर्ष पूरे होने पर प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि ये केवल एक संस्था की यात्रा नहीं है। ये यात्रा है भारत के संविधान और संवैधानिक मूल्यों की। ये यात्रा है एक लोकतंत्र के रूप में भारत के और परिपक्व होने की। भारत के लोगों ने सुप्रीम कोर्ट पर, हमारी न्यायपालिका पर विश्वास किया है। इसलिए सुप्रीम कोर्ट के ये 75 वर्ष 'मदर ऑफ डेमोक्रेसी' के रूप में भारत के गौरव को और बढ़ाते हैं। आजादी के अमृतकाल में 140 करोड़ देशवासियों का एक ही सपना है विकसित भारत, नया भारत बनने का। नया भारत, यानी सोच और संकल्प से एक आधुनिक भारत। हमारी न्यायपालिका इस विजन का एक मजबूत स्तम्भ है। भारत में लोकतंत्र और उदारवादी मूल्यों को मज़बूत करने में न्यायपालिका ने बेहद महत्वपूर्ण भूमिका अदा की है। संविधान का रखवाला, ग़रीबों के अधिकार एवं सरकार की ज्यादतियों के खिलाफ़ कमज़ोर समूहों का योग्य संरक्षक और करोड़ों नागरिकों के लिए आखरी उम्मीद वाला संस्थान है सुप्रीम कोर्ट। कुछ अपवादों को छोड़कर पिछले 75 वर्षों में ज्यादातर समय भारतीय न्यायपालिका संविधान की रक्षा और क़ानून के शासन को बनाए रखने में सफल रही है। लेकिन भारतीय कानून व्यवस्था के सामने अनेक जटिल स्थितियां भी हैं, न्यायाधीशों की नियुक्ति, बढ़ते केसों की संख्या, जवाबदेही, भ्रष्टाचार एवं विलम्बित न्याय आदि। न्याय को लेकर अदालतों तक आम नागरिकों की पहुंच एवं खर्च के मुद्दों और इसी तरह की दूसरी चीज़ों के मामले में सुधार के बारे में न्यायपालिका की अपनी महत्वपूर्ण चिंताएं हैं। हमारे कानूनों की भावना है-नागरिक पहले, सम्मान पहले और न्याय पहले है। निश्चित ही डी.वाई. चंद्रचूड न्याय-प्रक्रिया की कमियों एवं मुद्दों पर चर्चा करते रहे हैं तो उनमें सुधार के लिये जागरूक दिखाई दिये हैं। निश्चित ही उनसे न्यायपालिका में छाये अंधेरे सायों में सुधार रूपी उम्मीद की किरणें दिखाई देती रही है।

दृष्टि कोण

भारत-पाकिस्तान के बीच बदलती फिजा के संकेत

क्या प्रधानमंत्री मोदी के लिए समय आ गया है कि वे अपनी झिझक छोड़कर कहें : 'हां, मैं पाकिस्तान जाऊंगा'? जिन लोगों को ज्यादा खबरों का पता न होगा, उनके लिए बता दें कि पिछले 48 घंटों में बहुत कुछ घटा है। पंजाब में सिकुड़ते जा रहे शिरोमणि अकाली दल का फायदा आम आदमी पार्टी को अपना आधार मजबूत करने में हो रहा है– खासतौर पर जब अकाली विधायक अपने पूर्व सहयोगी दल भाजपा में शामिल होने से कतरा रहे हैं– पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ, जिनका परिवार अमृतसर से है, उन्होंने मोदी को पत्र लिखकर अक्तूबर में इस्लामाबाद में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) की बैठक में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया है। विदेश मंत्रालय ने पुष्टि की है कि उसे ऐसा निमंत्रण मिला है, लेकिन इसको लेकर इरादा क्या है, यह नहीं बताया। यह भी सच है कि पाकिस्तानी प्रतिष्ठान ने इस उम्मीद में यह खबर जारी की होगी कि इससे भारत के अंदर कुछ सार्वजनिक दबाव बनेगा –अपने दिल में दर्द पाले उन उदारवादियों का, जिनकी आजीविका 'संपर्क करने और छूने' की मानवीय भावना को उभार देने पर टिकी है, फिर अटारी-वाघा बॉर्डर पर 'मोमबत्ती जलाने वाली टोली' सदा इस रूप में भरोसेमंद रही है कि वह बातचीत के लिए दबाव बनाए। हर चीज़ को नकारने वाले लोगों की उबाऊ भविष्यवाणी भी उतनी ही सटीक है। उनके लिए : मोदी इस्लामाबाद नहीं जाएंगे, न ही जा सकते हैं और जाना भी नहीं चाहिए, क्योंकि पाकिस्तान दुश्मन है, सो भरोसे लायक नहीं है। अगर आप भी ऐसे लोगों में एक हैं, तो फौरन अपना बोरिया-बिस्तर समेटकर अगली बस पकड़कर गुरदासपुर पहुंचें, ताकि आपको अपनी दुश्मनी को और पुख्ता करने का मौका मिले। जहां पर भारत-पाकिस्तान सीमा के कुछ किलोमीटर अंदर, जीरो लाइन से गज भर की दूरी पर ड्रोन उतरते हैं, यह तब आप जानेंगे कि कैसे हेक्साकॉप्टरों (ड्रोन) द्वारा शुद्धतम ग्रेड की सफेद हेरोइन -स्थानीय भाषा में चिट्टा- पाकिस्तानी प्रतिष्ठान के आदेश पर पैकेटों के रूप में पहुंचाई जाती है। निसंदेह 'छद्म युद्ध' चलाने के अनेकानेक तरीके हैं। दूसरा तरीका है, प्रशिक्षित आतंकवादियों की घुसपैठ जम्मू क्षेत्र में करवाना। सैन्य विश्लेषकों का मानना है कि हाल के महीनों में भारतीय सैनिकों और अर्धसैनिक बलों पर घात लगाकर जो हमले हुए हैं- जिनमें इस बार की गर्मियों में अब तक 18 सैनिक शहीद हुए हैं – कश्मीर घाटी से ध्यान हटाने के लिए पाकिस्तानी सरकार की एक सोची-समझी रणनीति है। तो, प्रधानमंत्री मोदी को क्या करना चाहिए? उन्हें पाकिस्तान जाना चाहिए या नहीं? सनद रहे पूरे 10 साल पहले, मोदी ने दिल्ली में अपने पहले शपथ ग्रहण समारोह में पाकिस्तान के तत्कालीन प्रधानमंत्री नवाज शरीफ को आमंत्रित किया था और शरीफ आए भी – अपने शक्तिशाली सैन्य प्रतिष्ठान की सलाह के विरुद्ध। जब शरीफ दिल्ली से वापस घर लौटे, तो कहा जाने लगा कि वे और उनका पद मुश्किल में है, क्योंकि उन्होंने उस व्यक्ति से हाथ मिलाना चुना जो 2002 के दंगों के वक्त गुजरात का मुख्यमंत्री था, जिसमें एक हजार से अधिक मुसलमान मारे गए थे। लेकिन शरीफ ने इसकी व्याख्या इस तरह से की : 'मोदी दक्षिण एशिया के सबसे शक्तिशाली देश के प्रधानमंत्री थे, पाकिस्तान भारत का पड़ोसी है और दोनों ने विगत में उतार-चढ़ाव देखे हैं–ऐसे में शांति का हाथ बढ़ाना उनका कर्तव्य था'। परंतु शांति की यह बयार ज्यादा देर तक नहीं चली। 2 जनवरी, 2016 को पाकिस्तानी आतंकवादियों ने पठानकोट के वायुसेना अड्डे पर हमला किया। जल्द ही, मोदी ने घोषणा की कि सीमा पारीय आतंकवाद समाप्त होने तक वे पाकिस्तान के साथ तमाम बातचीत बंद कर रहे हैं। वार्ता प्रक्रिया ठंडे बस्ते में डाल दी गई। लेकिन सच यह है कि आठ साल बाद भी सीमा पारीय आतंकवाद समाप्त नहीं हुआ है। इस साल ग्रीष्म ऋतु शुरू होने के साथ जम्मू में घटी आतंकी घटनाएं संकेत देती हैं कि कोई तो है जो पर्दे के पीछे से पूरे तमाशे को चला रहा है। 'उसकी टूटी (नल का हैंडल) मेरे हाथ में है' –ये शब्द थे एक वरिष्ठ पाकिस्तानी जनरल के, जब 1999 की गर्मियों में, कारगिल युद्ध के चरम पर, उसने अपने सेना प्रमुख जनरल परवेज मुशर्रफ को सीमा पारीय आतंकवाद पर पाकिस्तान के नियंत्रण के बारे में कुछ इस तरह समझाया था। इस बातचीत को भारतीय खुफिया विभाग ने रिकॉर्ड किया, लिपिबद्ध किया और तत्कालीन पाकिस्तानी विदेश मंत्री सरताज अजीज को दिखाया, जब वे बीजिंग जाते समय दिल्ली में रुके थे। पहले तो अज़ीज़ वह बचाने का प्रयास करते रहे जिसका बचाव हो नहीं सकता था यानि कारगिल में पाकिस्तानी आक्रमण, लेकिन जब टेप सुनाकर पूछा गया तो इसके बाद उनके पास कहने के लिए और कुछ नहीं था। 2016 से मोदी भी ठीक इसी तरह दुविधा का सामना कर रहे हैं।

कुछ अलग

डिप्रेशन में जा रहे युवा अवनि लेखरा से प्रेरणा लें

जयपुर की अवनि लेखरा ने भारत के लिए लगातार दो पैरालंपिक में शूटिंग स्पर्धा में दो गोल्ड मैडल जीतकर नया कीर्तिमान स्थापित किया है। खेल के साथ अवनि को रामचरितमानस से भी शक्ति मिली है। अवनि के पिता प्रवीण लेखरा ने स्वयं यह बात बताई। पिता प्रवीण ने बताया कि रामचरितमानस की चौपाई 'कवन सो काज कठिन जग माहीं। जो नहिं होइ तात तुम्ह पाहीं॥' को अवनि दोहराती है। पेरिस पैरालंपिक में जाते समय भी यह चौपाई अवनि लेखरा कागज पर लिखकर ले गई है। मात्र 11 साल की उम्र में यदि कोई बच्चा दुर्घटना का शिकार हो जाए और आगे की जिंदगी अपंगता में बीते तो उसका मनोबल टूट जाएगा, लेकिन अवनि लेखरा अपवाद है। वर्ष 2012 में जयपुर से धौलपुर जाते समय एक भीषण सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल हुई अवनि एकाएक व्हीलचेयर पर आ गई थी। लग रहा था कि जीवन में आगे कोई उम्मीद नहीं है। निराशा ने चारों ओर से घेर लिया था, लेकिन परिवार ने संबल दिया। विशेषकर पिता प्रवीण लेखरा ने मनोबल बढ़ाया। टोक्यो पैरालंपिक के बाद पेरिस पैरालंपिक में अवनि ने गोल्ड मैडल जीतकर उन सभी लोगों में एक नए आत्मविश्वास का संचार किया है, जो जीवन में कहीं न कहीं निराश हो चुके हैं। जब सड़क हादसे के बाद बेटी व्हीलचेयर पर आ गई और निराशा में डूबी रहती थी, तब पिता ने उसे राइफल शूटिंग के प्रति प्रोत्साहित किया। मन बहलाने के लिए एक दिन शूटिंग रेंज तक ले गए। वर्ष 2015 में अवनि ने शौकिया शूटिंग की शुरुआत की। हालांकि, चुनौतियां पहाड़ जैसी बड़ी थीं। अवनि की उम्र भी बेहद कम थी। परिवार के पास संसाधन भी नहीं थे। जयपुर में शूटिंग को लेकर सुविधाएं भी पर्याप्त नहीं थीं। शुरू-शुरू में अवनि को राइफल तक उठाने में परेशानी होती थी। अवनि ने जब पहला मैच खेला तो उसके पास खुद की राइफल तक नहीं थी। उधार की राइफल से उसने गोल्ड मैडल जीता था। 2016 का साल अवनि के जीवन में एक नया सवेरा लेकर आया। उसने स्पर्धाओं में तीन गोल्ड मैडल जीते, जिससे उसका इंटरनेशनल टूर्नामेंट के लिए चयन हो गया। वर्ष 2017 में यूएई में अवनि ने पहला वर्ल्ड कप खेला और सिल्वर मेडल जीत कर देश का मान बढ़ाया। टोक्यो पैरालंपिक में अवनि पहली भारतीय महिला बनीं, जिसने गोल्ड मैडल जीता। वो एक पैरालंपिक में दो मैडल (एक गोल्ड और एक ब्रॉन्ज) जीतने वाली पहली भारतीय हैं। अवनि पहली भारतीय ओलंपियन भी हैं, जिसने लगातार दो पैरालंपिक खेलों में गोल्ड मैडल जीते हैं। अवनि आज की युवा पीढ़ी के लिए प्रेरणास्रोत है, जो जरा सी असफलता से निराश हो जाती है। डिप्रेशन में चली जाती है। जो युवा आज डिप्रेशन में जा रहे हैं, वो अवनि की जिंदगी से सीख सकते हैं। अवनि के परिवार ने उसे बहुत सपोर्ट किया। उसी सपोर्ट की वजह से अवनि इस मुकाम पर पहुंची है। इसलिए हर परिवार की जिम्मेदारी है कि वो अपने बच्चों को अकेला न छोड़ें। बच्चे को सही राह दिखाएं। प्रत्येक बच्चे में कुछ न कुछ अद्भुत गुण छिपे होते हैं। बस उन्हें उभारने की जरूरत है।

देश दुनीया से

भारत में सर्पदंश का कहर और सांपों से जूझती ग्रामीण आबादी

> मनुष्य की इस स्वाभाविक प्रतिक्रिया से समझा जा सकता है कि आखिर झाड़ियों, घास में और बिल में दुबका हुआ सांप कितना खतरनाक होता है। बरसात के इन दिनों में धान आदि की खेती का मौसम है और यही समय सर्पदंश के लिए सर्वाधिक जोखिमपूर्ण है। दरअसल, सांप के काटने की घटनाएं ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों में घटती हैं। इससे आम किसान या कृषि श्रमिक और बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। बच्चों को अक्सर वयस्कों की तुलना में अधिक गंभीर प्रभाव झेलना पड़ता है, क्योंकि उनका शरीर का वजन छोटा होता है।

सांप को देखते ही शरीर में सिंहरन दौड़ पड़ती है। मनुष्य की इस स्वाभाविक प्रतिक्रिया से समझा जा सकता है कि आखिर झाड़ियों, घास में और बिल में दुबका हुआ सांप कितना खतरनाक होता है। बरसात के इन दिनों में धान आदि की खेती का मौसम है और यही समय सर्पदंश के लिए सर्वाधिक जोखिमपूर्ण है। दरअसल, सांप के काटने की घटनाएं ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों में घटती हैं। इससे आम किसान या कृषि श्रमिक और बच्चे सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं। बच्चों को अक्सर वयस्कों की तुलना में अधिक गंभीर प्रभाव झेलना पड़ता है, क्योंकि उनका शरीर का वजन छोटा होता है। जहरीले सांपों के काटने से कुछ ही समय में मौत से लेकर लकवा, सांस लेने में दिक्कत, रक्तस्राव संबंधी विकार से घातक रक्तस्राव, अपरिवर्तनीय किडनी फेल्यौर, ऊतक क्षति से स्थायी विकलांगता और अंग विच्छेदन हो सकता है। यह समस्या मुख्य रूप से विकासशील देशों की और खास कर कृषि प्रधान ग्रामीण और वनवासी जनजातियों की है। यह समस्या न केवल स्वास्थ्य संकट पैदा करती है बल्कि सामाजिक और आर्थिक प्रभाव भी डालती है। लेकिन इस समस्या को किसी भी स्तर पर मानव वन्यजीव संघर्ष की अन्य घटनाओं की तरह गंभीरता से नहीं लिया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुमान के अनुसार दुनियाभर में हर साल 50.40 लाख लोग सांपों द्वारा काटे जाते हैं और 81,410 से लेकर 1,37,880 तक लोग सर्पदंश से मर जाते हैं तथा लाखों लोग विकलांगता और अन्य गंभीर बीमारियों से ग्रस्त हो जाते हैं। भारत का यह आंकड़ा और भी चौंकाने वाला है। हालांकि सर्पदंश पर केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय, विश्व स्वास्थ्य संगठन और नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरों के आंकड़ों में भारी अंतर है। फिर भी सरकार द्वारा गत 12 मार्च 2024 को भारत में सर्पदंश से होने वाली मौतों की रोकथाम और नियंत्रण के लिए राष्ट्रीय कार्य योजना की शुरुआत के समय जारी विवरण के अनुसार भारत में हर साल लगभग 3-4 मिलियन सर्पदंशों में से लगभग 50,000 मौतें होती हैं, जो वैश्विक स्तर पर होने वाली सभी सर्पदंश मौतों का आधा हिस्सा है। इधर, विभिन्न देशों में सर्पदंश के शिकार लोगों का केवल एक छोटा सा हिस्सा ही क्लीनिकों और अस्पतालों में रिपोर्ट करता है और सर्पदंश के वास्तविक बोझ की रिपोर्ट बहुत कम की जाती है। केंद्रीय स्वास्थ्य जांच ब्यूरो की रिपोर्ट (2016-2020) के अनुसार, भारत में सर्पदंश के मामलों की औसत वार्षिक आवृत्ति (फ्रीक्वेंसी) लगभग 3 लाख है और लगभग 2000 मौतें सर्पदंश के कारण होती हैं। जबकि सच्चाई यह है कि भारत में सर्पदंश से होने वाली मौतों की वास्तविक संख्या किसी के पास नहीं है, क्योंकि ले घटनाएं अधिकतर ग्रामीण क्षेत्रों और वन बस्तियों में होती हैं और लोग सांप के काटने पर झाड़ फूंक और घरेलू इलाज पर समय बरबाद कर देते हैं। समय पर सही उपचार न मिलने पर सर्प दंशित व्यक्ति जान गंवा बैठता है। पुलिस और अस्पताल तक मामले न जाने के कारण उनकी रिपोर्टिंग नहीं हो पाती।

मॉनसून का सीजन सर्वाधिक जोखिमपूर्ण

भारत में मॉनसून का मौसम, जो आमतौर पर जून से सितंबर तक चलता है, सांप के काटने के लिए सबसे ज्यादा संवेदनशील अवधि होती है। मॉनसून में भारी बारिश होती हैं। भारी बारिश से सांपों के आवास नष्ट होते हैं और उनके बिलों में पानी भरता है। इससे सांप भोजन और आश्रय की तलाश में मनुष्यों के रहने वाले क्षेत्रों में चले जाते हैं। मॉनसून का मौसम कृषि गतिविधियों के लिए भी सबसे अच्छा समय होता है। खेतों में काम करने वाले किसान और मजदूर अनजाने में उन सांपों के संपर्क में आ सकते हैं जो ऊंची घास या मलबे के नीचे शरण लिए हुए होते हैं। माना जाता है कि मॉनसून के दौरान नमी का उच्च स्तर सांपों को अधिक सक्रिय बना सकता है। ऐसा इसलिए है क्योंकि गर्म, गीली परिस्थितियों में शिकार की उपलब्धता बढ़ सकती है, जिससे सांपों की अधिक गतिविधि हो जाती है। भारत की जनसख्या बढ़ते जाने के साथ ही अन्य मानव-जीव संघर्ष की तरह अपने अस्तित्व को बचाने के लिए मानव-सांप संघर्ष भी बढ़ता जा रहा है। मानव निवास विस्तार प्राकृतिक आवासों पर अतिक्रमण करता है। लोगों और सांपों के बीच यह बढ़ा हुआ सम्पर्क विशेष रूप से ग्रामीण और अर्ध-शहरी क्षेत्रों में, सांप के काटने की संभावना को बढ़ाता है। विशेषज्ञों का मानना है कि जलवायु परिवर्तन से भी सांपों के व्यवहार और वितरण को प्रभावित कर रहा है। उदाहरण के लिए, गर्म तापमान और बदले हुए वर्षा पैटर्न उन आवासों का विस्तार कर सकते हैं जहां सांप रहते हैं और उनकी गतिविधि बढ़ सकती है। वनों की कटाई और कृषि विस्तार के कारण वन क्षेत्रों का नुकसान सांपों को भोजन और आश्रय की तलाश में मानव बस्तियों में पलायन करने के लिए मजबूर कर रहा है।

आप का नजरीया

भीड़ कम करने के लिए

भीड़ कम करने की वजह हिमाचल के शहरी आवरण को फिर से लिखने की जरूरत सरीखी है। वीरभद्र सिंह के बाद यह पैगाम सुक्खू सरकार ने दिया है कि राजधानी से कुछ कार्यालय जिला मुख्यालयों को रुखसत किए जाएंगे। शांता कुमार सरकार ने बिजली महकमे के कई कार्यालय सुंदरनगर भेजे थे, तो वीरभद्र सिंह ने नार्थ, साउथ व सेंट्रल जोन बनाकर विभागों के क्षेत्रीय कार्यालय और कुछ मुख्यालय स्थानांतरित किए थे। प्रेम कुमार धूमल ने प्रदेश के क्षेत्रीय कार्यालयों का एक और जोन बनाकर हमीरपुर में इनकी तादाद बढ़ाई थी। बेशक शिमला में राजधानी के हिस्से बंटे और इन्हीं से निकला था निचले क्षेत्रों में मुख्यमंत्री का शीतकालीन प्रवास, तपोवन में शीतकालीन सत्र और धर्मशाला में शीतकालीन राजधानी का सफर। एक बार फिर शिमला की बाहों से भीड़ का बोझ निकाला जाएगा। यह संभव है अगर नगर की डगर पर आसमानों का युद्ध न हो, वरना सत्ता की मंजिलें सियासी भीड़ बन जाती हैं। देखना यह भी होगा कि शिमला से उठा कर भीड़ किस शहर की संपत्ति बनने के लिए उपयोगी सिद्ध होती है। मसलन कृषि विश्वविद्यालय अगर पालमपुर में है, तो कृषि विभाग का निदेशालय वहां हो सकता है। इसी तरह मेडिकल यूनिवर्सिटी मंडी के साथ चिकित्सा निदेशालय व सोलन विश्वविद्यालय के कारण बागबानी का निदेशालय वहां शिफ्ट किए जा सकते हैं। स्कूली बोर्ड शिक्षा व खेल नगरी के रूप में धर्मशाला में शिक्षा, खेल, युवा सेवाएं, भाषा एवं कला-संस्कृति तथा पर्यटन जैसे विभाग भेजे जा सकते हैं। बीबीएन क्षेत्र को प्रदेश की आर्थिक राजधानी का दर्जा देने के लिए उद्योग, प्रदूषण, वित्त निगम तथा औद्योगिक विकास निगम के कार्यालयों का औचित्य वहां बढ़ जाता है। इसके साथ बैंकिंग क्षेत्र की राज्य स्तरीय वित्तीय संस्थाओं के मुख्यालय बीबीएन में शिफ्ट कर देने चाहिए। शिमला के उच्च न्यायालय का सर्किट बैंच धर्मशाला में खोलने की दशकों पुरानी मांग को पूरा करने की दिशा में भी सरकार को अहम भूमिका निभानी चाहिए। शिमला को मिला राजधानी का दर्जा इसकी ऐतिहासिक विरासत का परचम बुलंद करता है, इसलिए यहां 'राज्य राजधानी क्षेत्र' की तर्ज पर विकास करना होगा। वर्षों से लंबित वाकनाघाट परियोजना को अब शिमला के भविष्य के अनुरूप विकसित करना चाहिए। बेशक शिमला को भीड़ से मुक्त कराने का एक तरीका इजाद हो रहा है, लेकिन भीड़ में मंदिर परिसरों, पर्यटक स्थलों, बढ़ते यातायात की मजबूरियों और परिवहन के दबाव को घटाने की जरूरत है। प्रदेश में दो-तीन शहरों के मध्य कर्मचारी नगर बसा कर नए कार्यालयों के लिए स्थान बनाया जा सकता है। शिमला से कार्यालय शिफ्ट कर देने से राज्य की भीड़ कम नहीं होगी। हमें याद रखना चाहिए कि पांच करोड़ पर्यटक आगमन का इंतजार पुनः शिमला के रिज, सडक़ों और पर्यटक स्थलों को खचाखच भर देगा। ऐसे में हर शहर की भूमिका में निखार लाने से पहले उसके मूल आचरण का वर्गीकरण करते हुए ही विभागों के कार्यालय शिफ्ट करने होंगे।

बहुमत में आई नायब सरकार, सदन में विधायकों की संख्या बढ़कर हुई 81

जेजेपी विधायक रामकुमार गौतम का इस्तीफा स्वीकार

चंडीगढ़ (हिंस)। हरियाणा में कई माह से अल्पमत में चल रही भारतीय जनता पार्टी की सरकार अब बहुमत में आ गई है। जननायक जनता पार्टी (जजपा) के विधायक रामकुमार गौतम का विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा स्वीकार कर लिया गया। दो दिन पहले ही रामकुमार भाजपा में शामिल हुए थे। मंगलवार को विधानसभा अध्यक्ष ज्ञानचंद गुप्ता ने नारनौंद सीट से जजपा के विधायक रामकुमार गौतम का विधानसभा की सदस्यता से इस्तीफा स्वीकर कर लिया। इसके साथ ही स्पीकर ने नारनौंद सीट को रिक्त घोषित कर दिया है। रामकुमार गौतम दो दिन पहले जींद रैली के दौरान भाजपा में शामिल हुए थे। गौतम का इस्तीफा स्वीकार होने के बाद अब 90 सदस्यीय विधानसभा में 81 सदस्य बचे हैं। बहुमत के लिए सरकार को 41 का आंकड़ा चाहिए, जो भाजपा के पास हैं। मौजूदा विधानसभा का कार्यकाल 3 नवंबर तक है। सरकार अगर अब विधानसभा का सत्र बुलाती है तो पिछले महीने जारी पांच अध्यादेशों को भी सदन में आसानी से पारित कराया जा सकेगा। हलोपा विधायक गोपाल कांडा (सिरसा) और निर्दलीय विधायक नयनपाल रावत (पृथला) भी सरकार के साथ हैं। प्रमुख विपक्षी दल कांग्रेस के पास 28 विधायक, जजपा के पास छह विधायक (रामकरण काला, देवेंद्र बबली और ईश्वर सिंह पार्टी छोड़ चुके हैं, परंतु इनका विधायक पद से त्यागपत्र लंबित है), तीन निर्दलीय विधायक रणधीर गोलन (पुंडरी), धर्मपाल गोंदर (नीलोखेड़ी) और बलराज कुंडू (महम) और इनेलो के एकमात्र अभय चौटाला (ऐलनाबाद) हैं। इस प्रकार सदन में विपक्षी विधायकों की कुल संख्या 38 है। पंजाब एवं हरियाणा हाई कोर्ट के एडवोकेट हेमंत कुमार ने बताया कि संवैधानिक रूप से 12 सितंबर से पहले हरियाणा विधानसभा का सत्र बुलाना जरूरी है। पिछला सत्र 13 मार्च को बुलाया गया था और सदन की दो बैठकों के बीच छह महीने का अंतर नहीं होना चाहिए। हालांकि 12 सितंबर से पूर्व कैबिनेट की सिफारिश पर राज्यपाल मौजूदा 14वीं विधानसभा को भंग भी कर सकते हैं, ऐसे में विधानसभा का सत्र बुलाने की भी आवश्यकता नहीं होगी। उन्होंने बताया कि सर्वोच्च न्यायालय पहले ही स्पष्ट कर चुका है कि समय पूर्व भंग हुई विधानसभा के मामले में छह महीने से पूर्व अगला सत्र बुलाने की संवैधानिक अनिवार्यता नहीं होती है।

कांस्टेबल भर्ती : कंप्यूटर आधारित परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों की सूची जारी

जयपुर (हिंस)। पुलिस मुख्यालय के पदोन्नति एवं भर्ती बोर्ड की ओर से कांस्टैबल भर्ती-2023 के तहत विज्ञापित 3 हजार 578 पदों की गत 13-14 जून को आयोजित कंप्यूटर आधारित परीक्षा (सीबीटी) में सफल रहे पर कांस्टैबल सामान्य, दूरसंचार, चालक, घुड़सवार, श्वानदल पद के अभ्यर्थियों की सूची जारी कर दी गई है। अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (भर्ती एवं पदोन्नति बोर्ड) राजस्थान सचिन मित्तल ने बताया कि इन सभी सफल अभ्यर्थियों की सूचियां विभाग की वेबसाइट पर अपलोड की गई है। उन्होंने बताया कि कंप्यूटर आधारित परीक्षा में सफल रहे कांस्टैबल चालक, घुड़सवार, श्वानदल पद अभ्यर्थियों एवं कांस्टैबल बैंड पद केआवेदकों की दक्षता परीक्षा शीघ्र ही रेंज मुख्यालय स्तर पर आयोजित करवाई जाएगी।

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने 90 वर्षीय कार्यकर्ता श्रीराम खंडेलवाल को ग्रहण करवाई पार्टी की सदस्यता

जयपुर (हिंस)। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने एक ओर प्रदेश के मुखिया मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को पार्टी की सदस्यता ग्रहण करवाई। वहीं दूसरी ओर राजधानी के हेरिटेज नगर निगम के वार्ड 90 में मंडल स्तर पर 90 वर्षीय भाजपा कार्यकर्ता के आवास पर जाकर उन्हें भी सदस्यता ग्रहण करवाई। सदस्यता अभियान के जयपुर शहर जिला संयोजक शैलेंद्र भार्गव ने बताया कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने जनसंघ के समय से पार्टी से जुड़े हुए वरिष्ठ कार्यकर्ता एवं पूर्व पार्षद श्री राम खंडेलवाल के आदर्श नगर जनता कॉलोनी स्थित आवास पर जाकर सदस्यता ग्रहण करवाई। 90 वर्षीय श्रीराम खंडेलवाल का पार्टी के प्रति समर्पित भाव को देखकर भाजपा प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि श्रीराम खंडेलवाल जैसे कर्मठ, कर्त्तव्य निष्ठ और समर्पित वरिष्ठ कार्यकर्ताओं की ही बदौलत आज भाजपा विश्व की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी बनी है। भाजपा के सदस्यता अभियान में भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता को घर-घर जाकर भाजपा की रीति-नीति समझाते हुए सदस्य बनाना है। इस दौरान आदर्श नगर से भाजपा नेता रवि नैय्यर, महेंद्र नरुका, मुकेश सैनी, पार्षद सुनील दत्ता, नीरज, वार्ड संयोजक सुनील जैन, विशाल गुप्ता, राकेश यादव, अनिल, के एम पारीक, महेश ठाकुरिया, राजेंद्र चांवरिया, राजेश, अवधेश पारीक सहित आदर्श नगर मंडल के पदाधिकारी और भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सपा के डीएनए में गुंडागर्दी, नबाब सिंह यादव सपा का असली चेहरा : योगी आदित्यनाथ

मैनपुरी (हिंस)। उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मैनपुरी पहुंचकर समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव पर जमकर निशाना साधा। उन्होंने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी के डीएनए में गुंडागर्दी है। नबाब सिंह यादव सपा का असली चेहरा है। मंगलवार को मैनपुरी पहुंचे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि 2017 के पहले हर नौकरी बिकती थी, नीलामी होती थी। वसूली में चाचा-भतीजा की एक समान भागीदारी होती थी। जब ज्यादा वसूली होती थी तो चाचा को ढकेल दिया जाता था। भतीजा अकेले ही बैग लेकर भाग जाता था। चाचा की नियति है, हमेशा धक्का खाकर वही पड़े रहना। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हमें जाति के नाम पर नहीं बंटना है। इनको प्रदेश की चिंता नहीं थी। जब इनको लगा कि यूपी सुरक्षित नहीं रहा, तब इन्होंने अपने लिए दुनिया के अलग अलग देशों में द्वीप खरीद लिए होंगे। उन्होंने कहा कि इस धरती को पहचान का मोहताज करने वाले कौन लोग है? ये वही लोग हैं, जिन्होंने आपके सामने पहचान का संकट खड़ा किया। ये विकास कार्यों में लूट मचाने वाले लोग हैं। इनका कारनामा वही है, जो अयोध्या में एक बेटी के साथ सपा नेता ने किया। योगी ने कहा कि सपा के लोगों ने सामाजिक ताने- बाने को छिन्न-भिन्न किया। प्रदेश को दंगे की आग में झोंक दिया। गरीबों के विकास के लिए जो धनराशि मिलनी चाहिए थी, उसमें लूट-घसूट किया। युवाओं की नौकरी में डकैती डाली। मंगलवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मैनपुरी में विभिन्न विकास परियोजनाओं का लोकार्पण/शिलान्यास करने पहुंचे। इस दौरान उन्होंने स्वयं सहायता समूहों को ऋण व युवाओं को स्मार्टफोन/ टैबलेट वितरण किया।

मुख्यमंत्री अचानक पहुंचे सचिवालय निरीक्षण में अधिकारी गैर हाजिर मिले

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा सुबह अचानक सीएमओ से रवाना होकर सचिवालय की मैन बिल्डिंग में निरीक्षण करने के लिए पहुंच गए। इस दौरान मुख्यमंत्री ने सचिवालय के मुख्य भवन में करीब 10 मिनट बिताए। सीएम ने कई अधिकारियों के दफ्तरों का निरीक्षण किया। कई अधिकारी अपने दफ्तरों में नहीं मिले। हालांकि औचक निरीक्षण में कितने अधिकारी गैर हाजिर मिले, इसको लेकर आधिकारिक जानकारी नहीं आई है। बताया जा रहा है कि गैर हाजिर रहने वाले अधिकारियों की जानकारी सीएमओ ने मांगी हैं। सीएम भजनलाल शर्मा सुबह सीएमआर से रवाना होकर सीधे सीएमओ पहुंचे। वहीं, सीएमओ से अपनी टीम को लेकर सचिवालय में निरीक्षण करने लगे। सीएम भजनलाल के निरीक्षण के दौरान

मुख्य सचिव सुधांश पंत का मौजूद नहीं रहना भी चर्चा का विषय बना रहा। सीएस सुधांश पंत सरकारी कार्यालयों में औचक निरीक्षण के लिए पहुंच जाते हैं। लेकिन आज सीएम भजनलाल शर्मा के निरीक्षण के दौरान वे मौजूद नहीं थे। सीएम भजनलाल ने अपने निरीक्षण के दौरान उप मुख्यमंत्री दीया कुमारी, प्रेमचंद बैरवा, गृह विभाग, कार्मिक विभाग, मेडिकल विभाग के उच्च अधिकारियों के दफ्तरों का निरीक्षण किया। सीएम ने अधिकारियों की मौजूदगी के साथ-साथ कमरों की स्थिति को भी बारीकी से देखा।

राज्य सरकार सौ किसानों को भेजेगी इजरायल

जयपुर (हिंस)। प्रदेश की भजनलाल सरकार ने किसानों के इजरायल दौरे को मंजूरी प्रदान की है। विदेश भ्रमण कार्यक्रम के तहत प्रदेश के दस जिलों से अलग-अलग श्रेणी में सौ प्रगतिशील किसानों का चयन किया जाएगा। सरकार से किसानों के विदेश भ्रमण कार्यक्रम को हरी झंडी मिलने के साथ ही उद्यानिकी आयुक्तालय ने किसानों की चयन प्रक्रिया शुरू कर दी है। प्रदेश की भजन सरकार नॉलेज एनहांसमेंट प्रोग्राम के तहत किसानों को इजरायल में हाईटेक खेती के प्रशिक्षण के लिए भेजेंगी। उद्यानिकी आयुक्त जय सिंह ने बताया कि इस प्रोग्राम का लाभ भरतपुर, भीलवाड़ा, बीकानेर, जयपुर, जालोर, जोधपुर, कोटा और श्रीगंगानगर जिले के किसानों को मिलेगा। योजना के तहत सौ किसानों का चयन किया जाएगा। उन्होंने बताया कि सरकार से प्राप्त दिशा निर्देशों के अनुसार पचहत्तर फीसदी किसानों का चयन विभागीय स्तर पर होगा। वहीं पच्चीस प्रतिशत किसानों का चयन राज्य सरकार के स्तर पर होना है। गौरतलब है कि सरकार ने किसानों को इजरायल भेजने की घोषणा वित्तीय वर्ष 2024-25 के बजट में की थी। उन्होंने बताया कि किसानों का चयन दस सितंबर तक किया जाना है। चयनित होने वाले किसानों में एसटी, एससी, महिला कृषक के साथ-साथ बीस प्रतिशत पशुपालकों को शामिल किया जाएगा। उन्होंने बताया कि किसानों के चयन के लिए विभिन्न मापदंड अपनाए जाएंगे। इनमें किसान के पास एक हैक्टयर कृषि भूमि, पिछले दस सालों से खेती करना, उच्च कृषि तकनीक का उपयोग करना, दस सालों से एफपीओं का सदस्य, पचास से कम आयु वाला, दसवीं तक पढ़ा लिखा और वैध पासपोर्ट धारक आदि बिंदु शामिल है।

बाड़मेर में वायुसेना का लड़ाकू विमान क्रैश

बाड़मेर (हिंस)। राजस्थान में बाड़मेर जिले के उत्तरलाई एयरबेस के पास कवास इलाके में भारतीय वायुसेना का लड़ाकू विमान क्रैश हो गया। पायलट ने विमान क्रैश होने से पहले ही इजेक्ट कर लिया था। वह सुरक्षित है। एयरफोर्स ने कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दिए हैं। डिफेंस पीआरओ अजिताभ शर्मा ने बताया कि मिग-29 फाइटर प्लेन क्रैश हुआ है। वायुसेना ने एक्स हैंडल पर लिखा है, बाड़मेर सेक्टर में नियमित रात्रि प्रशिक्षण मिशन के दौरान भारतीय वायुसेना के मिग-29 में गंभीर तकनीकी खराबी आ गई। इसके कारण पायलट को विमान से बाहर निकलना पड़ा। पायलट सुरक्षित हैं और किसी तरह के जानमाल के नुकसान की खबर नहीं है। कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दे दिए गए हैं। पुलिस के अनुसार सोमवार रात करीब 10 बजे फाइटर प्लेन रहवासी ढाणी से दूर जाकर क्रैश हो गया। विमान के क्रैश होने के बाद तेज धमाके के साथ आग लग गई। हादसे की सूचना मिलने पर बाड़मेर कलेक्टर निशांत जैन, जिला पुलिस अधीक्षक नरेंद्र सिंह मीणा सहित जिले के प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार पायलट जमीन की ओर तेजी से बढ़ते विमान को करीब 1500 लोगों की आबादी से दूर ले गए।

पंजाब में रजिस्ट्री के लिए एनओसी की शर्त समाप्त

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब विधानसभा में मंगलवार को *पंजाब अपार्टमेंट एंड प्रॉपर्टी रेगुलेशन (संशोधन) एक्ट-2024* को सर्वसम्मति से पारित करते हुए प्लॉट की रजिस्ट्री के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) की शर्त को समाप्त कर दिया। विधानसभा के सदन में *पंजाब अपार्टमेंट एंड प्रॉपर्टी रेगुलेशन (संशोधन) एक्ट-2024* पर चर्चा पर मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संशोधन का उद्देश्य जहां अवैध कॉलोनियों पर शिकंजा कसना है, वहीं छोटे प्लॉट मालिकों को राहत देना है। उन्होंने कहा कि इस बिल से आम लोगों को बहुत बड़ी राहत मिलेगी क्योंकि इस संशोधन से लोगों को अपने प्लॉट की रजिस्ट्री करवाने में आने वाली समस्याओं का समाधान हो जाएगा और अवैध कॉलोनियों पर रोक लगेगी। भगवंत मान ने कहा कि यह संशोधन आरोपी व्यक्तियों के लिए जुर्माने और सजा का प्रावधान करता है। उन्होंने कहा कि इस ऐतिहासिक निर्णय का उद्देश्य आम लोगों की भलाई सुनिश्चित करना है। मुख्यमंत्री ने कहा कि नए संशोधन के अनुसार कोई भी व्यक्ति जिसने 31 जुलाई, 2024 तक अवैध कॉलोनी में स्थित 500 वर्ग गज तक के क्षेत्र के लिए, एक पावर ऑफ अटॉर्नी, स्टांप पेपर पर बेचने के लिए अनुबंध या कोई अन्य ऐसा दस्तावेज जिसके बारे में सरकार अधिसूचना द्वारा निर्धारित कर सकती है, के माध्यम से अनुबंध किया है, उस क्षेत्र के लिए एनओसी की आवश्यकता नहीं होगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संपत्ति का मालिक अपने प्लॉट की रजिस्ट्री संबंधित रजिस्ट्रार या सब-रजिस्ट्रार या संयुक्त सब-रजिस्टार के पास करवा सकता है और ऐसे क्षेत्र को पंजीकृत करवाने के संबंध में यह छूट सरकार द्वारा इस संबंध में नोटिफिकेशन के माध्यम से नोटिफाई की गई तिथि तक लागू होगा। इस रजिस्ट्रेशन के लिए मकान निर्माण और शहरी विकास विभाग की संबंधित विकास प्राधिकरण या स्थानीय सरकार विभाग की संबंधित स्थानीय शहरी संस्था से एनओसी प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं होगी। उन्होंने कहा कि इस प्रकार के बिक्री दस्तावेज की सूचना रजिस्ट्रार या सब-रजिस्ट्रार या संयुक्त सब-रजिस्ट्रार द्वारा संबंधित प्राधिकरण को उपलब्ध करवाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने बताया कि उपरोक्त के अनुसार दी गई छूट की अधिसूचित तिथि बीत जाने के बाद भी यदि इस संपत्ति को आगे नहीं बेचा गया है तो रजिस्ट्रार या सब-रजिस्ट्रार या संयुक्त सब-रजिस्टार द्वारा ऐसी संपत्ति के संबंध में अगले बिक्री दस्तावेजों को संबंधित विकास प्राधिकरणों/स्थानीय सरकार को सूचित करते हुए पंजीकृत किया जाएगा।

आर्यन मर्डर केस में पांच आरोपी गिरफ्तार

फरीदाबाद (हिंस)। अपराध शाखा सेक्टर 30 की टीम ने आर्यन मर्डर केस में पांच आरोपियों को गिरफ्तार किया है। एसीपी क्राइम अमन यादव ने मंगलवार को प्रेस वार्ता के दौरान बताया कि गिरफ्तार किए गए आरोपियों में अनिल, कृष्ण, वरुण, आदेश तथा सौरव का नाम शामिल है। सभी आरोपी फरीदाबाद के रहने वाले हैं। 24 अगस्त को एनआईटी थाने में हत्या तथा आर्म्स एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज किया गया था जिसमें 23 अगस्त की रात उक्त आरोपियों ने फायरिंग करके 20 वर्षीय आर्यन नाम के लड़के को गोली मारकर हत्या कर दी। जिस संबंध में एनआईटी थाने में मुकदमा दर्ज करके आरोपियों की तलाश शुरू की गई। पुलिस द्वारा मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए अपराध शाखा की टीम ने मथुरा हाईवे पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली और गुप्त सूत्रों की सूचना पर 28 अगस्त को आरोपी अनिल निवासी पर्वतीय कॉलोनी, वरुण निवासी नंगला पार्ट 1, कृष्ण निवासी खेड़ी गुजरान फरीदाबाद, व आदेश निवासी निवासी गांव सदलापुर जिला मेरठ, उत्तर प्रदेश हाल सेक्टर 23 संजय कॉलोनी को गिरफ्तार किया तथा अदालत में पेश कर दो दिन के पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की गई। पुलिस रिमांड के दौरान वारदात में प्रयोग स्विफ्ट गाड़ी, एक पिस्तौल तथा एक नकली पिस्तौल बरामद की गई तथा पांचवे आरोपी सौरव निवासी डबुआ कॉलोनी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस पूछताछ में सामने आया कि आरोपी अनिल द्वारा गोली चलाकर हत्या की गई थी। वारदात में प्रयोग पिस्तौल को फोरेंसिक जांच के लिए भेजा जाएगा। पूछताछ के दौरान आरोपियों द्वारा बताए गए तथ्यों के बारे में पुलिस द्वारा जांच की जा रही है।

इमरजेंसी फिल्म के विरोध में सिख समाज ने सौंपा ज्ञापन

यमुनानगर (हिंस)। फिल्म अभिनेत्री व भाजपा सांसद कंगना रनौत द्वारा निर्मित फिल्म इमरजेंसी का विरोध पूरे हरियाणा प्रदेश में हो रहा है। सिख समाज द्वारा इस फिल्म पर बैन लगाने की मांग को लेकर अलग-अलग जिलों में उपायुक्त के माध्यम से भारत सरकार के गृह मंत्री, केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री, राज्यपाल, सेंसर बोर्ड के अध्यक्ष और पुलिस महानिदेशक के नाम ज्ञापन दिए जा रहें है। इसी कड़ी में मंगलवार को सिख समाज के लोगों ने लघु सचिवालय के सामने इकठ्ठा होकर धरना प्रदर्शन किया और जगाधरी के उपमंडल अधिकारी सोनू राम को ज्ञापन सौंपा। इससे पहले जिला सचिवालय के मुख्य गेट पर सिख समाज के लोगों ने पाठ किया। सिख समाज के लोगों का कहना था कि फिल्म अभिनेत्री व बीजेपी सांसद कंगना रनौत सिख समुदाय के प्रति व देश के किसानों के प्रति अक्सर जहर भरे नफरती बयान देती रहती है। इमरजेंसी फिल्म कंगना द्वारा निर्मित व निर्देशित की गई है। इस फिल्म में सिख कौम के अक्स व सिखों के किरदार को गलत तरीके से पेश किया है। ताकि अन्य समुदायों में सिखों के प्रति नफरत व गलत भावना

पैदा हो। सिख समाज ने कहा कि हमारी मांग हैं की समाज के भाईचारे को नुकसान पहुंचाने वाली व सिख कौम की छवि को तथ्यों के विपरीत प्रस्तुत करने वाली इस फिल्म के प्रसारण को तुरंत प्रतिबंधित किया जाए। उन्होंने कहा कि आजादी की लड़ाई में सबसे अधिक कुर्बानियों करने वाली, देश के अन्न भंडारों को भरने व देश के उद्योग विकास का बढ़ावा देने वाली व सरहदों पर देश की रक्षा के लिए सर्वाधिक बेटों की जान देने वाली सिख कौम पहले ही सरकारों द्वारा लिए जा रहे पक्षपात के कारण ठगा हुआ महसूस कर रही है। ऐसे में सिख कौम की गलत छवि प्रस्तुत करने वाली यह फिल्म जख्मों पर नमक छिड़कने के समान है। उन्होंने कहा कि सेंसर बोर्ड में कोई भी सिख प्रतिनिधि न होने के चलते पहले भी इस प्रकार के कुटिल प्रयास होते रहे हैं जो चिंता व दुख का विषय है। उन्होंने प्रशासन को चेतावनी देते हुए कहा कि इस फिल्म को सिनेमाघरों में आने वाली 6 सितंबर को रिलीज ना किया जाए अन्यथा सिख समाज सड़कों पर आंदोलन करने पर मजबूर होगा और इसकी सारी जिम्मेदारी सरकार व प्रशासन की होगी।

विकसित भारत के लिए एकजुट होकर करना होगा काम : आनंदी बेन पटेल

मेरठ (हिंस)। प्रदेश की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने कहा कि विकसित भारत के लिए एक साथ होकर एकजुट होकर और आपसी सहयोग से हमें काम करना होगा। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में धरना प्रदर्शन से नेतृत्व नहीं मिलेगा, नेतृत्व जमीन स्तर पर काम करने से मिलेगा। उन्होंने छात्रों से कहा कि सरकारी नौकरी के चक्कर में मत पड़िए। आप सभी कुशल हैं, जिसे सरकार कौशल विकास के जरिए दिशा दे रही है इसका लाभ उठाएं। चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के 36वें दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति आनंदी बेन पटेल ने कहा कि हाल ही में पुलिस आरक्षी भर्ती परीक्षा के लिए 45 लाख लोगों ने फॉर्म भरें, जबकि 60200 लोगों को ही नियुक्ति मिलनी है। युवाओं को सरकारी योजनाओं का लाभ लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि 90 फीसदी वालों को सरकारी नौकरी मिल जाएगी लेकिन 60 फीसदी वालों को कौशल विकास करना होगा। मौजूदा समय लाइन में खड़े होने का नहीं है, रोजगार के लिए प्रयास करते हुए कौशल विकास करते रहें। युवाओं को स्टार्टअप तथा स्वरोजगार के लिए प्रेरित किया। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की ओर से विद्यार्थियों के लिए की जा रही व्यवस्था और योजनाओं की जानकारी दी। कुलाधिपति ने कहा कि जाति-बिरादरी के चक्कर में पड़कर देश पर चढ़ रहा है। हम सभी ईश्वर के दरबार में समान हैं। कोई ऊंचा है न कोई नीचा है। कोई किस बिरादरी का है, इन बातों को लेकर हमें नहीं भटकना है। शिक्षा से ही उन्नति कर सकते हैं। उन्होंने कहा कि विश्वविद्यालय में छात्र-छात्राएं अपनी डिग्री लेने आया करते थे जिनमें लोग उनसे रुपए भी मांगते थे, लेकिन अब यह डिग्रियां डिजिलॉकर में सेव कर दी गई हैं और विद्यार्थी घर बैठे इनका प्रिंट आउट निकाल सकते हैं। उन्होंने कुलपति प्रो. संगीता शुक्ला को जल्द ही अंक तालिका भी अपलोड करने को कहा। राज्यपाल ने कहा कि पदकधारियों की महती जिम्मेदारी है कि वे अनपढ़ माताओं को प्राथमिक शिक्षा मुहैय्या कराएं तभी उनके पदक की महत्ता बढ़ेगी। किसी भी देश की निर्माण की आधारशिला शिक्षा होती है। शिक्षकों को इसका महत्व समझना चाहिये। मुख्य अतिथि सीएसआईआर की महानिदेशक डॉ. नल्लाथंबी कलेसेलवी ने कहा कि जीवन में सफलता के लिए आत्म अनुशासन जरूरी है। डिग्री प्राप्त करने से शिक्षा समाप्त नहीं होती। ये एक सतत प्रक्रिया है।

अखिलेश यादव, ओवैसी के हेट स्पीच मामले में 17 को आ सकता है फैसला

वाराणसी (हिंस)। ज्ञानवापी मामले में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव व एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी के विवादित बयान को लेकर दाखिल याचिका पर 17 सितंबर को फैसला आ सकता है। मंगलवार को अपर जिला जज (नवम) विनोद कुमार सिंह की अदालत में वादी अधिवक्ता हरिशंकर पांडेय ने अपनी दलील रखी। अदालत में वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिए सुप्रीम कोर्ट के अधिवक्ता रवि प्रकाश शुक्ला ने हेट स्पीच पर वादी मुकदमा का पक्ष रखा। अदालत ने सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया। न्यायालय अब इस मामले में 17 सितंबर को फैसला सुना सकती है। वादी अधिवक्ताओं ने पिछले वर्ष मई माह में वाराणसी के एसीजेएम कोर्ट में अर्जी देकर ज्ञानवापी परिसर के सर्वे के दौरान वजूखाने में नमाजियों की ओर से गंदगी फैलाने की बात कही। साथ ही सर्वे में शिवलिंग जैसी मिली आकृति पर ओवैसी, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव सहित कुछ नेताओं ने गलत बयानबाजी की। इससे हिन्दुओं की भावनाओं को ठेस पहुंचाने का आरोप वादी अधिवक्ताओं ने लगाया। अधिवक्ता ने दोनों नेताओं के हेट स्पीच पर क्रिमिनल केस दर्ज कराए जाने की दलील दी। याचिका में अधिवक्ता हरिशंकर पांडेय ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव, असदुद्दीन ओवैसी, उनके भाई अकबरुद्दीन ओवैसी के अलावा लगभग 2000 अज्ञात लोगों पर मुकदमा दर्ज करने की बात कही है। इस मामले में अदालत ने सुनवाई के बाद वादी पक्ष की अर्जी खारिज कर दी थी। इस आदेश के खिलाफ वादी अधिवक्ताओं ने जिला जज की अदालत में निगरानी अर्जी दाखिल की। जिला जज ने इस मामले को सुनवाई के लिए एडीजे कोर्ट (अपर जिला जज नवम) को स्थानांतरित कर दिया।

वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ कांफ्रेंस 12 को, तैयारी जोरों पर

अररिया (हिंस)। वक्फ संशोधन बिल के खिलाफ आगामी 12 सितंबर को फारबिसगंज के ग्रीन लैंड विवाह भवन में एक कांफ्रेंस का आयोजन किया जा रह है। जिसमें स्थानीय मुस्लिम उलेमाओं के साथ प्रदेश और देश के मुस्लिम विद्वान और उलेमा भाग लेंगे। जानकारी नागरिक अधिकार मंच के अध्यक्ष शाहजहां शाद की अध्यक्षता में तैयारी को लेकर हुई बैठक के बाद दी गई। आलम टोला में मंगलवार को हुए बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया की कांफ्रेंस में शिक्षाविद, बुद्धिजीवी और वक्फ बोर्ड से संबंधित अधिकारियों को आमंत्रित किया जाएगा। वही सम्मेलन में मुख्य वक्ता के रूप में ऑल इंडिया मिल्ली काउंसिल के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मौलाना अनीसुर रहमान कासमी साहब मौजूद रहेंगे। अध्यक्ष शाहजहां शाद ने कहा की सरकार बिल को लाकर समाज को बांटना चाहती है, जो नामुमकिन है।

वहीं मौलाना अब्दुर्रहमान कासमी ने कहा की सरकार इस बिल के माध्यम से लोगों का ध्यान मूलभूत समस्याओं से हटाना चाहती है। इस वक्त देश को सर्वजन सशक्त बनाने की जरुरत है और केंद्र सरकार विशेष समाज के अधिकारों का हनन और अनावश्यक बदलाव करने का प्रयास कर रही है। जिसके विरोध में बुद्धिजीवियों की कांफ्रेंस आयोजित है और आगे जरूरत पड़ी तो नागरिक अधिकार मंच बिल के विरोध में सड़कों पर आकर प्रदर्शन करेगी। बैठक में मुख्य रूप से मुफ्ती रशीद, मौलाना अब्दुर्रहमान कासमी, मुफ्ती याकूब, कलाम अंसारी, एकराम अंसारी, मीर गुड्डू अली, मौलाना फारूक, अशरफ अली, नसीम, अफजल अंसारी, मौलाना खालिद सैफुल्लाह, मो बबलू, मो. गुलाब, हाफिज गयासुद्दीन, इरफान अंसारी सहित दर्जनों लोग मौजूद थे।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत, एशिया में बिकवाली का दबाव

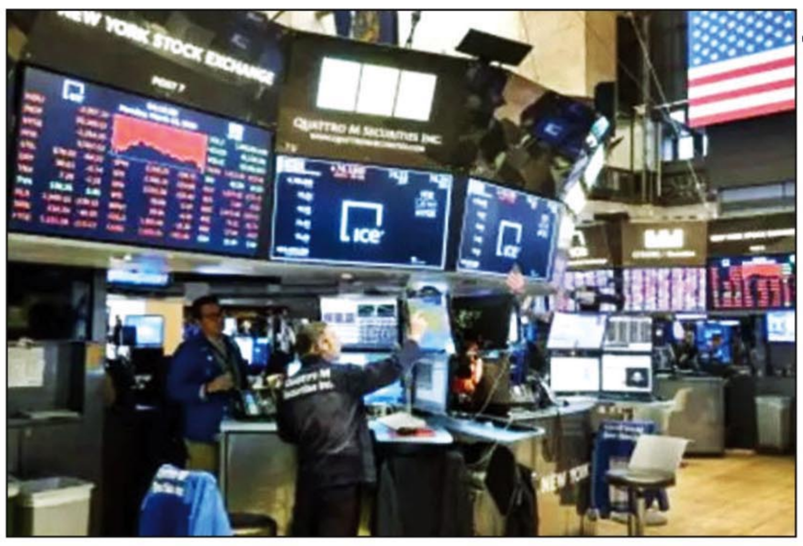

नई दिल्ली।

ग्लोबल मार्केट से मिले-जुले संकेत मिल रहे हैं। लेबर डे की छुट्टी होने के कारण अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान कोई कारोबार नहीं हुआ। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स में गिरावट नजर आ रही है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मिले-जुले परिणामों के साथ बंद हुए। एशियाई बाजार में दबाव बना नजर आ रहा है। लेबर डे के मौके पर अमेरिकी बाजार में छुट्टी होने की वजह से पिछले सत्र के दौरान वॉल स्ट्रीट में कोई कारोबार नहीं हुआ। हालांकि डाउ जॉन्स फ्यूचर्स 117.29 अंक यानी 0.28 प्रतिशत की गिरावट के साथ 41,445.79 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। रेटिंग एजेंसियों ने अमेरिका में आने वाले दिनों में बिकवाली का दबाव बढ़ने की आशंका जताई है। जेपी मॉर्गन की एक रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व ब्याज दरों में कटौती को लेकर जो भी फैसला करे, बाजार में बड़ी गिरावट आ सकती है। इस रिपोर्ट में साफ किया गया है कि ब्याज दरों में कटौती होने के बावजूद बाजार पर बिकवाली का दबाव बना रह सकता है। अमेरिकी फेडरल रिजर्व 18 सितंबर को ब्याज दरों के संबंध में फैसला लेने वाला है। यूरोपीय बाजार पिछले सत्र के दौरान मजबूती के साथ कारोबार के बाद मिले-जुले परिणाम के साथ बंद हुआ। एफटीएसई इंडेक्स 0.15 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 8,363.84 अंक के स्तर पर बंद हुआ। दूसरी ओर, सीएसी इंडेक्स ने 0.20 प्रतिशत की तेजी के साथ 7,646.42 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसी तरह डीएएक्स इंडेक्स 0.13 प्रतिशत की मजबूती के साथ 18,930.85 अंक के स्तर पर बंद हुआ। एशियाई बाजार में दबाव बना हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से सिर्फ 2 के सूचकांक बढ़त के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 7 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.35 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,475.13 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.67 प्रतिशत उछल कर 1,362.76 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। दूसरी ओर, गिफ्ट निफ्टी 0.04 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,355 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 0.22 प्रतिशत टूट कर 38,617.17 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। हैंग सेंग इंडेक्स भी 0.37 प्रतिशत की गिरावट के साथ 17,627.05 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 0.40 प्रतिशत फिसल कर 22,146.87 अंक के स्तर तक लुढ़क गया है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.43 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 2,669.58 अंक के स्तर पर, जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स 0.58 प्रतिशत लुढ़क कर 7,649.84 अंक के स्तर पर और शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 0.52 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,796.48 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहे हैं।

न्यूज ब्रीफ

एरिना सैटेलाइट शोरूम से छोटे शहरों में पैठ बढ़ाएगी मारुति

नई दिल्ली। देश की प्रमुख वाहन बनाने वाली कंपनी मारुति सुजूकी इंडिया छोटे शहरों और नए बाजारों में पहुंच बढ़ाने के लिए एरिना सैटेलाइट नाम से ई-मार्केटिंग योजना बना रही है। कंपनी के वरिष्ठ अधिकारी ने इसकी जानकारी दी। मारुति सुजूकी के वरिष्ठ कार्याधिकारी ने कहा कि हम बाजारों में अपनी पैठ और बढ़ाना तथा ग्राहकों के नजदीक पहुंचना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे एरिना चैनल में पहले से ही मोबाइल शोरूम का विचार है। हम बाजारों को परख रहे हैं और जहां कहीं हमें संभावना दिख रही है, हम इन सैटेलाइट शोरूम-एरिना सैटेलाइट शुरू करने पर विचार कर सकते हैं। एरिना सैटेलाइट एरिना शोरूम से छोटा होगा। इस तरह मारुति सुजूकी के पास अब एरिना तथा नेक्सा शोरूम होंगे और इसके अलावा अपेक्षाकृत छोटे शहरों या ज्यादा दूर-दराज वाले इलाकों के लिए नेक्सा स्टूडियो तथा एरिना सैटेलाइट शोरूम होंगे। नेक्सा में मारुति सुजूकी की ज्यादा प्रीमियम कारों की बिक्री की जाती है और एरिना अन्य सभी कारों के लिए है। उन्होंने कहा कि डिजिटल दौर में शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के बीच कोई वास्तविक विभाजन नहीं है। अलबत्ता छोटे और मझोले शहरों में हैचबैक की मांग बनी हुई है। पिछले महीने मारुति सुजूकी ने कहा था कि वह नेक्सा स्टूडियो नाम से शोरूम की नई श्रृंखला की योजना बना रही है, जो देश के मझोले और छोटे शहरों की जरूरतें पूरी करेगी। नेक्सा स्टूडियो सामान्य नेक्सा शोरूम के मुकाबले आकार में छोटा होगा। इसमें सर्विस वर्कशॉप और कलपुर्जा के लिए स्पेस होंगे। अगले साल 31 मार्च तक नेक्सा स्टूडियो की 100 डीलरशिप खोली जाएगी। नेक्सा स्टूडियो में दो कारें प्रदर्शित होंगी ।

रुपया चार पैसे गिरकर 83.95 डॉलर पर

मुंबई । वैश्विक बाजारों में डॉलर के मजबूत रुख और घरेलू विनिर्माण के कमजोर आंकड़ों के बीच रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में चार पैसे कमजोर होकर 83.95 प्रति डॉलर पर आ गया। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि घरेलू शेयर बाजार में गिरावट ने भी स्थानीय मुद्रा पर दबाव डाला। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनियम बाजार में रुपया तीन पैसे की गिरावट के साथ 83.94 प्रति डॉलर पर खुला। शुरुआती सौदों के बाद 83.95 प्रति डॉलर पर पहुंच गया जो उसके पिछले बंद भाव से चार पैसे की बढ़त दर्शाता है। रुपया सोमवार को अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 83.91 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की मजबूती को परखने वाला डॉलर सूचकांक 0.08 प्रतिशत की बढ़त के साथ 101.73 अंक पर रहा ।

विश्व बैंक का भारत की वृद्धि दर सात फीसदी रहने का अनुमान

नई दिल्ली । कृषि क्षेत्र और ग्रामीण मांग में सुधार की वजह से चालू वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय अर्थव्यवस्था की वृद्धि दर सात प्रतिशत रहने का अनुमान है। विश्व बैंक की मंगलवार को जारी रिपोर्ट के अनुसार चुनौतीपूर्ण वैश्विक माहौल के बावजूद भारत की वृद्धि दर मजबूत बनी हुई है। विश्व बैंक ने इंडिया डेवलपमेंट अपडेट रिपोर्ट में कहा कि भारत जो दक्षिण एशिया क्षेत्र का बड़ा हिस्सा है उसकी वृद्धि दर 2024-25 में सात प्रतिशत रहने की उम्मीद है। इसमें कहा गया है कि कृषि क्षेत्र में सुधार से उद्योग में आई मामूली गिरावट की आंशिक भरपाई हो जाएगी और सेवाएं मजबूत बनी रहेंगी। कृषि में अपेक्षित सुधार से ग्रामीण मांग में भी सुधार होगा ।

सेबी की चीफ के साथ जुड़ा आईसीआईसीआई बैंक का नाम, शेयरों में आई गिरावट

बैंक ने दी सफाई, माधबी बुच को सिर्फ रिटायरमेंट के लाभ दिए गए

नई दिल्ली।

आईसीआईसीआई बैंक ने कांग्रेस द्वारा मार्केट रेग्युलेटर सेबी की चीफ माधबी पुरी बुच पर लगाए गए आरोपों को खारिज कर दिया है। बैंक ने इसको लेकर दो टूक कहा कि सेबी चेयरपर्सन के रिटायर होने के बाद उनके सेवानिवृत्ति लाभों के अलावा किसी भी तरह का कोई वेतन या ईएसओपी नहीं दिया गया है। बता दें कि बुच को मुद्दा बनाते हुए बीजेपी पर निशाना साधते हुए कांग्रेस ने दावा किया था कि सेबी चीफ एक साथ तीन जगहों आईसीआईसीआई बैंक, आईसीआईसीआई प्रुडेंशियल और सेबी से एक साथ सैलरी ले रही थीं।

इस विवाद का असर आईसीआईसीआई बैंक शेयर पर दिखा है ये मंगलवार को गिरावट के साथ लाल निशान पर खुला। कांग्रेस के आरोपों के बाद इन पर अपना स्पष्टीकरण देते हुए आईसीआईसीआई बैंक ने कहा है कि आईसीआईसीआई बैंक या इसकी अन्य ईकाई ने माधबी पुरी बुच को उनके रिटायरमेंट के बाद सिर्फ रिटायरमेंट लाभ दिए हैं। इसके अलावा कोई सैलरी या कोई ईएसओपी का लाभ नहीं दिया है।

बैंक के स्टेटमेंट में कहा गया कि यह ध्यान देने वाली बात है कि सेबी चीफ ने बैंक से 31 अक्टूबर, 2013 से रिटायरमेंट का विकल्प चुना था। ग्रुप के साथ अपने रोजगार के दौरान उन्हें बैंक की तय नीतियों के मुताबिक ही सैलरी, बोनस, ईएसओपी और रिटायरमेंट बेनेफिट्स मिला था जबकि रिटायरमेंट के बाद कोई अलग से बेनेफिट नहीं दिया गया। बीते दिनों अमेरिकी शॉर्ट सेलर फर्म हिंडनबर्ग ने सेबी चीफ पर गंभीर आरोप लगाए थे। इसके बाद से ही माधबी बुच कांग्रेस के निशाने पर आ गई।

कांग्रेस के मीडिया विभाग के चेयरमैन पवन खेड़ा ने सेबी चीफ को लेकर कई दावे किए थे। उन्होंने बीजेपी पर भी निशाना साधते हुए कहा था कि इस देश में शतरंज का खेल चल रहा है लेकिन खिलाड़ी कौन है, इस पर हम निर्णायक तौर पर नहीं पहुंचे हैं। अलग-अलग मोहरे हैं. उनमें से एक मोहरा जिनका नाम है माधबी पुरी बुच।

उन्होंने आंकड़े पेश करते हुए कहा था कि सेबी चीफ माधबी को 2017 और 2024 के बीच आईसीआईसीआई बैंक से 16.8 करोड़ रुपए की नियमित आय प्राप्त हुई। उन्होंने सवाल किया कि अगर आप पूर्णकालिक सेबी सदस्य हैं, तो आप आईसीआईसीआई बैंक से वेतन क्यों ले रही थीं। यही नहीं ईएसओपी और इसका टीडीएस भी आईसीआईसीआई बैंक से ले रही थीं। इन्हें लेकर बैंक ने स्टेटमेंट जारी कर स्थिति साफ की है।

सेबी चीफ पर आरोपों में आईसीआईसीआई बैंक का नाम शामिल किए जाने और इस पर बैंक के स्पष्टीकरण का असर इस बैंकिंग स्टॉक पर देखने को मिला है। बीते कारोबारी दिन जब कांग्रेस की ओर से ये आरोप लगाए गए थे, तब आईसीआईसीआई बैंक शेयर मामूली गिरावट के साथ क्लोज हुआ था। 1239 रुपए पर ओपन होने के बाद ये शेयर स्टॉक बाजार में कारोबार खत्म होने पर 1229.05 रुपए पर बंद हुआ। वहीं मंगलवार को भी इस शेयर में गिरावट देखने को मिली। शुरुआती कारोबार में ये शेयर टूटकर 1227.20 रुपए पर खुला और कुछ ही मिनटों में 122.05 रुपए तक टूट गया।

देश के 185 लोगों की संपत्ति जीडीपी की एक तिहाई

मुकेश अंबानी 10.5 लाख करोड़ की संपत्ति के साथ सूची में शीर्ष पर

नई दिल्ली।

भारत के सबसे धनी व्यक्तियों की कुल संपत्ति 1 लाख करोड़ डॉलर से ज्यादा 1.19 लाख करोड़ डॉलर (करीब 99.86 लाख करोड़ रुपये) हो चुकी है। फॉर्च्यून इंडिया की रिपोर्ट में यह खुलासा हुआ है। सूची में 185 लोगों डॉलर अरबपति का दर्जा दिया गया है यानी उनके पास कम से कम 1 अरब डॉलर की संपत्ति है। फॉर्च्यून इंडिया वाटरफील्ड एडवाइजर्स 2024 रैंकिंग के मुताबिक भारत के अरबपतियों की कुल संपत्ति साल 2022 के 832 अरब डॉलर से 50 फीसदी अधिक हो चुकी है। उस समय भारत में डॉलर अरबपतियों की संख्या 142 थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह वैश्विक आर्थिक चुनौतियों और डॉलर के मुकाबले रुपये में 5 फीसदी तक की गिरावट के बावजूद संपत्ति में उल्लेखनीय इजाफे को दर्शाता है। भारत के डॉलर अरबपतियों की कुल संपत्ति अब भारत के नॉमिनल सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) के 33.81 फीसदी के बराबर हो चुकी है।

इस साल डॉलर अरबपतियों की सूची में रोजमर्रा के उपभोग वाली वस्तुएं (एफएमसीजी), फार्मास्युटिकल्स और प्रौद्योगिकी सहित विभिन्न क्षेत्रों से 29 नए अरबपति शामिल हुए जिन्होंने सामूहिक रूप से 4.09 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति अर्जित की है। फॉर्च्यून इंडिया ने कहा है कि रिलायंस समूह के चेयरमैन मुकेश अंबानी 10.5 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ इस सूची में शीर्ष पायदान पर मौजूद हैं। उनके बाद दूसरे पायदान पर अदाणी समूह के चेयरमैन गौतम अदाणी हैं। पिछले सप्ताह हुरुन इंडिया की 2024 की सूची में अदाणी को 11.6 लाख करोड़ रुपये की संपत्ति के साथ एशिया का सबसे अमीर व्यक्ति बताया गया था। इन डॉलर अरबपतियों की संपत्ति बढ़ाने में शेयर बाजार ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अरबपतियों की औसत संपत्ति साल 2022 में 46,729 करोड़ रुपये थी जो बढ़कर साल 2024 में 53,978 करोड़ रुपये हो गई।

पेट्रोल-डीजल की कीमत स्थिर, कच्चा तेल 78 डॉलर प्रति बैरल के करीब

नई दिल्ली।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत में उतार-चढ़ाव लगातार जारी है। ब्रेंट क्रूड 78 डॉलर प्रति बैरल और डब्ल्यूटीआई क्रूड 75 डॉलर प्रति बैरल के करीब है। हालांकि, सार्वजनिक क्षेत्र की तेल एवं गैस विपणन कंपनियों ने मंगलवार को पेट्रोल-डीजल की कीमत में कोई बदलाव नहीं किया है।

अंतरराष्ट्रीय बाजार में हफ्ते के दूसरे दिन शुरुआती कारोबार में ब्रेंड क्रूड 0.09 डॉलर यानी 0.12 फीसदी की गिरावट के साथ 77.43 डॉलर प्रति बैरल पर ट्रेंड कर रहा है। वहीं, वेस्ट टेक्सस इंटरमीडिएट (डब्ल्यूटीआई) क्रूड 0.54 डॉलर यानी 0.73 फीसदी फिसलकर 74.09 यूएस डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार कर रहा है।

इंडियन ऑयल की वेबसाइट के मुताबिक, दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये, डीजल 87.62 रुपये, मुंबई में पेट्रोल 103.44 रुपये, डीजल 89.97 रुपये, कोलकाता में पेट्रोल 104.95 रुपये, डीजल 91.76 रुपये, चेन्नई में पेट्रोल 100.75 रुपये और डीजल 92.34 रुपये प्रति लीटर की दर पर उपलब्ध है।

एयरटेल 5जी नेटवर्क पर 300 एमबीपीएस अपलोड रफ्तार प्राप्त करने में सफल

नई दिल्ली ।

दूरसंचार कंपनी भारती एयरटेल, चिप विनिर्माता मीडियाटेक और स्मार्टफोन कंपनी नोकिया परीक्षणों के दौरान 5जी नेटवर्क पर 300 मेगाबिट प्रति सेकंड (एमबीपीएस) की अपलोड रफ्तार हासिल करने में सफल रही हैं। एक संयुक्त बयान में यह जानकारी दी गई। परीक्षण में नवीनतम पीढ़ी के चिपसेट का इस्तेमाल कर मिड-बैंड स्पेक्ट्रम के एक सेट का संयुक्त उपयोग किया गया था। अपलिंक प्रदर्शन को अधिक करने के लिए एयरटेल की टेक लैब में यह प्रयोग किया गया और 5जी नेटवर्क प्रदर्शन में एक नया मानदंड स्थापित करते हुए 300 एमबीपीएस की अपलिंक रफ्तार हासिल की गई। परीक्षण के दौरान 3.5 गीगाहर्ट्ज और 2.1 गीगाहर्ट्ज की आवृत्ति के बैंड को जोड़कर अपलोड रफ्तार बढ़ाई गई। इसमें मीडियाटेक के 5जी मोबाइल मंच डाइमेंशन और नोकिया के 5जी एयरस्केल रेडियो उपकरण का इस्तेमाल किया गया। भारती एयरटेल के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि यह परीक्षण नेटवर्क के अपलिंक प्रदर्शन को बहुत बढ़ाएगा जिससे डेटा की तेज रफ्तार और बेहतर संपर्क हासिल होगा। मीडियाटेक के वायरलेस संचार प्रणाली और भागीदारी महाप्रबंधक हो-ची ह्वांग ने कहा कि हम भारत में इस अभूतपूर्व परीक्षण पर सहयोग करके रोमांचित हैं। हमारे मंच ने एयरटेल के नेटवर्क पर अधिकतम रफ्तार हासिल करने में अहम भूमिका निभाई है। नोकिया इंडिया के एक अधिकारी ने कहा कि इस परीक्षण से बेहतर 5जी नेटवर्क के लिए रास्ता तैयार होगा।

सर्राफा बाजार में गिरावट जारी, सोना और चांदी की घटी कीमत

नई दिल्ली।

घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार 5वें दिन गिरावट का रुख बना नजर आ रहा है। गिरावट की वजह से 24 कैरेट सोना 73 हजार रुपये के स्तर से और 22 कैरेट सोना 67 हजार रुपये के स्तर से नीचे फिसल गया है। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 72,910 रुपये से लेकर 72,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी लुढ़क कर 66,840 रुपये से लेकर 66,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है।

चांदी के भाव में भी 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम तक की कमजोरी आई है। भाव में गिरावट आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में ये चमकीली धातु 85,900 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर बिक रही है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 72,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 66,840 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है।

वहीं, देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 72,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 72,810 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 66,740 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 72,760 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 66,690 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 72,760 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर आ गया है।

लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 72,910 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 66,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं, पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 72,810 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 66,740 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 72,910 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 66,840 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोने के भाव में गिरावट आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 72,760 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 66,690 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

सेंट्रल दिल्ली किंग्स के खिलाफ जीत के साथ विदाई लेना चाहेगी वेस्ट दिल्ली लायंस

नई दिल्ली।
वेस्ट दिल्ली लायंस मंगलवार शाम अरुण जेटली स्टेडियम में चल रहे दिल्ली प्रीमियर लीग टी20 के पहले सीजन में आखिरी बार मैदान पर कदम रखेगी। अपने आखिरी मैच में वेस्ट दिल्ली लायंस का सामना सेंट्रल दिल्ली किंग्स से होगा। जहां सेंट्रल दिल्ली किंग्स के लिए यह एक महत्वपूर्ण मैच होने वाला है, तो वहीं वेस्ट दिल्ली लायंस अपने गौरव के लिए खेलते हुए सीजन से शानदार विदाई लेना चाहेगा। यह सीजन वेस्ट दिल्ली लायंस के लिए कुछ खास अच्छा नहीं रहा है और नौ में से सिर्फ दो मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल की दौड़ से बाहर हो चुका है। हालांकि कई बार ऐसा हुआ, जब वेस्ट दिल्ली लायंस बेहतरीन प्रदर्शन करने के बाद भी जीतते जीतते रहे गई। फिलहाल टीम की निगाह मंगलवार को अपना आखिरी मैच जीतने पर है।

वेस्ट दिल्ली लायंस के मालिक डॉ. राजन चोपड़ा ने कहा, यह सीज़न काफी चुनौतीपूर्ण रहा है, लेकिन हमारी टीम ने जिस तरह से संघर्ष किया है, उसके लिए वो बधाई के पात्र हैं। हमने मजबूत विपक्ष का सामना किया है, हालांकि कई बार करीबी मौके आए, लेकिन परिणाम आशा अनुरूप नहीं आ सके। हम इस सीज़न में आखिरी बार मैदान पर कदम रखने जा रहे हैं और खेलेंगे भी वैसे ही। अंतिम मैच में टीम का फोकस प्रशंसकों और खुद के लिए दिल खोलकर खेलना और जीत के साथ विदाई लेना है। उम्मीद के मुताबिक सीजन न गुजरने के बावजूद भी डॉ. राजन चोपड़ा ने टीम को दिए अपने संदेश में कहा, हार-जीत तो खेल का हिस्सा है, सभी खिलाड़ियों का एकजुट होकर खेलना असल में टीम की जीत है।एक मालिक के रूप में मैं हमेशा अपने खिलाड़ियों को अपना 100 प्रतिशत देने की सलाह देता हूं। मैं हमेशा उनसे कहता हूं कि परिणाम कुछ भी हों आप निडर होकर खेलें। उन्होंने आगे कहा, अंत में मैं टीम रूपी अपने परिवार से सिर्फ इतना ही कहूंगा की वह अपने व्यक्तिगत स्कोर की परवाह किए बिना खुलकर खेलें और ऐसी विदाई लें, जो एक संदेश बन जाए कि हम भविष्य में एक मजबूत प्रतिद्वंदी बनकर लौटेंगे। वेस्ट दिल्ली लायंस अपना आखिरी लीग मैच मंगलवार को सेंट्रल दिल्ली किंग्स के साथ खेलेगी। वेस्ट दिल्ली लायंस टीम: रितिक शौकीन, नवदीप सैनी, देव लाकड़ा, दीपक पुनिया, शिवांक वशिष्ठ, अखिल चौधरी, आयुष डोसेजा, कृष यादव, अनमोल शर्मा, जुगल सैनी, अंकित राजेश कुमार, विवेक यादव, आर्यन दलाल, मसाब आलम, एकांश डोबाल , शिवम गुप्ता, योगेश कुमार, सूर्यकांत चौहान, तिशांतडाबला, अब्राहिम अहमद मसूदी।

न्यूज ब्रीफ

चोट के कारण दलीप ट्रॉफी के पहले दौर से बाहर हुए सूर्यकुमार

नई दिल्ली। सूर्यकुमार यादव को 2024-25 दलीप ट्रॉफी के शुरुआती दौर से बाहर कर दिया गया है,

क्योंकि पिछले हफ़्ते कोयंबटूर में बुची बाबू आमंत्रण टूर्नामेंट में मुंबई के लिए प्री-सीज़न मैच के दौरान उन्हें हाथ में चोट लग गई थी। सूर्यकुमार को आराम करने की सलाह दी गई है और वह नियमित जांच के लिए फिलहाल बेंगलुरु में राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी में हैं। ईएसपीएनक्रिकइंफो के अनुसार, सूर्यकुमार ने पिछले हफ़्ते टीएनसीए इलेवन के खिलाफ़ मैच की दूसरी पारी में बल्लेबाज़ी नहीं की थी, क्योंकि तीसरे दिन फ़ील्डिंग करते समय उनके हाथ में चोट लग गई थी। उस समय, मुंबई टीम प्रबंधन ने पुष्टि की थी कि यह कदम सीजन की शुरूआती दलीप ट्रॉफी में उनकी भागीदारी को ध्यान में रखते हुए एहतियाती तौर पर उठाया गया था। भारत के टी20 कप्तान सूर्यकुमार ने हाल ही में टेस्ट में वापसी के लिए उत्सुकता व्यक्त की है। एक साल से अधिक समय से कोई प्रथम श्रेणी क्रिकेट नहीं खेलने के बाद, सूर्यकुमार ने रेड-बॉल क्रिकेट के लिए खुद को तैयार करने के लिए प्री-सीजन बुची बाबू टूर्नामेंट के लिए खुद को उपलब्ध कराया, जिसमें भारत को अगले पांच महीनों में 10 टेस्ट खेलने हैं, जिसकी शुरुआत 19 सितंबर से चेन्नई में बांग्लादेश के खिलाफ दो मैचों की श्रृंखला से होगी। सूर्यकुमार, जिन्होंने अब तक एकमात्र टेस्ट पिछले साल ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला था, को इंडिया सी टीम में शामिल किया गया है, जिसका नेतृत्व रुतुराज गायकवाड़ करेंगे, जो अनंतपुर में श्रेयस अय्यर की इंडिया डी से भिड़ेंगे। इंडिया ए और इंडिया बी एक साथ बेंगलुरु के चिन्नास्वामी स्टेडियम में दूसरे शुरुआती दौर का मैच खेलेंगे। हाल ही में, तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज और उमरान मलिक भी बीमारी के कारण दलीप ट्रॉफी के शुरुआती दौर से बाहर हो गए थे, और रवींद्र जडेजा को वापस बुला लिया गया था, हालांकि बीसीसीआई ने उनके लिए कोई कारण नहीं बताया। नवदीप सैनी और गौरव यादव क्रमश: भारत बी और सी टीमों के लिए सिराज और मलिक की जगह लेंगे। इस बीच, नितीश कुमार रेड्डी को एनसीए ने फिट घोषित कर दिया है। उन्हें कमर की चोट के कारण फिटनेस की शर्त पर शामिल किया गया था, जिसके कारण उन्हें जुलाई में जिम्बाब्वे के लिए भारत की टी20आई टीम से बाहर होना पड़ा था। दलीप ट्रॉफी के पहले दौर के लिए संशोधित टीमें- भारत ए: शुभमन गिल (कप्तान), मयंक अग्रवाल, रियान पराग, ध्रुव जुरेल (विकेट कीपर), केएल राहुल, तिलक वर्मा, शिवम दुबे, तनुश कोटियन, कुलदीप यादव, आकाश दीप, प्रसिद्ध कृष्णा, खलील अहमद, आवेश खान, विद्वाथ कवरप्पा, कुमार कुशाग्र, शाश्वत रावत। भारत बी: अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), यशस्वी जयसवाल, सरफराज खान, ऋषभ पंत (विकेटकीपर), मुशीर खान, नितीश कुमार रेड्डी, वाशिंगटन सुंदर, नवदीप सैनी, यश दयाल, मुकेश कुमार, राहुल चाहर, आर साई किशोर, मोहित अवस्थी, एन जगदीसन (विकेटकीपर)। भारत सी: रुतुराज गायकवाड़ (कप्तान), साई सुदर्शन, रजत पाटीदार, अभिषेक पोरेल (विकेटकीपर), बी इंद्रजीत, रितिक शौकीन, मानव सुथार, गौरव वी शेक विजयकुमार, अंशुल खंबोज, हिमांशु चौहान, मयंक मारकंडे, आर्यन जुयाल (विकेटकीपर), संदीप वारियर। भारत डी: श्रेयस अय्यर (कप्तान), अथर्व तायडे, यश दुबे, देवदत्त पडिक्कल, ईशान किशन (विकेटकीपर), रिकी भुई, सारांश जैन, अक्षर पटेल, अर्शदीप सिंह, आदित्य ठाकरे, हर्षित राणा, तुषार देशपांडे, आकाश सेनगुप्ता, के.एस. भारत (विकेट कीपर), सौरभ कुमार।

सहवाग इस कारण नहीं बनना चाहते हैं कोच

नई दिल्ली । टीम इंडिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग ने कहा है कि वह अभी भारतीय टीम

के कोच नहीं बनना चाहते हैं। सहवाग ने साथ ही कहा कि अगर अवसर मिलेगा तो वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की किसी टीम का कोच बनने पर विचार करेंगे। अभी वह भारतीय टीम का कोच नहीं बनना चाहते हैं। सहवाग के अनुसार कोच बनने पर लंबे समय तक घर से बाहर रहना पड़ता है जबकि अभी उनके बच्चे छोटे हैं। इसलिए वह इतना समय नहीं दे सकते। सहवाग के अनुसार अभी बच्चों को मेरी जरूरत है। वो दोनों ही क्रिकेट खेलते हैं. एक ऑफ स्पिनर है और एक ओपनिंग बल्लेबाज है। उनको क्रिकेट सिखाना है और आगे खिलाना है अभी मेरा यही लक्ष्य है। सहवाग ने पूर्व में एक बार भारतीय टीम के कोच के लिए आवेदन दिया था पर उस समय रवि शास्त्री को कोच बनाया गया था उसके बाद उन्होंने आवेदन नहीं किया। वह आईपीएल पंजाब किंग्स के मेंटोर बने थे पर उनकी टीम को सफलता नहीं मिली। ऐसे में उन्हें पद छोड़ना पड़ा। साल 2018 के बाद से वह किसी भी टीम के साथ नहीं जुड़े हैं। सहवाग ने कहा, अभी मुझे अपने बच्चों के साथ ज्यादा से ज्यादा समय बिताना है। अगर मैं भारतीय टीम का कोच बनता हूं तो 8 महीने बाहर रहना होगा जो अभी मेरे लिए संभव नहीं है।

पेरिस पैरालिंपिक : भारत के लिए ऐतिहासिक रहा सोमवार का दिन, 2 स्वर्ण सहित जीते 8 पदक, प्रधानमंत्री मोदी ने सराहा

नई दिल्ली।
पेरिस पैरालिंपिक 2024 में भारत के लिए सोमवार का दिन असाधारण था। इतिहास रचा गया, रिकॉर्ड तोड़े गए और 12 घंटे से भी कम समय में नए मील के पत्थर हासिल किए गए। भारत ने ऐतिहासिक सोमवार को आठ पदक जीतकर अपने कुल पदकों की संख्या 15 कर ली है। सिर्फ़ एक दिन में, भारत ने 1988-2016 के बीच अपने पूरे पैरालिंपिक पदकों की बराबरी कर ली और एक ओलंपिक में अब तक जीते गए पदकों से ज़्यादा पदक जीत लिए। यह निश्चित रूप से भारत के पैरालिंपिक/ओलंपिक इतिहास का सबसे विजयी दिन था। यह वास्तव में भारतीय खेल इतिहास के सबसे महान दिनों में से एक था।

प्रधानमंत्री मोदी लगातार बढ़ा रहे हैं खिलाड़यों का हौंसला - शारीरिक चुनौतियों का सामना करने के बावजूद देश को गौरवान्वित करने वाले एथलीटों को जब देश के मुखिया का साथ मिलता है तो उनका आत्मविश्वास और खुशी सातवें आसमान पर होता है। सोमवार को भी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने नितेश और चीयर 4 भारत को टैग करते हुए अपने एक्स पर लिखा 'पैरा बैडमिंटन पुरुष एकल एसएल 3 में नितेश कुमार की सफलता शानदार रही है और उन्होंने स्वर्ण पदक जीता है। उन्हें अपनी अविश्वसनीय क्षमताओं और दृढ़ता के लिए जाना जाता है। वह उभरते खिलाड़ियों के लिए प्रेरणा हैं।' इससे पहले भी सुमित अंतिल, तुलसीमथी मुरुगेसन, सुहास यतिराज, योगेश कथुनिया, शीतल देवी और राकेश कुमार, मनीषा रामदास और नित्या श्री सिवन ने जब अपनी अपनी प्रतियोगिताओं में पदक जीते, तब तब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उन्हें बधाई

संदेश देकर देश के लिए एक प्रेरणा बताया। प्रधानमंत्री ने हर पदक जीत के बाद कभी सोशल मीडिया तो कभी फोन के जरिए खिलाड़ियों से बात की और उन्हें शुभकामनाएं भी दीं, साथ ही उन्होंने असफल एथलीटों को प्रोत्साहित भी किया। प्रधानमंत्री ओलंपिक, पैरालिंपिक या किसी भी बड़े खेल इवेंट के बाद खिलाड़ियों से मिलते हैं और उनका हौसला बढ़ाते हैं।

शानदार सोमवार - दिलचस्प संयोग यह है कि पैरालिंपिक में भारत का पिछला सर्वश्रेष्ठ दिन भी सोमवार - 30 अगस्त, 2021 को आया था। सुमित अंतिल पैरालंपिक स्वर्ण पदक जीतने वाले पहले भारतीय पुरुष बन गए और उन्होंने यह उपलब्धि बहुत ही शानदार तरीके से हासिल की - उन्होंने पैरालंपिक में अपना ही रिकॉर्ड फिर से तोड़ दिया (दो बार)। इस सोमवार को नितेश कुमार ने भी स्वर्ण पदक जीता। बैडमिंटन में तुलसीमथी मुरुगेसन (एसयू5) और सुहास यतिराज (एसएल4) ने रजत पदक जीते और एथलेटिक्स में योगेश कथुनिया (डिस्कस एफ56) ने रजत पदक जीता। शीतल देवी और राकेश कुमार की अद्वितीय जोड़ी ने मिश्रित कंपाउंड तीरंदाजी में शानदार कांस्य पदक जीता, जबकि बैडमिंटन स्टार मनीषा रामदास (एसयू5) और नित्या श्री सिवन (एसएच6) ने भी कांस्य पदक जीता।

नितेश ने पैरों में चोट के बावजूद जीता बैडमिंटन का सोना - पैरा बैडमिंटन में एक घंटे और बीस मिनट के रोमांचक मुकाबले में नितेश कुमार ने ग्रेट ब्रिटेन के पसंदीदा डेनियल बेथेल को 21-14, 18-21, 23-21 से हराकर अपना पहला अंतरराष्ट्रीय स्वर्ण पदक जीता। दृढ़ निश्चय, बेहतरीन तकनीक और गंभीर धैर्य (सबसे लंबी रैली 122 शॉट की थी) दिखाते हुए नितेश ने अपने प्रतिद्वंद्वी को गेम में पीछे छोड़ दिया। उनके बेदाग डिफेंस और सटीक हमले ने बेथेल को आश्चर्यचकित कर दिया। भारतीय ने ब्रिटिश खिलाड़ी के खिलाफ 10 प्रयासों में अपनी एकमात्र जीत हासिल की। दादरी (हरियाणा) में जन्मे नितेश का पहला प्यार फुटबॉल था। हालाँकि, 2009 में विजाग में एक दुखद दुर्घटना ने उनकी आकांक्षाओं को चकनाचूर कर दिया, जिससे उन्हें महीनों तक बिस्तर पर रहना पड़ा और पैर में हमेशा के लिए चोट लग गई। इस झटके के बावजूद, नितेश का खेल के प्रति प्यार अटूट रहा। आईआईटी मंडी में पढ़ाई के दौरान नितेश को बैडमिंटन के प्रति नया जुनून पैदा हुआ। उन्होंने कोर्ट पर अपने हुनर को निखारा, अक्सर स्वस्थ शरीर वाले लोगों को चुनौती दी। नितेश का सबसे बड़ा पल 2020 में आया, जब उन्होंने टोक्यो पैरालंपिक पदक विजेता प्रमोद और मनोज को हराकर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक हासिल किया। घरेलू टूर्नामेंट में उनके दबदबे ने भारत के अग्रणी पैरा-बैडमिंटन एथलीटों में से एक के रूप में उनकी स्थिति को मजबूत किया।

दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल विकार के शिकार योगेश ने जीता रजत - चक्का फेंक खिलाड़ी योगेश कथुनिया के लिए यह एक नियमित प्रक्रिया बन गई है, उन्होंने पेरिस पैरालिंपिक में फिर से रजत जीतने के लिए सीजन का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन (इस बार 42.22 मीटर) किया, टोक्यो में अपनी उपलब्धि को दोहराते हुए, वह ब्राजील के क्लॉडनी बतिस्ता से पीछे रहे। योगेश को नौ साल की उम्र में गिलियन-बैरे सिंड्रोम नामक एक दुर्लभ न्यूरोलॉजिकल विकार हो गया था, जिससे क्वाड्रिपेरेसिस (एक ऐसी स्थिति जिसमें प्रभावित व्यक्ति के चारों अंगों में मांसपेशियों की कमजोरी होती है) हो जाती है। उसकी माँ ने उसे बचाया, फिजियोथेरेपी सीखी और तीन साल के भीतर योगेश ने फिर से चलने के लिए पर्याप्त मांसपेशियों की ताकत हासिल कर ली। अब वह दो बार पैरालिंपिक रजत पदक विजेता हैं।

मनीषा ने कमजोर हाथ को बनाया मजबूत और जीता कांस्य - कोर्ट पर पच्चीस मिनट। 21-12, 21-8। पैरा बैडमिंटन में मनीषा रामदास का कांस्य पदक, भारत का दिन का तीसरा पदक, बहुत ही शानदार था। जन्म से ही मनीषा का दाहिना हाथ क्षतिग्रस्त हो गया था, क्योंकि डॉक्टरों ने उन्हें पैदा करते समय एक नैदानिक गलती की थी। 12 साल की उम्र से पहले तीन सर्जरी करवाने के बावजूद वह अपना हाथ सीधा नहीं कर पाई। उसने कक्षा पांच में बैडमिंटन पर ध्यान केंद्रित करना शुरू किया और केवल 17 साल की उम्र में, विश्व चैंपियनशिप में सफलता हासिल की और 2022 बीडब्ल्यूएफ महिला पैरा-बैडमिंटन प्लेयर ऑफ द ईयर का खिताब जीता। 2024 में, वह अब पैरालिंपिक कांस्य पदक विजेता हैं।

स्मिथ, क्लार्कसन को पहली बार मिला एनजेडसी केंद्रीय अनुबंध

वेलिंगटन।
न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने ऑलराउंडर नाथन स्मिथ और जोश क्लार्कसन को पहला अनुबंध दिया है। यह जोड़ी प्रभावी रूप से डेवोन कॉनवे और फिन एलन की जगह लेगी, जिन्होंने फ्रैंचाइज़ क्रिकेट के अवसरों का लाभ उठाने के लिए केंद्रीय अनुबंध से बाहर निकलने का विकल्प चुना था। 26 वर्षीय स्मिथ को मार्च में एनजेडसी अवार्ड्स में वर्ष का सर्वश्रेष्ठ घरेलू खिलाड़ी चुना गया था, जिन्होंने प्लंकेट शील्ड में मात्र 17 की औसत से 33 विकेट लिया था और सबसे ज़्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज़ रहे थे। उन्होंने कैंटरबरी के खिलाफ़ 36 रन देकर 6 विकेट लिया था, जो उनके करियर का सर्वश्रेष्ठ प्रथम श्रेणी प्रदर्शन था। स्मिथ ने सफ़ेद गेंद के प्रारूप में अपना प्रदर्शन जारी रखा, जिसके बाद उन्होंने फ़ोर्ड ट्रॉफी और सुपर स्मैश टूर्नामेंट में क्रमश: 11 और 13 विकेट लिए।

इस बीच, 27 वर्षीय क्लार्कसन ने पिछले दिसंबर में न्यूजीलैंड के लिए व्हाइट-बॉल में पदार्पण किया और तब से तीन वनडे और छह टी20 मैच खेले हैं। वह 2022-23 के सफल घरेलू सत्र के बाद सुर्खियों में आए, जिसमें सेंट्रल स्टैग्स को प्लंकेट शील्ड और फोर्ड ट्रॉफी दोनों जीताने में मदद की।

स्मिथ और क्लार्कसन दोनों ही न्यूजीलैंड अंडर-19 विश्व कप टीम का हिस्सा थे, जो बांग्लादेश में खेला गया था, जिसमें ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र और बेन सियर्स शामिल थे। हेड कोच गैरी स्टीड ने कहा, नाथन पिछले कुछ समय से हमारे रडार पर हैं, क्योंकि पिछले कुछ समय से वह घरेलू क्रिकेट में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। वह रेड बॉल क्रिकेट में विशेष रूप से प्रभावशाली रहे हैं और हमें लगता है कि जब उन्हें मौका मिलेगा तो उनके पास अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सफल होने का कौशल है। क्लार्कसन के बारे में उन्होंने कहा, जोश पिछले बारह महीनों में दोनों सफेद गेंद वाली टीमों में शामिल रहे हैं, जो उनके खेल में की गई प्रगति को दर्शाता है। वह बहुत सारे कौशल वाला एक कठोर खिलाड़ी है और उसने अब तक अपने अवसरों में दिखाया है कि वह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बल्ले और गेंद से बहुत कुछ दे सकता है।

राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप

विथ्या ने 400 मीटर बाधा दौड़ में पी.टी. उषा का 39 साल पुराना मीट रिकॉर्ड तोड़ा

बेंगलुरु।
विथ्या रामराज ने सोमवार को यहां श्री कांतीरवा स्टेडियम में 63वीं राष्ट्रीय ओपन एथलेटिक्स चैंपियनशिप में महिलाओं की 400 मीटर बाधा दौड़ में शानदार प्रदर्शन के साथ 39 साल पुराना मीट रिकॉर्ड तोड़ दिया।

विथ्या (56.23 सेकंड) ने 1985 में पी.टी. उषा (56.80 सेकंड) द्वारा बनाए गए मीट रिकॉर्ड को तोड़ दिया।

2022 एशियाई खेलों में 400 मीटर बाधा दौड़ में कांस्य पदक जीतने वाली विथ्या ने कहा, पी.टी. उषा एक बेहतरीन खिलाड़ी हैं। उनका मीट रिकॉर्ड कई सालों से कायम है। मेरे कोच चाहते थे कि मैं इस लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड को तोड़ूं। वह चाहते थे कि मेरा नाम रिकॉर्ड सूची में शामिल हो।

विथ्या के कोच नेहपाल सिंह ने थोड़ी अतिरिक्त प्रेरणा देते हुए अपनी शिष्या से वादा किया कि अगर वह 57 सेकंड से कम समय में दौड़ पाती है तो उसे पांच दिन की छुट्टी मिलेगी।

विथ्या ने कहा, मैं इस छुट्टी का उपयोग कोयंबटूर में अपने माता-पिता के साथ समय बिताने के लिए करूंगी। मैंने उन्हें एक साल से

नहीं देखा है।

पुरुषों की 200 मीटर दौड़ में तमिलनाडु के नितिन (20.66 सेकंड) ने नया मीट रिकॉर्ड बनाया। पुराना रिकॉर्ड अनिमेष कुजूर (20.74 सेकंड) के नाम था।

एन्सी सोजन ने महिलाओं की लंबी कूद में जीत हासिल की और उन्हें सर्वश्रेष्ठ महिला एथलीट घोषित किया गया। एन्सी की 6.71 मीटर की छलांग अंजू बॉबी जॉर्ज (6.74 मीटर, 2002) के मीट रिकॉर्ड से बस थोड़ी ही पीछे थी।

उरुग्वे के स्ट्राइकर लुइस सुआरेज़ ने अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से लिया संन्यास

नई दिल्ली।
उरुग्वे के स्ट्राइकर लुइस सुआरेज़ ने सोमवार को अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल से संन्यास की घोषणा की। इस तरह उन्होंने अपनी राष्ट्रीय टीम के साथ 69 गोल के साथ शीर्ष स्कोरर के रूप में अपने 17 साल के करियर पर विराम लगा दिया।

37 वर्षीय खिलाड़ी, जिन्होंने अपने देश के लिए 142 मैच खेले हैं, ने 2007 में अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल में पदार्पण किया था और 2010 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली टीम में अहम भूमिका निभाई थी और एक साल बाद कोपा अमेरिका जीता था।

सुआरेज़ ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, शुक्रवार को मेरे देश की राष्ट्रीय टीम के साथ मेरा आखिरी मैच होगा।

स्ट्राइकर ने कहा, यह तथ्य कि मैंने संन्यास लेने का फैसला किया है और मैं चोटों के कारण सेवानिवृत्त नहीं हुआ हूं या उन्होंने मुझे किसी एक चीज के लिए बुलाना बंद नहीं किया है, मुझे बहुत सुकून देता है, इससे मुझे व्यक्तिगत रूप से मदद मिलती है। यह मुश्किल है, लेकिन इससे मुझे मानसिक शांति मिलती है कि आखिरी गेम तक मैंने अपना सब कुछ दिया है, और वह लौ धीरे-धीरे बुझ नहीं रही है।

उरुग्वे शुक्रवार को 2026 विश्व कप के लिए दक्षिण अमेरिकी क्वालीफायर में मोंटेवीडियो के सेंटेनारियो स्टेडियम में पराग्वे से भिड़ेगा, उसके चार दिन बाद उसका सामना वेनेजुएला से होगा।

सुआरेज़ ने कनाडा के खिलाफ़ स्टॉपेज-टाइम गोल किया, जिसने जुलाई में कोपा अमेरिका में तीसरा स्थान हासिल किया और स्ट्राइकर ने कहा कि उनका एक लक्ष्य यह दिखाना था कि वह राष्ट्रीय टीम में योगदान देना जारी रख सकते हैं।

उन्होंने कहा, मेरा सपना था कि मेरे बच्चे मुझे राष्ट्रीय टीम के साथ कुछ महत्वपूर्ण मैच जीतते हुए देखें... वह आखिरी गोल उनके लिए बहुत अच्छा था और भले ही वह घर ले जाने के लिए कोई ट्रॉफी नहीं थी, लेकिन यह उनके लिए बहुत अच्छा था। मैं लोगों को फिर से दिखाना चाहता था कि मैं राष्ट्रीय टीम में योगदान देना जारी रख सकता हूँ और, ठीक है, मेरे पास कोपा अमेरिका था और हाँ, मैं उसके बाद इसे (सेवानिवृत्त) पूरी तरह से कर सकता था, लेकिन स्थिति का विश्लेषण करने के बाद, मैं इसे अपने लोगों के साथ, अपने स्टेडियम में करना चाहता हूँ। मैं चाहता हूँ कि मेरे बच्चे इस अनुभव को जीएँ।

उन्होंने कहा कि यहाँ के लोगों को अलविदा कहना कुछ ऐसा है जो मुझे नहीं पता कि बहुतों ने किया है या नहीं।

सुआरेज़ पहले ही कह चुके हैं कि इंटर मियामी उनका आखिरी क्लब होगा, जहां वे पिछले साल मेजर लीग सॉकर में शामिल हुए थे और अपने पूर्व बार्सिलोना साथियों लियोनेल मेस्सी, सर्जियो बुस्केट्स और जोर्डी अल्बा के साथ फिर से जुड़ेंगे।

आईसीसी 2025 विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 11 से 15 जून तक, लार्ड्स करेगा मेजबानी

नई दिल्ली।
आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2025 लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड में 11 से 15 जून 2025 तक खेला जाएगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने मंगलवार को उक्त जानकारी दी।

यह अल्टीमेट टेस्ट आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप में दो साल की कड़ी प्रतिस्पर्धा का समापन है, जिसके तहत 27 सीरीज़ में 69 टेस्ट मैच खेले गए, हालांकि इन 69 मैचों में से अभी कुछ खेले जाने बाकी हैं।

भारत वर्तमान में योग्यता निर्धारित करने वाले प्रतिशत अंकों के अनुसार टेस्ट स्टैंडिंग में शीर्ष पर है, जबकि ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर है। न्यूजीलैंड तीसरे स्थान पर है, जबकि इंग्लैंड, बांग्लादेश, श्रीलंका और दक्षिण अफ्रीका एक साथ मध्य-तालिका में हैं।

लॉर्ड्स में होने वाला टेस्ट आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप के तीसरे संस्करण के विजेता

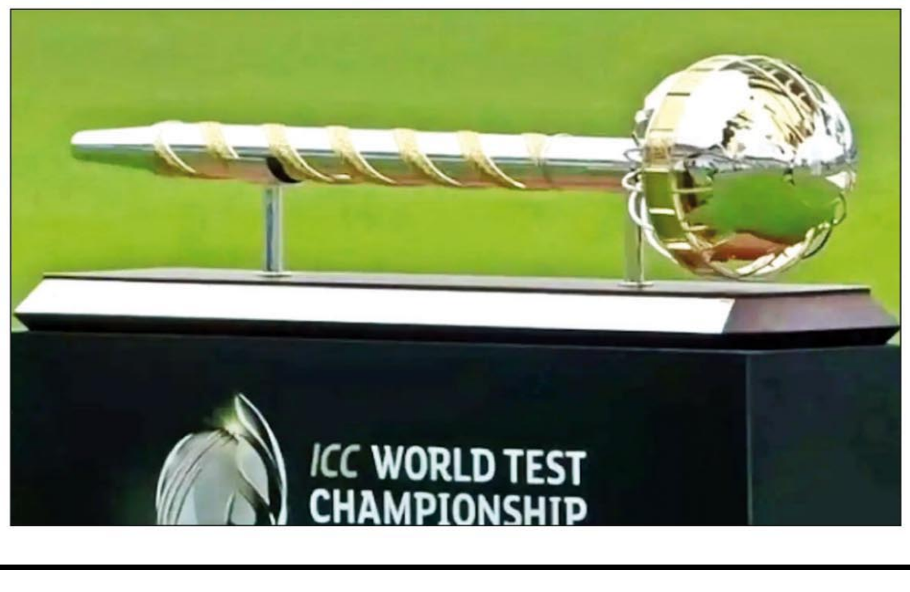

का फैसला करेगा। न्यूजीलैंड ने 2021 में उद्घाटन चैंपियनशिप जीती, और ऑस्ट्रेलिया ने 2023 में टेस्ट मेस उठाया।

आईसीसी के मुख्य कार्यकारी, ज्योफ एलार्डिस ने कहा: आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल क्रिकेट कैलेंडर में सबसे प्रतीक्षित आयोजनों में से एक बन गया है और हमें 2025 संस्करण की तारीखों की घोषणा करते हुए खुशी हो रही है। यह टेस्ट क्रिकेट की स्थायी अपील का प्रमाण है, जो दुनिया भर के प्रशंसकों को आकर्षित करता है। टिकटों की बहुत मांग होगी, इसलिए मैं प्रशंसकों को प्रोत्साहित करूँगा कि वे अभी से अपनी रुचि दर्ज कराएँ ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि उन्हें अगले साल अल्टीमेट टेस्ट देखने का मौका मिले।

आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल 2023 जीतने वाले कप्तान, पैट कमिंस ने कहा, विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीतना इस टीम के लिए एक बड़ा लक्ष्य था और अभी भी है। यह सभी टीमों के लिए दो साल के चक्र में कड़ी मेहनत और निरंतरता का परिणाम है।

तो उम्मीद है कि हम फिर से वहाँ पहुँचेंगे, अभी और तब के बीच बहुत सारा क्रिकेट खेला जाना बाकी है, और प्रशंसकों को हमें खिताब बचाते हुए देखने का मौका मिल सकता है।

एमसीसी के मुख्य कार्यकारी और सचिव गाय लैवेंडर ने कहा, हम पहली बार विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की मेजबानी करने के लिए आईसीसी के साथ काम करके खुश हैं। लॉर्ड्स में टेस्ट मैच के दिन खास होते हैं और उस समय दुनिया की दो सर्वश्रेष्ठ पुरुष टीमों का स्वागत करना, क्रिकेट के घर में मुकाबला करना, एक ऐसा अनुभव होगा जिसे मिस नहीं किया जा सकता।

स्त्री 2 में मध्य प्रदेश की इन चार जगहों पर दिखा सरकटे का आतंक

बॉक्स ऑफिस पर इन दिनों सरकटे का आतंक लगातार जारी है। अमर कौशिक की कॉमेडी हॉरर फिल्म *स्त्री 2* जमकर लोगों का मनोरंजन कर रही है। 15 अगस्त को रिलीज हुई श्रद्धा कपूर और राजकुमार राव स्टारर यह फिल्म पहले दिन से ही धूम मचा रही है। फिल्म की स्टोरी और स्टार कास्ट के अलावा इन दिनों फिल्म की शूटिंग लोकेशन भी काफी चर्चा में है। दरअसल, यह मध्य प्रदेश के चंदेरी और भोपाल के कुछ हिस्सों में शूट की गई है। फिल्म में इन शहरों की खूबसूरती को देख अब लोग यहां काफी दिलचस्पी दिखा रहे हैं। ऐसे में आज इस आर्टिकल में हम आपको बताएंगे फिल्म की अलग-अलग शूटिंग लोकेशन, उनके इतिहास और खासियत के बारे में। अगर आप भी एक बार फिल्म में दिखाई गई इन भूतिया जगहों का दीदार करना चाहते हैं, तो रियल लाइफ एक्सीपीरिएंस के लिए यहां जरूर जाएं।

राजा रानी महल, चंदेरी : चंदेरी स्थित राजा रानी महल फिल्म का एक अहम शूटिंग लोकेशन रहा है। सात मंजिला यह महल फिल्म में कई जगह देखने को मिला है। खासकर फिल्म का मशहूर रोमांटिक सॉन्ग *तुम्हारे ही रहेंगे* इसी महल में शूट किया गया है। इस महल की घुमावदार सीढ़ियां इस फिल्म की अहम शूटिंग लोकेशन थी। आप चंदेरी जाकर खुद इस महल की सैर कर सकते हैं।

चंदेरी किला, चंदेरी : चंदेरी शहर की शान चंदेरी किला भी फिल्म में कई जगह देखने को मिला है। 10 वीं-11वीं शताब्दी निर्मित यह किला चंद्रागिरि नामक एक पहाड़ी बनाया गया है। कीर्तिपाल महाराज ने इस किले को दुश्मनों से सुरक्षा के लिए चंद्रागिरि पहाड़ी के सबसे ऊंची जगह पर बनवाया था। यह किला स्थापत्य कला का शानदार नमूना है, जिसे काफी हद तक हॉरर एक्सपीरिएंस भी देता है।

कटी घाटी गेटवे, चंदेरी : फिल्म में यूं तो कई सारी जगह दिखाई गई हैं, लेकिन इसमें दिखाया गया बस स्टैंड जहां विक्की हर बार फिल्म की हीरोइन श्रद्धा कपूर को छोड़ने जाता था, वह सभी को याद होगा। इस सीन में नजर आने वाला बड़ा सा दरवाजा असल में चंदेरी का कटी घाटी गेटवे है। यह गेट असल में भी भूतिया माना जाता है और इससे जुड़े कई रहस्य आज मौजूद हैं। इसकी खास बात यह है कि सिर्फ एक व्यक्ति ने एक ही रात में पहाड़ काटकर इस गेट को बनाया था। घाट काट कर बनाए जाने की वजह से इसे कटी घाटी गेट कहा जाता है।

ताज महल पैलेस, भोपाल : चंदेरी की खूबसूरत पर डरावनी जगहों के अलावा इस फिल्म में प्रदेश की राजधानी भोपाल की कुछ दृश्य भी दिखाए गए हैं। फिल्म के कुछ सीन भोपाल के ताज महल पैलेस में शूट किए गए हैं। दिलचस्प बात यह है कि इस ऐतिहासिक महल से असल में भी कई डरावनी कहानियां जुड़ी हुई हैं और खुद फिल्म के क्रू मेंबर्स ने भी यहां कुछ अजीब चीजें एक्सपीरिएंस की। अगर आप भी हॉरर एक्सपीरिएंस के शौकीन हैं और फिल्म में दिखाई गई जगहों को असल में देखना चाहते हैं, तो एक बार मध्य प्रदेश की इन जगहों को जरूर एक्सप्लोर करें।

डिनर के बाद पिएं 5 हर्बल ड्रिंक्स

मक्खन की तरह पिघलेगी चर्बी और शरीर की गंदगी भी होगी बाहर

वेट लॉस की चाहत में महंगी से महंगी डाइट लेने में कोई बुराई नहीं है, लेकिन अगर आप भी घर की किचन में मौजूद कुछ नेचुरल चीजों को नजरअंदाज कर देते हैं, तो ये समझदारी का सौदा बिल्कुल भी नहीं है। इस आर्टिकल में हम आपको ऐसी 5 हर्बल ड्रिंक्स के बारे में बताएंगे, जिन्हें डिनर के बाद पीने से मोटापे की समस्या से काफी राहत पाई जा सकती है। जी हां, इन ड्रिंक्स से न सिर्फ आप तेजी से बढ़ती चर्बी को पिघला सकते हैं बल्कि शरीर में मौजूद टॉक्सिन्स को भी बाहर का रास्ता दिखा सकते हैं। आइए जानें।

नींबू पानी और शहद : नींबू पानी में मौजूद विटामिन सी, वजन घटाने में काफी मददगार हो सकता है। वहीं, शहद में भरपूर मात्रा में एंटीऑक्सीडेंट्स पाए जाते हैं, जो शरीर के मेटाबॉलिक रेट को बढ़ा सकते हैं। ऐसे में, डिनर के बाद नींबू पानी में शहद मिलाकर पीने से पाचन में सुधार हो सकता है और वजन कम करने में मदद मिल सकती है।

अदरक की चाय : अदरक में जिंजरॉल नामक यौगिक पाया जाता है, जो मेटाबॉलिज्म को बढ़ा सकता है। यही वजह है कि डिनर के बाद अदरक की चाय पीना भी फायदेमंद है, इसे बनाने के लिए अदरक को पानी में उबालें और इसमें थोड़ा शहद या नींबू का रस मिलाएं। डिनर के बाद इस चाय को पीने से तेजी से वेट लॉस किया जा सकता है।

तुलसी की चाय : तुलसी में ऐसे एंटीऑक्सीडेंट्स और एंटी-इंफ्लेमेटरी गुण मौजूद होते हैं जो वजन कम करने में फायदेमंद हो सकते हैं। तुलसी चाय बनाने के लिए तुलसी के पत्तों को पानी में उबालें और इसमें थोड़ा शहद या नींबू का रस मिलाएं। डिनर के बाद रोजाना इस चाय को घूंट-घूंट करके पिएंगे, तो कुछ ही वक्त में मोटापा कम होता नजर आने लगेगा।

पुदीने की चाय : पुदीने को पाचन में सुधार के लिए जाना जाता है, लेकिन क्या आप जानते हैं कि बैली फैट को कम करने के लिए इससे बनी ड्रिंक्स असरदार साबित होती हैं? डिनर के बाद पुदीने की चाय पीते हैं, तो इससे गैस, एसिडिटी जैसी तकलीफें दूर रहती हैं और वेट लॉस भी आसान हो जाता है।

ग्रीन टी : डिनर के बाद ग्रीन टी पीने से भी वजन कम किया जा सकता है। इसमें मौजूद कैटेचिन नामक यौगिक मेटाबॉलिक रेट को बढ़ाता है। इसे बनाने के लिए आप ग्रीन टी को पानी में उबालें और फिर इसमें थोड़ा-सा शहद और नींबू का रस मिलाएं।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**